শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 46 | गुवाहाटी | शनिवार, 9 सितंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

असम में मुसलमान कई पत्नियां नहीं रखते क्योंकि वे बेरोजगार हैं : बदरुद्दीन अजमल पेज 3
जी-20 : भारतीय सेना ने दिल्ली के तीन अस्पतालों को अपने कब्जें में लिया पेज 4
मुख्यमंत्री योगी ने मनाया योगेश्वर श्रीकृष्ण का प्राकट्योत्सव पेज 5
सनातन भारतीय के रग-रग में बसा, कोई खत्म नहीं कर सकता : सी पी जोशी पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

कार्य-सिद्धि के लिए हस्त-कौशल का उपयोग करना चाहिए।

- आचार्य चाणक्य

मुख्यमंत्री ने किया स्वदेशी कौशल प्रशिक्षण का उद्घाटन

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज स्वदेशी व्यापारों के संरक्षण और संवर्धन के लिए स्वदेशी कौशल प्रशिक्षण का उद्घाटन किया। असम के युवाओं के कौशल को अधिक ऊंचाई पर ले जाने के लिए, मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने जनता भवन में असम कौशल विकास मिशन के तहत 59 व्यवसायों के तहत 5750 युवाओं को प्रशिक्षित करने के लिए प्रशिक्षण केंद्रों का समारोहपूर्वक उद्घाटन किया। गौरतलब है कि इसी कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कौशल वैन के माध्यम से शुरुआत में चार जिलों में कौशल जागरूकता कार्यक्रम उत्पन्न करने के लिए कौशल यात्रा को भी हरी झंडी दिखाई। इनमें कामरूप, नलबाड़ी, दरंग और मोरीगांव जिले शामिल हैं। उन्होंने गुरुओं द्वारा स्वदेशी कौशल प्रशिक्षण नामक एक योजना भी शुरू की। योजना के तहत शुरुआत में कार्यक्रम प्रारंभ करने के लिए 15 जिलों को कवर किया जाएगा और प्रत्येक जिले से 10 उम्मीदवारों का चयन किया जाएगा। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने जल जीवन मिशन और असम कौशल विकास मिशन के तहत -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में फिर गोलीबारी दो की मौत, 45 जख्मी

इंफाल। मणिपुर के तेंगनौपाल जिले के पैलेल में दो अलग-अलग गोलीबारियों में दो की मौत तो वहीं 50 अन्य घायल हो गए। घायलों में चार को गोली लगी है। पुलिस ने बताया कि पैलेल में सुबह के करीब छह बजे अज्ञात पुरुषों के दो समूहों के बीच गोलीबारी शुरू हुई, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। व्यक्ति को तुरंत ककचिंग के जीवन अस्पताल में ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं गोली लगने से घायल व्यक्ति को इंफाल क्षेत्रीय आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में स्थानांतरित किया गया। फिलहाल व्यक्ति की हालत गंभीर है। गोलीबारी की घटना के बारे में सुनकर थौबल और काकचिन जिले से बड़ी -शेष पृष्ठ दो पर

एएसपी के खिलाफ गैर जमानती वारंट

गुवाहाटी। असम पुलिस सेवा (एपीएस) के एक अधिकारी के खिलाफ हत्या के प्रयास के आरोपों पर गैर जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है। विशेष पुलिस महानिदेशक हरमीत सिंह ने मीडिया को बताया कि पुलिस चराइदेव जिले की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (सीमा) शुभालक्ष्मी दत्ता की तलाश कर रही है। एक शीर्ष पुलिस अधिकारी ने बताया कि एएसपी के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया गया है। अगर वह आत्मसमर्पण नहीं करती हैं तो उनकी संपत्ति की जब्ती की जाएगी और उन्हें भगोड़ा घोषित करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। दत्ता के खिलाफ उनके घरेलू सहायक ने 26 अगस्त को पड़ोसी शिवसागर जिले के नाजिरा पुलिस थाने में शारीरिक उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए एक आपराधिक मामला दर्ज कराया था। डीजीपी हरमीत सिंह ने कहा कि शुभालक्ष्मी दत्ता के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धाराएं शुरू में बहुत गंभीर प्रकृति की नहीं थीं, क्योंकि जिन दो सरकारी अस्पतालों में नौकरानी की जांच की गई थी, उनमें किसी के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

पीएम सुनक के स्वागत में किए गए बिहू नृत्य पर विवाद

नई दिल्ली /गुवाहाटी। शुक्रवार को जी20 शिखर सम्मेलन के लिए नई दिल्ली में यूके के पीएम ऋषि सुनक के स्वागत समारोह के दौरान किए गए बिहू नृत्य ने पूरे असम में विवाद खड़ा कर दिया है। नेटिज्न्स ने प्रदर्शन को *विकृत* तरीके से प्रस्तुत किया है क्योंकि कोई भी हावभाव नृत्य प्रदर्शन के समान नहीं था और यह असम की संस्कृति और परंपरा का अपमान था। यूके के पीएम ऋषि सुनक अपनी पत्नी अक्षता मूर्ति के साथ जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए दिल्ली पहुंचे। उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक -शेष पृष्ठ दो पर

खड़गे को राष्ट्रपति के रात्रिभोज का निमंत्रण नहीं

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के जी-20 रात्रिभोज में देश के तमाम नेता शामिल होंगे लेकिन कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे को इस रात्रिभोज के लिए निमंत्रण नहीं मिला है। इसके बाद कांग्रेस पार्टी केंद्र सरकार पर हमलावर हो गई है। कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष राष्ट्रपति के जी-20 रात्रिभोज में न बुलाना लोकतंत्र पर -शेष पृष्ठ दो पर

जी-20 : मोदी की वैश्विक नेताओं के साथ सार्थक चर्चा की उम्मीद

नई दिल्ली। जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने के लिए भारत तैयार है। राजधानी दिल्ली सज-संवर चुकी है और मेहमानों का तांता लगना शुरू हो चुका है। इसी बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी-20 शिखर सम्मेलन को लेकर खुशी जाहिर की। भारत को 9-10 सितंबर, 2023 को नई दिल्ली के प्रतिष्ठित *भारत मंडपम* में 18वें जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करते हुए खुशी हो रही है। भारत की मेजबानी वाला यह पहला जी-20 शिखर सम्मेलन है। मैं अगले दो दिनों में विश्व नेताओं के साथ सार्थक चर्चा -शेष पृष्ठ दो पर

उपचुनाव : इंडिया गठबंधन को 4, भाजपा को 3 सीटें मिली

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने त्रिपुरा में धनपुर और बॉक्सनगर विधानसभा सीटों पर जीत हासिल की है और उत्तराखंड में बागेश्वर विधानसभा सीट बरकरार रखी है। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने बंगाल की धुपगुड़ी विधानसभा सीट भाजपा से छीन ली। भारत की सहयोगी झामुमो की बेबी देवी ने झारखंड की डुमरी विधानसभा सीट पर एनडीए उम्मीदवार यशोदा देवी को हराकर 17,000 से अधिक वोटों से जीत हासिल की। केरल के पुथुपल्ली विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी ने भारी जीत हासिल की। इस बीच, उत्तर प्रदेश की घोसी विधानसभा सीट पर भाजपा को झटका लगा है। दारा सिंह चौहान समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार सुधाकर सिंह से हार गए हैं। छह राज्यों झारखंड, केरल, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल में सात उप-चुनावों के लिए वोटों की गिनती आज हुई। उपचुनावों के इस सेट को इस साल के अंत में पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन और विपक्षी गुट इंडिया के बीच पहली लड़ाई के रूप में देखा जा रहा है। भाजपा ने शुक्रवार को उत्तराखंड की बागेश्वर विधानसभा सीट बरकरार रखी और उसकी उम्मीदवार पार्वती दास ने कांग्रेस के बसंत कुमार को 2,400 से अधिक वोटों से हराया। बागेश्वर की जिला मजिस्ट्रेट और रिटर्निंग अधिकारी अनुराधा पाल ने कहा कि दास को 33,247 वोट मिले, जबकि कुमार को 30,842 वोट मिले। उन्होंने घोषणा की कि भाजपा 2,405 वोटों से जीत गई। झारखंड की डुमरी विधानसभा सीट के उपचुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा की प्रत्याशी बेबी -शेष पृष्ठ दो पर

गणेश मंदिर में तोड़ी मूर्ति

बाक्सा (हि.स.)। राज्य के बोडोलैंड क्षेत्र के मनाह के निकटवर्ती बाक्सा शालबारी के फतेमाबाद चाय बागान के ठेकेदार मोफिज उद्दीन के नेतृत्व में मुस्लिम समुदाय के कुछ लोगों ने मिलकर ज्ञाति नामक गांव में स्थित गणेश मंदिर में तोड़फोड़ की। लोगों ने मंदिर के अंदर जाकर गणेश भगवान की मूर्ति को तोड़कर फेंक दी। इस घटना के बाद पूरे गांव में उत्तेजक माहौल पैदा हो गया। घटना की सूचना पाकर मंदिर परिसर में लोगों के पहुंचने तक अपराधी वहां से भाग चुके थे। इस घटना को लेकर गांव के लोगों के साथ ही -शेष पृष्ठ दो पर

सुपारी सिडिकेट : एसपी से 64.29 लाख बरामद

गुवाहाटी (हि.स.)। पुलिस ने आज एक संवाददाता सम्मेलन में वित्तीय कदाचार और उत्पीड़न के आरोपों से जुड़े बजाली सुपारी सिडिकेट से जुड़े मामले पर प्रकाश डाला। इस घटना में पुलिस अधीक्षक (एसपी) और दस अन्य व्यक्ति शामिल हैं। पुलिस को मामले में तब सफलता मिली जब उन्होंने एक निजी आवास में छिपाए गए एक सूटकेस बरामद किया। सूटकेस के अंदर 64 लाख, 29 हजार और 500 रुपए की बड़ी रकम मिली। पुलिस ने सूटकेस से उंगलियों के निशान एकत्र कर लिए हैं और डीएनए विश्लेषण करने की प्रक्रिया में है। पुलिस ने कहा कि बजाली में एक परिसर पर छापेमारी के बाद शुरुआती आरोपों में अवैध ड्रग्स की मौजूदगी का संकेत मिला था। हालांकि, ऑपरेशन के दौरान कोई नशीला पदार्थ नहीं मिला। इसके बाद, रफीकुल इस्लाम को हिरासत में ले लिया गया और भवानीपुर चौकी ले जाया गया। जल्द ही उसके शारीरिक उत्पीड़न के परेशान करने वाले दावे सामने आने लगे। रफीकुल की हिरासत के बाद यह पता चला कि उसे कथित तौर पर बड़ी रकम छोड़ने के लिए मजबूर किया गया था। उनकी बहन के माध्यम से 10 लाख रुपए और 23 चेक का भुगतान किया गया था। जिसमें दो चेक निर्दिष्ट राशि वाले थे और शेष 21 खाली छोड़ दिए गए थे। सभी 23 चेक एसबीआई और एचडीएफसी बैंकों के पाए गए और उन पर रफीकुल की मां के हस्ताक्षर थे। अतिरिक्त आरोप सामने आए हैं। जिसमें बताया गया कि 17 अगस्त को अतिरिक्त एसपी के -शेष पृष्ठ दो पर

असम सरकार के गुणोत्सव का पांचवा चरण 2024 में

गुवाहाटी। असम में शैक्षिक गुणवत्ता मूल्यांकन कार्यक्रम गुणोत्सव के 5वें चरण की आधिकारिक घोषणा कर दी गई है जो 2024 में आयोजित किया जाएगा। इस मूल्यांकन पहल का उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता का मूल्यांकन करना और राज्य के स्कूलों में सुधार को बढ़ावा देना है। गुणोत्सव 3 जनवरी से 9 फरवरी तक चलने वाला है, जो पूरे असम के विभिन्न जिलों को कवर करेगा। मूल्यांकन चरणों में किया जाएगा: 3 से 6 जनवरी तक बरपेटा, करीमगंज, कामरूप, कार्बी आंग्लांग, कोकराझार, लखीमपुर, नगांव, शिवसागर, दक्षिण सालमारा-मानकाचर और उदालगुड़ी जिले। 9 से 12 जनवरी तक बक्सा, चिरांग, चराइदेव, धेमाजी, धुबड़ी, गोलाघाट, हैलाकांदी, जोरहाट, कामरूप (एम), शोणितपुर और तिनसुकिया। 6 फरवरी से 9 फरवरी तक बोंगाईगांव, दरांग, नलबाड़ी, मोरीगांव, -शेष पृष्ठ दो पर

दिल्ली पुलिस की वेबसाइट पर साइबर अटैक, 10 मिनट तक डाउन

नई दिल्ली। चल रहे जी-20 शिखर सम्मेलन 2023 के दौरान साइबर सुरक्षा खतरों के बीच दिल्ली पुलिस और मुंबई पुलिस की वेबसाइटें क्रैश हो गईं। दिल्ली पुलिस की वेबसाइट अब 10 मिनट की अवधि के बाद वापस आ गई है। दोनों वेबसाइटों ने त्रुटि संदेश दिखाया यह सेवा उपलब्ध नहीं है। थ्रेट इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म फाल्कन फीड के अनुसार, टीम इनसेन पीके हैकर्स ग्रुप ने वेबसाइट को निशाना बनाने का दावा किया है। इसने इसकी पुष्टि करते हुए टेलीग्राम चैट का एक स्क्रीनशॉट भी पोस्ट किया है। फाल्कन फीड्स ने बिजनेस टुडे को बताया कि हैकर्स इस समय भारतीय वेबसाइटों को निशाना बना रहे हैं। इन खतरों में डिस्ट्रीब्यूटेड डिनायल-ऑफ-सर्विस (डीडीओएस) और डेटा -शेष पृष्ठ दो पर

मुझे हिंदू होने पर गर्व : ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक

नई दिल्ली। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक जी-20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए भारत पहुंच चुके हैं। ब्रिटेन पीएम का विमान दोपहर में नई दिल्ली एयरपोर्ट पर लैंड किया। सुनक का स्वागत केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने किया। भारत की बेटी और सुनक की पत्नी अक्षिता मूर्ति भी साथ में रहीं। सुनक ने भारत पहुंचने के बाद इंटरव्यू में कहा कि मुझे हिंदू होने पर गर्व है। उन्होंने कहा कि मैंने रक्षा बंधन भी मनाया है। जन्माष्टमी मनाने का पूरा वक्त नहीं मिला। भारत में एक मंदिर में जाने का भी कार्यक्रम है। सुनक ने कहा कि मुझे हिंदू होने पर गर्व है और हिंदू धर्म में मेरा पालन-पोषण हुआ। अगले कुछ दिनों तक यहां रहने के दौरान मैं किसी मंदिर के दर्शन कर सकूंगा। हमारे पास अभी रक्षा बंधन था, इसलिए मेरी बहन और मेरे चचेरे भाइयों से मेरी सभी राखियां हैं, और मेरे पास दूसरे दिन ठीक से जन्माष्टमी मनाने का समय नहीं था। मैंने कहा कि अगर हम इस बार किसी मंदिर में जाएं तो मैं इसकी भरपाई कर सकता हूं। लेकिन यह कुछ ऐसा है जो मेरे लिए महत्वपूर्ण है। मेरा मानना है कि आस्था एक ऐसी चीज है जो हर उस व्यक्ति की मदद करती है जो अपने जीवन में आस्था रखता है, खासकर जब आपके पास मेरी तरह तनावपूर्ण नौकरियां हों। आपको लचीलापन देने के लिए, आपको ताकत देने के लिए विश्वास का होना महत्वपूर्ण है। ब्रिटेन के पीएम ने कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

जी-20 : विदेशी अतिथियों का अभूतपूर्व स्वागत

बांग्लादेश

इटली

अर्जेंटीना

जापान

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने पहुंच रहे विदेशी अतिथियों का पालम एयरपोर्ट पर जोरदार स्वागत हो रहा है। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी, अर्जेंटीना के राष्ट्रपति अल्बर्टो फर्नांडीज, बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना समेत अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) प्रमुख क्रिस्टालिना जॉर्जीवा शुक्रवार सुबह राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे। जी-20 के नेता यहां नौ और 10 सितंबर को शिखर सम्मेलन में महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों पर विचार-विमर्श करेंगे। भारत वर्तमान जी-20 अध्यक्ष के रूप में इस सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। राष्ट्राध्यक्षों का हवाई अड्डे पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से स्वागत किया जा रहा है। क्रिस्टालिना जॉर्जीवा तो इतनी उत्साहित हुई कि वो खुद को थिरकने से नहीं रोक पाई

अमेरिकी राष्ट्रपति पीएम मोदी के आवास पर हुई द्विपक्षीय बातचीत

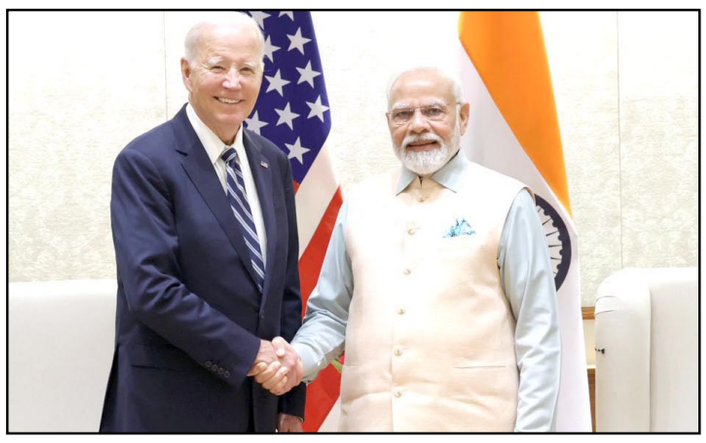

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ अपने आवास 7, लोक कल्याण मार्ग पर द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान दोनों नेताओं ने विभिन्न मुद्दों पर बातचीत की। जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने देर शाम नई दिल्ली पहुंचे अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने आवास पर औपचारिक स्वागत किया। मुलाकात के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पोस्ट में कहा कि हमारी मुलाकात बहुत सार्थक रही। हमने कई विषयों पर चर्चा की। इससे भारत और अमेरिका के बीच आर्थिक और लोगों से लोगों के संबंध आगे बढ़ेंगे। हमारे देशों के बीच की दोस्ती वैश्विक भलाई को आगे बढ़ाने में एक महान भूमिका निभाती रहेगी। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने मुलाकात की जानकारी देते हुए एक्स पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जो बाइडेन ने नई दिल्ली में बातचीत की। उनकी चर्चा में कई तरह के मुद्दे शामिल रहे। इससे भारत और अमेरिका के बीच संबंध और गहरे होंगे। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन जी 20 शिखर सम्मेलन के लिए शुक्रवार को भारत पहुंचे। अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में यह उनकी पहली भारत यात्रा है। जी-20 के दौरान वह दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के सामने आने वाले मुद्दों पर अन्य नेताओं के साथ बातचीत करेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति के भारत पहुंचने पर हवाई अड्डे पर सड़क परिवहन एवं राजमार्ग और नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री जनरल (सेवानिवृत्त) वीके सिंह ने उनका स्वागत किया। भारत में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी भी अपनी बेटी के साथ इनसेंट एयरपोर्ट पर मौजूद थे। राष्ट्रपति बाइडेन ने गार्सेटी से बातचीत की। केंद्रीय मंत्री के साथ भी अमेरिकी राष्ट्रपति ने संक्षिप्त बातचीत की। अमेरिकी राष्ट्रपति ने नर्तकों के उस समूह का भी उत्साहवर्धन किया कि जिन्होंने उनके स्वागत में पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने एक्स पोस्ट में कहा कि जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए हमारे सम्मानित अतिथियों का हार्दिक स्वागत है।

पीएम मोदी ने की शेख हसीना से द्विपक्षीय वार्ता

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से अपने आवास सात लोक कल्याण मार्ग पर द्विपक्षीय बैठक की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर बताया कि शेख हसीना के साथ सार्थक चर्चा हुई है। पिछले 9 वर्षों में भारत-बांग्लादेश संबंधों में प्रगति बहुत सुखद रही है। हमारी बातचीत में कनेक्टिविटी, वाणिज्यिक संपर्क और कई महत्वपूर्ण क्षेत्र शामिल थे। भारत ने बांग्लादेश को जी-20 देशों की बैठक के लिए आमंत्रित किया है। सरकार की ओर से दोनों नेताओं की मुलाकात का एक वीडियो भी जारी किया गया है। इस साल के जी-20 शिखर सम्मेलन के अध्यक्ष भारत द्वारा आमंत्रित अतिथि के रूप में शेख हसीना जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए आज सुबह नई दिल्ली पहुंची हैं।

अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों में बदलाव समय की मांग : यूएन महासचिव

नई दिल्ली (हि.स.)। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने शुक्रवार को नई दिल्ली में एक पत्रकार वार्ता में अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों में बदलाव की आवश्यकता पर जोर दिया। भारत लगातार अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों में बदलाव की मांग करता रहा है। इसी को आगे ले जाते हुए उन्होंने कहा कि हमें संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतर्राष्ट्रीय कानून के आधार पर 21वीं सदी की वास्तविकताओं में निहित प्रभावी अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों की आवश्यकता है। जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने नई दिल्ली पहुंचे एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि वे वैश्विक संस्थानों को वास्तव में सार्वभौमिक और आज की वास्तविकताओं का प्रतिनिधि बनाने और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की जरूरतों के प्रति अधिक संवेदनशील बनाने के लिए साहसिक कदमों की वकालत करते हैं। भारत को सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता के सवाल के जवाब में यूएन महासचिव ने कहा कि यह उनके हाथ में नहीं है। यह सदस्य देशों के फैसले से होगा। वे मानते हैं कि भारत एक महत्वपूर्ण देश है और दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है। इसके अलावा सुरक्षा परिषद में शीघ्र बदलाव के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह जरूरी है लेकिन यह कब होगा, कहा नहीं जा सकता। जी-20 से अपनी अपेक्षाओं का उल्लेख करते हुए गुटेरेस ने कहा कि जी-20 नेताओं को दो प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में नेतृत्व दिखाना होगा। उन्हें एक तरफ जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए प्रयास करने होंगे। दूसरा विकासशील देशों को उनके सतत विकास लक्ष्यों को पाने में मदद करनी होगी। उन्होंने कहा कि जलवायु संकट नियंत्रण से बाहर होता जा रहा है लेकिन जी-20 देश इस पर नियंत्रण हासिल कर सकते हैं। जी-20 देश 80 प्रतिशत वैश्विक उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार हैं। उन्होंने एक जलवायु एकजुटता संधि को आगे बढ़ाया है, जिसमें बड़े उत्सर्जक उत्सर्जन में कटौती के लिए अतिरिक्त प्रयास करते हैं और धनी देश इसे हासिल करने के लिए उभरती अर्थव्यवस्थाओं का समर्थन करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि जी-20 को सतत विकास लक्ष्यों को बचाने में नेतृत्व दिखाना होगा। उन्होंने ऐसे ठोस उपाय सामने रखे हैं, जिनसे तत्काल लाभ मिलेगा। इसमें प्रति वर्ष कम से कम 500 अरब डॉलर का एसडीजी प्रोत्साहन शामिल है।

पृष्ठ एक का शेष

मुख्यमंत्री ने किया...

500 प्रशिक्षुओं को डीबीटी के माध्यम से स्टाइपेंड जारी करने की प्रक्रिया भी शुरू की। मुख्यमंत्री ने श्रिंग स्टेटर के प्रशिक्षण केंद्र का भी उद्घाटन किया। कार्यक्रम के एक भाग के रूप में आईटीआई गुवाहाटी से 50 प्रशिक्षुओं को कंक्रीट पंप ऑपरेटर की नौकरी के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। इस अवसर पर बोलते हुए मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि असम में प्रशिक्षण केंद्रों का उद्घाटन राज्य के युवाओं को कुशल बनाने और उन्हें रोजगार के साथ-साथ स्वरोजगार के लिए उपयुक्त बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण विकास है। उन्होंने कहा कि युवाओं को अल्पकालिक कौशल पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षित करने के लिए राज्य वित्त पोषित प्लेसमेंट लिंक्ड कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत राज्य भर में स्थापित 60 प्रशिक्षण केंद्र युवाओं को रोजगार योग्य बनाने और स्व-रोजगार के अवसर पैदा करने में बहुत मददगार साबित होंगे। उन्होंने कहा कि 10 क्षेत्रों में 59 जॉब रोल राज्य भर के सभी 60 प्रशिक्षण केंद्रों को कवर करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस कौशल यात्रा को उन्होंने हरी झंडी दिखाई है, वह सरकारी स्कूलों के कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्रों को जोड़ने में भी मदद करेगी, जिसमें छात्रों के साथ-साथ उनके माता-पिता को भी परामर्श देने का प्रावधान है। डॉ. शर्मा ने कहा कि गुरु योजना द्वारा स्वदेशी कौशल प्रशिक्षण के तहत असम के स्वदेशी व्यवसायों जैसे मुखौटा निर्माण, घंटी और पीतल धातु आदि को संरक्षित और बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार राज्य के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उन्हें कौशल प्रदान करने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि चूंकि असम पर्यटन, आतिथ्य और अन्य संबंधित क्षेत्रों में समृद्ध है, इसलिए युवाओं के कौशल से उन्हें नौकरी बाजारों की मांगों को पूरा करने में मदद मिलेगी। घंटी और पीतल धातु उद्योगों के बारे में बात करते हुए, डॉ. शर्मा ने कहा कि इन व्यवसायों में कारीगरों के पर्याप्त कौशल से उन्हें ऐसे उत्पाद बनाने में मदद मिलेगी जो स्थायित्व के साथ-साथ सौंदर्य की दृष्टि से भी बेहतर होंगे। उन्होंने हस्तशिल्प वस्तुओं को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए पारंपरिक और आधुनिक तरीकों के मिश्रण की आवश्यकता पर भी बात की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कुशल श्रमिकों के लिए 17 सितंबर को विश्वकर्मा नाम से एक योजना शुरू करेंगे। यह योजना राज्य में कुशल श्रमिकों को अपने ग्राहकों की संतुष्टि के लिए अपने कौशल को निखारने में भी मदद करेगी। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि राज्य सरकार एक योजना भी शुरू करेगी, जिसमें दो लाख युवाओं को आधुनिक तकनीक में कुशल बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार राज्य के युवाओं को 70 आईटीआई में एआई, मशीन लर्निंग, ऑगमेंटेड रियलिटी आदि अवधारणाओं और घटकों पर प्रशिक्षित करने के लिए टाटा टेक्नोलॉजी के साथ सहयोग करेगी ताकि उन्हें *उद्योग 4.0* के लिए तैयार किया जा सके। उन्होंने कार्यक्रमों को डिजाइन करने और आयोजित करने के लिए एएसडीएम को भी धन्यवाद दिया, जो उनके अनुसार राज्य के कौशल परिदृश्य में आदर्श बदलाव लाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने मास्क बनाने वाले कलाकार बेल मेटल कारीगर से वर्चुअल माध्यम से बातचीत भी की। कौशल, रोजगार और उद्यमिता आदि मंत्री जयंत मल्लबरुवा ने इस अवसर पर बोलते हुए कार्यक्रमों के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी। उन्होंने यह भी कहा कि योजनाएं मुख्य रूप से राज्य के युवाओं को रोजगार योग्य बनाने और राज्य में स्वरोजगार के अवसर पैदा करने में मदद करने के लिए शुरू की गई हैं। राजस्व और आपदा प्रबंधन मंत्री जोगेन मोहन, चाय जनजाति कल्याण मंत्री संजय किसान, राज्यसभा सांसद और मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव पबित्र मार्घेरिटा, प्रधान सचिव कौशल, रोजगार और उद्यमिता बी. कल्याण चक्रवर्ती, मिशन निदेशक एएसडीएम अंकुर जैन और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति इस दौरान उपस्थित थे।

मणिपुर में फिर ...

संख्या में लोगों का एक झुण्ड पैलेल पहुंचा, लेकिन असम राइफल्स के जवानों ने उन्हें रोक लिया। दो समूहों के बीच इस झड़प में एक 48 वर्षीय व्यक्ति की गोली लगने से मौत हो गई। स्थिति को शांत करने के लिए असम राइफल्स के जवानों ने आंशू गैस के गोले दागे, जिसके बाद करीब 50 महिलाएं घायल हुई। घायलों में असम राइफल्स के जवान भी शामिल हैं। वहीं दूसरी तरफ भीड़ को नियंत्रित करने के लिए इंफाल से पैलेल की तरफ जा रहे आरएएफ कर्मियों के दल को स्थानीय लोगों ने थौबल में रोक दिया। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। बुधवार को हजारों प्रदर्शनकारी बिष्णुपुर जिले के फौगाकचाओ इखाई में इकट्ठा हुए। वे सभी तोरबुंग में अपने घरों तक पहुंचने के लिए सेना के बैरिकेड्स को तोड़ने की कोशिश भी की, जिसके बाद एहतियात के तौर पर मणिपुर के सभी पांच घाटी जिलों में पूर्ण कर्फ्यू लगा दिया गया था।

एएसपी के खिलाफ ...

नहीं थी। उन्होंने कहा कि नौकरानी को असम टी ट्राइब स्टूडेंट्स एसोसिएशन (एटीटीएसए) के तीन सदस्यों ने एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जिन्होंने जांच में दखल देने की कोशिश की और उससे समझौता कराने की कोशिश की। शीर्ष पुलिस अधिकारी ने कहा कि अस्पताल से बाहर आने के बाद पीड़िता ने अपने बयान में एएसपी के खिलाफ हत्या के प्रयास का दावा किया, जिसके बाद आरोपियों के खिलाफ और कड़े प्रावधान लागू किए गए।

जी-20 : मोदी की ...

की आशा करता हूं। मुझे विश्वास है कि जी-20 शिखर सम्मेलन मानव-केंद्रित और समावेशी विकास में एक नया मार्ग प्रशस्त करेगा। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक लोकाचार में निहित भारत की जी-20 थीम *वसुधैव कुटुंबकम-एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य* हमारे वैश्विक दृष्टिकोण के साथ मेल खाती है, जिसका अर्थ है- पूरा विश्व एक परिवार है। भारत की जी-20 अध्यक्षता समावेशी, महत्वाकांक्षी, निर्णायक और कार्य-उन्मुख रही है। बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ आज चर्चा होने वाली है। माना जा रहा है कि इस मुलाकात में कई वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा हो सकती है। हालांकि, बाइडन की तीन दिवसीय कार्यक्रम काफी व्यस्त है। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन के मुताबिक, व्हाइट हाउस को बाइडन और भारतीय प्रधानमंत्री मोदी के बीच आगामी द्विपक्षीय वार्ता में जीई जेट इंजन पर सार्थक प्रगति की उम्मीद है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना, इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी सहित कई वैश्विक नेता दिल्ली पधार चुके हैं। इसी बीच प्रधानमंत्री मोदी ने ऋषि सुनक का स्वागत करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया।

गणेश मंदिर में ...

हिंदू जागरण असम, सीमांत चेतना मंच, युवा शक्ति मंच, आदिवासी छात्र संस्था, ऑल असम स्टूडेंट यूनियन आदि संगठनों ने जिला प्रशासन से इस पर कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई नहीं किए जाने को लेकर उत्तेजित लोगों ने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। आसू के बाक्सा जिला के अध्यक्ष जुबिन दास ने आज एक संवाददाता सम्मेलन कहा कि प्रशासन यदि इस पर शीघ्र कार्रवाई नहीं करता है तो यहां सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ सकता है। घटना बीती रात को घटी, हालांकि आज मामला लोगों के संज्ञान में आया।

सुपारी सिंडिकेट : एसपी...

निजी सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ) ने रफीकुल के परिवार से दो मैकबुक और दो इनोवा की मांग की थी। एक मैकबुक की खरीद की पुष्टि करने वाली रसीदें मिलीं। जबकि, दूसरे मैकबुक का पता लगाने के प्रयास जारी हैं। चल रही जांच के तहत पुलिस ने सभी आरोपितों से एक आईपैड, दो आईफोन और एक लेनोवो लैपटॉप के साथ 17 मोबाइल फोन जब्त किए हैं। साथ ही घटनास्थल से दो डीवीआर भी बरामद दिए गये। सबूतों की जांच के लिए राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला से परामर्श लिया गया है और जल्द ही इसकी रिपोर्ट आने की उम्मीद है। हालांकि, जांच अभी भी जारी है। पुलिस ने कहा कि वे सभी कड़ी को जोड़ने के बारे में आशावादी हैं। सामग्री और परिस्थितिजन्य साक्ष्य एकत्र किए गए हैं, और अदालत में एक मजबूत चार्जशीट सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं। इससे पहले 7 सितंबर को बजाली भ्रष्टाचार मामले में, बिचौलिए सहीदुल इस्लाम सहित पांच व्यक्तियों ने अपराध जांच विभाग (सीआईडी) के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था और बाद में उन्हें मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) अदालत के सामने पेश किया गया था। जांच कर रही सीआईडी ने मामले के संबंध में आगे की पूछताछ के लिए इन आरोपितों की हिरासत मांगी। अदालत में पेश होने वाले पांच आरोपित सब-इंस्पेक्टर देबजीत गिरि, दीपजॉय रॉय (पुलिस अधीक्षक के ड्राइवर), इंजमामुल हसन (अतिरिक्त एसपी गायत्री सोनोवाल के निजी सुरक्षा अधिकारी), अंशकालिक ड्राइवर नबीर अहमद और साहिदुल इस्लाम हैं। साहिदुल इस्लाम की गिरफ्तारी सीआईडी द्वारा पूछताछ के बाद हुई। जिसमें बजाली एसपी सिद्धार्थ बूढ़ागोहाईं के साथ उसके करीबी संबंध का पता चला। सीआईडी को पहले ही अन्य चार आरोपितों की पांच दिनों की अवधि के लिए हिरासत मिल चुकी थी। एजेंसी ने अब जांच जारी रखने के लिए उनकी हिरासत अवधि बढ़ाने का अनुरोध किया है।

असम सरकार के ...

डिमा हसाओ, माजुली, पश्चिम कार्बी आंग्लांग, डिब्रूगढ़ और ग्वालपाड़ा। गुणोत्सव असम के स्कूलों में शैक्षिक प्रथाओं की प्रभावशीलता का आकलन करने और शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह राज्य में समग्र शैक्षिक परिदृश्य में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

दिल्ली पुलिस की...

लीक शामिल हैं। उनके बयान के अनुसार, अधिकांश समूह हैक्टिविस्ट समूह हैं जो पिछले कई महीनों से सक्रिय रूप से भारत को निशाना बना रहे हैं। जी-20 से संबंधित चर्चा इंडोनेशियाई समूहों जैसे हैक्टिविस्ट इंडोनेशिया जंबी साइबर टीम, गैनोनसेक, स्नक्रडेंस ऑफ सिक्योरिटी, होस्ट किल क्रू और अन्य द्वारा शुरू की गई थी। बाद में इसमें टीम इनसेन पीके जैसे पाकिस्तान समर्थित समूह भी शामिल हो गए। हमें उम्मीद है कि जल्द ही और समूह भी इसमें शामिल होंगे। वेबसाइटों के बारे में बात करते हुए, फर्म ने खुलासा किया कि वे अधिक सरकारी वेबसाइटों को लक्षित करेंगे। बयान में कहा गया है, वे या तो सेवाओं को बाधित करने या साइटों से संबंधित डेटा को उजागर करने का इरादा रखते हैं। साइबर सुरक्षा फर्म ने यह भी खुलासा किया कि ऐसे हमलों के पीछे का मकसद राजनीतिक असहमति है।

मुझे हिंदू होने पर ...

भारत आकर बेहद खुशी हुई है। भारत में शानदार स्वागत हुआ। मेरे मन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति बेहद सम्मान है। उन्होंने कहा कि जी-20 भारत के लिए एक बड़ी सफलता रही है। इसकी मेजबानी के लिए भारत सही समय पर सही देश है। मुझे लगता है कि कुछ दिनों तक हम बहुत अच्छे विचार-विमर्श करेंगे और निर्णय लेंगे। उन्होंने कहा कि मोदी जी और मैं दोनों हमारे दोनों देशों के बीच एक व्यापक और महत्वाकांक्षी व्यापार समझौते को संपन्न होते देखना चाहते हैं...व्यापार सौदों में हमेशा समय लगता है, उन्हें दोनों देशों के लिए काम करने की आवश्यकता होती है। हालांकि हमने काफी प्रगति की है लेकिन अभी भी कड़ी मेहनत बाकी है। सुनक ने कहा कि यह वास्तव में एक महत्वपूर्ण प्रश्न है और मैं स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि यूके में किसी भी प्रकार का उग्रवाद या हिंसा स्वीकार्य नहीं है। और इसीलिए हम विशेष रूप से पीकेई खालिस्तान समर्थक उग्रवाद से निपटने के लिए भारत सरकार के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। मुझे नहीं लगता कि यह सही है। हमारे सुरक्षा मंत्री हाल ही में भारत में अपने समकक्षों से बात कर रहे थे। हमारे पास खुफिया जानकारी और जानकारी साझा करने के लिए एक साथ कार्य करने वाले समूह हैं ताकि हम इस तरह के हिंसक उग्रवाद को जड़ से खत्म कर सकें। यह सही नहीं है और मैं इसे ब्रिटेन में बर्दाश्त नहीं करूंगा। सुनक ने कहा कि जब यूक्रेन और रूस की बात आती है - एक चीज जो मैं करूंगा वह उस विनाशकारी प्रभाव को उजागर करना है जो रूस के अवैध आक्रमण से दुनिया भर के लाखों लोगों पर पड़ रहा है, खासकर खाद्य कीमतों पर। रूस ने हाल ही में अनाज सौदे से हाथ खींच लिया है कि हम यूक्रेन से दुनिया भर के कई गरीब देशों में अनाज भेज रहे हैं और अब आपने देखा है कि खाद्य कीमतें बढ़ गई हैं। जिससे लाखों लोगों को परेशानी हो रही है। यह सही नहीं है। मैं जो काम करूंगा उनमें से एक है लोगों को रूस के अवैध युद्ध के प्रभाव के बारे में जागरूक करना। इससे पहले ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक शनिवार से शुरू हो रहे जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए शुक्रवार को नई दिल्ली पहुंचे। सुनक ने कहा कि वह हममें से प्रत्येक पर प्रभाव डालने वाली कुछ चुनौतियों का समाधान करने के लिए वैश्विक नेताओं के साथ मिलकर काम करेंगे। पत्नी अक्षता मूर्ति के साथ सुनक का हवाई अड्डे पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे, भारत में ब्रिटेन के उच्चायुक्त एलेक्स एलिस और वरिष्ठ राजनयिकों ने स्वागत किया। सुनक ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर कहा कि जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए दिल्ली पहुंचा हूं। मैं कुछ ऐसी चुनौतियों का समाधान करने के लिए वैश्विक नेताओं से मिल रहा हूं, जो हममें से प्रत्येक पर प्रभाव डालती हैं। केवल मिलकर ही हम इस कार्य को पूरा कर सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुनक का स्वागत किया और कहा कि वह एक सार्थक शिखर सम्मेलन की आशा कर रहे हैं। मोदी ने एक्स पर कहा कि ऋषि सुनक का स्वागत है। एक सार्थक शिखर सम्मेलन की आशा है, जहां हम एक बेहतर ग्रह के लिए मिलकर काम कर सकते हैं। अपनी तीन दिवसीय यात्रा के दौरान सुनक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। इस सप्ताह की शुरुआत में ब्रिटेन के भारतीय मूल के पहले प्रधानमंत्री सुनक ने कहा था कि ब्रिटेन और भारत के बीच संबंध दोनों देशों के भविष्य को परिभाषित करेंगे।

पीएम सुनक के ...

वितरण तथा पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने उनका स्वागत किया। इस बीच, नेटिज्न्स ने भी घटना के संबंध में कार्यक्रम आयोजकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

खड़गे को राष्ट्रपति ...

हमला है और सत्तारूढ़ सरकार की सोच को दर्शाता है। रिपोर्ट के मुताबिक, मल्लिकार्जुन खड़गे और अन्य विपक्षी नेताओं को शनिवार के रात्रिभोज में आमंत्रित नहीं किया गया है लेकिन विपक्षी दलों द्वारा शासित मुख्यमंत्रियों को निमंत्रण मिला है। राष्ट्रपति मुर्मू जी-20 शिखर सम्मेलन के आयोजन स्थल भारत मंडपम में आने वाले जी-20 गणमान्य व्यक्तियों के लिए रात्रिभोज की मेजबानी करेंगीं। वहीं, अभी तक कांग्रेस ने खड़गे को रात्रिभोज में आमंत्रित नहीं किए जाने पर आधिकारिक तौर पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी लेकिन ब्रुसेल्स में मौजूद पार्टी नेता राहुल गांधी ने कहा कि यह कार्रवाई इस कदम के पीछे की सोच के बारे में बताती है। वहीं, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि चूंकि विपक्ष लोकतंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, इसलिए विपक्ष के नेता को आमंत्रित नहीं करना लोकतंत्र पर हमला है। सूत्रों ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्रियों और सभी मुख्यमंत्रियों को रात्रिभोज के लिए आमंत्रित किया गया है। खड़गे को आमंत्रितों की सूची से बाहर किए जाने के बारे में पूछे जाने पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री बघेल ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया। जब भूपेश बघेल से यह पूछा कि क्या वह रात्रिभोज में शामिल होने जा रहे हैं, उन्होंने कहा कि कोई कैसे जा पाएगा क्योंकि यह नो-फ्लाई जोन है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की ओर से इस सप्ताहांत जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले विदेशी नेताओं को रात्रिभोज का निमंत्रण *प्रेसीडेंट ऑफ भारत* के नाम से दिया गया है। इसे लेकर सोशल मीडिया पर बहस छिड़ी हुई है, जिसमें भाजपा नेता और विपक्ष से भिड़ते नजर आए और कई मशहूर और खेल हस्तियों ने भी विवाद खड़ा कर दिया।

उपचुनाव : इंडिया गठबंधन...

देवी ने जीत हासिल कर ली है। बेबी देवी का एनडीए सहयोगी ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (एजेएसयू) की यशोदा देवी से कड़ा मुकाबला था। अधिकारियों के मुताबिक, पश्चिम बंगाल की धूपगुड़ी विधानसभा सीट पर उपचुनाव में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से आगे हो गई। भाजपा ने आतंकी हमले के शहीद जगन्नाथ राय की पत्नी तापसी राय को टिकट दिया है। टीएमसी ने प्रोफेसर निर्मल चंद्र रॉय को उम्मीदवार बनाया है। ईसीआई वेबसाइट के अनुसार, समाजवादी पार्टी (सपा) वर्तमान में उत्तर प्रदेश के घोसी विधानसभा क्षेत्र में लगभग 66,707 वोटों के साथ आगे चल रही है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 43,784 वोटों के साथ एसपी से पीछे चल रही है।

असम में मुसलमान कई पत्नियां नहीं रखते क्योंकि वे बेरोजगार हैं : बदरुद्दीन अजमल

गुवाहाटी। असम सरकार राज्य में बहुविवाह पर रोक लगाने पर विचार कर रही है। वहीं ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट के प्रमुख बदरुद्दीन अजमल ने कहा कि मुसलमान आमतौर पर एक विवाह में विश्वास करते हैं और हिंदू अक्सर कई बार शादी करते हैं। अजमल ने शुक्रवार को यहां संवाददाताओं से कहा कि भाजपा और असम के मुख्यमंत्री ने राज्य में रहने वाले मुस्लिम लोगों से उनका सब कुछ छीन लिया है। उनके पास रोजगार, पैसा नहीं है।इसके अलावा हिमंत बिस्वा शर्मा मुस्लिम लोगों को अपने जीवन यापन के लिए सड़कों पर सब्जियां बेचने की अनुमति नहीं दे रहे हैं। इस प्रकार, मुसलमान चाहें भी तो एक से अधिक शादी नहीं कर सकते। धुबड़ी लोकसभा सांसद ने आगे कहा कि आजकल हिंदू अक्सर कई पत्नियां रखते हैं। इससे पहले, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा शर्मा ने कहा कि राज्य में बहुविवाह पर प्रतिबंध के पक्ष में एक मजबूत जन समर्थन है। राज्य सरकार ने असम में बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक कानून लाने की व्यवहार्यता का अध्ययन करने के लिए एक समिति का गठन किया था। संबंधित समिति द्वारा रिपोर्ट प्रस्तुत करने के बाद राज्य विधानसभा में कानून लाने से पहले सरकार द्वारा जनता की राय मांगी गई थी। शर्मा ने कहा कि हमारे सार्वजनिक नोटिस के जवाब में हमें कुल 149 सुझाव मिले हैं। इनमें से 146 सुझाव बिल के पक्ष में हैं, जो मजबूत जनसमर्थन का संकेत है। हालाँकि, तीन संगठनों ने बिल पर अपना विरोध जताया है। उन्होंने कहा कि अब हम प्रक्रिया के अगले चरण पर आगे बढ़ेंगे, जिसमें अगले 45 दिन में बिल का अंतिम मसौदा तैयार करना है। विशेषज्ञ समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि भारतीय संविधान संघ और राज्यों को विशिष्ट मुद्दों पर कानून बनाने की शक्ति देता है।

एएसपी गायत्री के मायके में सीआईडी की तलाशी

बजाली (हिंस)। बजाली सुपारी सिंडिकेट सिलसिले में नामजद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गायत्री सोनोवाल की मां के घर पर पुलिस-सीआईडी ने एक संयुक्त अभियान चलाया। बजाली पुलिस और सीआईडी ने घटना में कथित संलिप्तता को लेकर गायत्री सोनोवाल की मां के घर पर यह संयुक्त अभियान चलाया। टीम ने आरोपित गायत्री सोनोवाल के पति के साथ गुवाहाटी के सर्वे स्थित मां के घर पर छापा मारा। बताया जा रहा है कि छापेमारी कर रही पुलिस-सीआईडी की टीम ने एक गुप्त सूचना के आधार पर गायत्री सोनोवाल घर कागजात खोजने के लिए इस अभियान को अंजाम दिया गया। पुलिस ने आज बताया कि यह तलाशी अभियान गुरुवार की रात दो घंटे तक चला। ज्ञात हो कि गुवाहाटी शहर के जिलमिल रोड पर गायत्री सोनोवाल की मां का घर स्थित है।

पुलिस वाला निकला प्याज चोर

धुबड़ी (हिंस)। चोर-डकैतों को पकड़ना छोड़ कुछ पुलिसकर्मी प्याज की चोरी करने में लग गए हैं। धुबड़ी जिला के सदर पुलिस थाने के एक पुलिसकर्मी द्वारा प्याज चोरी करने की वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। एक पुलिसकर्मी द्वारा ट्रक से प्याज चोरी करने की वारदात मीडिया में आने के बाद पुलिसकर्मी की असम पुलिस की काफी किरकिरी हो रही है। आरोपों के अनुसार प्याज से लदा वाहन (एमपी-17एचएच-4183) अपने गोदाम के पास खड़ी थी। एक पुलिसकर्मी टिप-टिप बरसात के बीच छतरी लेकर ट्रक के पीछे पहुंचता है। पहले वह तिरपाल खोलकर प्याज चुराने की कोशिश करता है। लेकिन, जब उसे सफलता हाथ नहीं लगी तो वह ट्रक के ऊपर चढ़ जाता है और सफेद थैली में ट्रक से काफी मात्रा में प्याज चुराकर नीचे उतरता है और आसानी से वहां से फरार हो जाता है। चोरी की पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। अगर आम आदमी ऐसे प्याज चोरी करते हुए दिख जाता तो उसे पुलिस महज कुछ घंटे के भीतर हवालात में बंद कर देती।

पूसी रेलवे ने अगस्त में 1204 रेक किए अनलोड

गुवाहाटी (हिंस)। अति आवश्यक एवं अन्य वस्तुओं की आपूर्ति बनाए रखने के लिए पूर्वोत्तर सीमा रेलवे निरंतर माल अनलोडिंग में वृद्धि दर्ज कर रहा है। इस वर्ष अगस्त में 1204 मालगाड़ी रेक अनलोड किए गए। चालू वित्तीय वर्ष में अप्रैल से अगस्त के दौरान पूसी रेलवे के क्षेत्राधिकार के अधीन 5651 मालगाड़ी रेक अनलोड किए गए। पूसी रेलवे ने उक्त महीने के दौरान सामग्री जैसे एफसीआई चावल, चीनी, नमक, खाद्य तेल, उर्वरक, सीमेंट, कोयला, ऑटोमोबाइल, कंटेनर और अन्य वस्तुओं का परिवहन किया है और इसे अपने क्षेत्राधिकार के अधीन विभिन्न गुड्स शेडों में अनलोड किया है। अगस्त में असम में मालगाड़ी के 680 रेक अनलोड किए गए, जिनमें 332 आवश्यक वस्तुओं से लदे थें। उक्त महीने के दौरान त्रिपुरा में 98 रेक, नगालैंड में 19 रेक, मणिपुर में 10 रेक, अरुणाचल प्रदेश में 8 रेक, मिजोरम में 3 रेक और मेघालय में 01 रेक अनलोड किए गए। इसके अलावा, पूसी रेलवे के क्षेत्राधिकार में उक्त महीने के दौरान पश्चिम बंगाल में 218 माल रेक और बिहार में 167 माल रेक भी अनलोड किए गए। केवल आम लोगों की जरूरी आवश्यकता को पूरा करने के लिए ही नहीं बल्कि सभी क्षेत्रों की स्थानीय आर्थिक गतिविधि को चालू रखने के लिए अति आवश्यक और अन्य सामग्रियों का नियमित परिवहन किया जा रहा है। पूसी रेलवे के महत्वपूर्ण सेक्शनों पर दोहरीकरण कार्यों के शीघ्र निष्पादन से माल परिवहन की आवक और जावक गतिविधि में वृद्धि हुई है।

मुख्यमंत्री ने पूरी की बौने व्यक्ति की इच्छा

कछार (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा द्वारा कल किए गए वायदे के अनुसार कछार के एक बौने व्यक्ति मुजीबुर रहमान के घर का निर्माणकार्य आज शुरू हो गया। उल्लेखनीय है कि कछार जिले के निवासी मजीबुर रहमान ने गुरुवार को मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा से उनकी जनसभा के दौरान मुलाकात की और उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर देने के लिए अपना आवेदन सौंपा। मुख्यमंत्री ने मजीबुर को गोद में उठाकर उन्हें आश्वासन दिया कि परसों उनके घर का निर्माण शुरू हो जाएगा। आज, कछार जिला प्रशासन के अधिकारियों की उपस्थिति में मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार घर का निर्माणकार्य शुरू हुआ। मुजीबुर ने एक हार्दिक संदेश भेजकर मुख्यमंत्री को त्वरित कार्रवाई के लिए धन्यवाद दिया है।

असम के सिंचाई विभाग की एक अभिनव पहल

गुवाहाटी (हिंस)। असम के सिंचाई विभाग ने एक अभूतपूर्व पायलट परियोजना शुरू की है जो क्षेत्र में सिंचाई प्रथाओं को बदल रही है। सौर संचालित मोबाइल लिफ्ट सिंचाई योजना (एलआईएस) ने हाल ही में बोको क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता प्रदर्शित की है। 12 अगस्त को बोको के बोरबिल गांव में मुख्य अभियंता केएम गोपाल सना राजकुमार द्वारा उद्घाटन की गई यह योजना सिंचाई विभाग के बोको-छयगांव डिवीजन के अंतर्गत आती है। स्थानीय निवासियों ने इस योजना से बहुत संतुष्टि व्यक्त की है, जिसे आसपास के क्षेत्रों में सफलता भी मिली है। इस अभिनव परियोजना में राज्य के दूरदराज के क्षेत्रों में किसानों के लिए सिंचाई सुविधाओं में क्रांति लाने की क्षमता है। सौर ऊर्जा संचालित मोबाइल एलआईएस एक लिफ्ट सिंचाई योजना है जिसे अधिकतम लचीलेपन के लिए डिजाइन किया गया है। इसकी अनूठी विशेषताओं में एक पंप स्टेशन शामिल है, जिसे आवश्यकतानुसार विभिन्न क्षेत्रों को कवर करने के लिए आसानी से स्थानांतरित किया जा सकता है। पंप को यूपीवीसी बैरल पर तैरते हुए एक प्लेटफॉर्म पर लगाया गया है, और सौर पैनलों को एक ही प्लेटफॉर्म पर एकीकृत किया गया है, जिससे यह लागत प्रभावी और हल्का दोनों है। यह सेटअप एक सेल्फ-प्राइमिंग डीसी सतह पंप का उपयोग करता है, जो बादल वाले दिनों में भी अधिकतम संचालन घंटे सुनिश्चित करता है। इसके अतिरिक्त, एक रियल-टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम (आरएमएस) चलने के घंटों, डिस्चार्ज, वोल्टेज और करंट की निरंतर ट्रैकिंग को सक्षम बनाता है। सौर ऊर्जा संचालित मोबाइल लिफ्ट सिंचाई योजना (एलआईएस) कई लाभ प्रदान करती है। यह अपनी दक्षता में एसी पंपों से बेहतर प्रदर्शन करता है, इसमें कम सौर पैनलों की आवश्यकता होती है और शुद्ध तांबे के मोटर कॉइल के कारण यह लंबी उम्र का दावा करता है। इसके अतिरिक्त, यह शून्य ऊर्जा लागत के साथ संचालित होता है, जिससे निवेश पर त्वरित रिटर्न सुनिश्चित होता है। पुनर्नवीनीकृत यूपीवीसी बैरल का उपयोग करके इसका निर्माण लागत प्रभावी है, और इसे एक घंटे के भीतर दूरस्थ स्थानों पर आसानी से इकट्ठा किया जा सकता है। सौर पैनलों और पुनर्नवीनीकृत सामग्रियों के उपयोग के कारण एलआईएस पर्यावरण के अनुकूल भी है, जबकि इसका डिजाइन चोरी को रोकता है, जिससे यह घरेलू या औद्योगिक उपयोग के लिए अनुपयुक्त हो जाता है। इसके अलावा, इसमें लाइव मॉनिटरिंग के लिए मोशन सेंसर सीसी कैमरे हैं और यह आईओटी-आधारित रिमोट मॉनिटरिंग सिस्टम को नियोजित करता है, जो सेवा वितरण में पारदर्शिता की गारंटी देता है। बाढ़ के दौरान, सौर ऊर्जा चालित मोबाइल एलआईएस कई उद्देश्यों को पूरा करता है। इसका उपयोग परिवहन के लिए, अपने सौर पैनलों के माध्यम से राहत शिविरों को बिजली प्रदान करने और यहां तक कि स्वच्छ पेयजल आपूर्ति के लिए पोर्टेबल आरओ सिस्टम की मेजबानी के लिए भी किया जा सकता है। यह पहल टिकाऊ और कुशल कृषि पद्धतियों के प्रति असम की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। अपनी नवीन विशेषताओं और अनुकूलनशीलता के साथ, सौर ऊर्जा संचालित मोबाइल एलआईएस राज्य के दूरस्थ कृषक समुदायों के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में आधारशिला बनने के लिए तैयार है।

वन्यजीवों के अंगों के साथ मनाह अभयारण्य में पकड़े गए 5 शिकारी

बाक्सा (हिंस)। वन विभाग ने शुक्रवार को मनाह अभयारण्य में अवैध शिकारियों के खिलाफ एक अभियान चलाया। इस अभियान में छापेमारी दल ने पांच शिकारियों को पकड़ने में कामयाबी हासिल की। वन रक्षकों ने गिरफ्तार शिकारियों के पास से गैंडों के सींग, हस्तनिर्मित बंदूकें, जानवरों के चमड़े, बाघ का नख, हाथी के दांत, हिरण की सींग, जंगली भैंस की सींग, कुछ पौधों के छाल के साथ ही विभिन्न वन्य प्राणियों के अंग बरामद किए गए। इस सिलसिले में आगे के कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है।

नगालैंड सीमा पर मेरापानी में बर्मीज सुपारी जब्त

गोलाघाट (हिंस)। असम और नगालैंड की सीमा पर स्थित मेरापानी में बर्मीज सुपारी फिर से जब्त की गई है। पुलिस ने आज बताया कि गुरुवार की रात में मेरापानी पुलिस ने छापा मारकर सुपारी माफिया के साथ तस्करी करने वाले एक ड्राइवर को गिरफ्तार किया गया। मेरापानी पुलिस की छापेमारी में गुरुवार रात रातुल अली और ड्राइवर मतीजुल अली को गिरफ्तार किया गया। वाहन को पुलिस ने नेघरीबिल चौराहे पर रात में उस समय जब्त कर लिया जब वह नगालैंड से 909 ट्रक (एएस-02सीसी-6972) में बर्मीज सुपारी मेरापानी ले जा रहा था। तस्करों ने गाड़ी के बीच में लाखों रुपए की सुपारी को ट्रायर से ढक दिया था। स्थानीय लोगों को शक है कि इस सुपारी सप्लाई के पीछे किसी बड़े तस्कर गिरोह का हाथ है। गौरतलब है कि लंबे समय से अवैध कारोबार में लिप्त रातुल अली और उसके साथियों ने एक संवाददाता सम्मेलन का आयोजन किया था और सुपारी तस्करी में उसका नाम शामिल करने के लिए उसने मानहानि का मुकदमा करने की बात कही थी। लेकिन, उसकी रंगेहाथ गिरफ्तारी से सच्चाई स्वत: सामने आ गई। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है।

चिरांग में युवक का शव मिला

चिरांग (हिंस)। चिरांग जिले के आमगुरी पुलिस थाना अंतर्गत नांगलभंगा नदी के किनारे शुक्रवार को एक युवक का शव बरामद हुआ। स्थानीय लोगों ने तड़के जिस शव को देखा, उसकी पहचान नांगलभंगा इलाके के निवासी फज्र अली के बेटे कुर्बान अली (26) के रूप में हुई है। शरीर के अलग-अलग हिस्सों व्याप्त में गंभीर जख्मों को देखकर स्थानीय लोगों को शक है कि कुर्बान अली हत्या का शिकार हुआ है। पेशे से बढ़ई और दो बच्चों के पिता कुर्बान अली की हत्या किसने किन परिस्थितियों में धारदार हथियार से कर शव को नांगलभंगा नदी के किनारे छोड़ दिया, इसको लेकर इलाके में काफी हंगामा मचा हुआ है। सूचना मिलने के बाद नांगलभंगा पुलिस थाने के पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और शव को बरामद कर प्रारंभिक जांच शुरू कर दी है।

रंगिया: बड़े ही धूमधाम से किया गया श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव का आयोजन

स्थानीय बाल कलाकारोंकी ओर से नुक्कड़-नाटक का प्रदर्शन

रंगिया (विभास)। रंगिया में श्रीगणेश चतुर्थी महोत्सव समिति द्वारा बुधवार को श्री श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव का आयोजन बड़े ही धूमधाम के साथ किया गया। स्थानीय श्री श्री राधाकृष्ण मंदिर प्रांगण में आयोजित इस कार्यक्रम के अंतर्गत मंदिर को बड़े ही सुंदर ढंग से सजाया गया और भगवान श्री कृष्ण के जन्म लीलाओं का वर्णन करती कई झांकियां मंदिर प्रांगण में सजाई गई। इस मौके पर मंदिर प्रांगण में सुबह से भक्तों का तांता लगा रहा। समिति की ओर से रात्रि 8.00 बजे प्रसाद वितरण और इसके पश्चात रात्रि 8.30 बजे से स्थानीय गायक कलाकारों द्वारा कीर्तन का आयोजन किया गया। वहीं रात 12 बजे भगवान कृष्ण जन्मोत्सव के साथ भगवान श्री कृष्ण की आरती की गई। इस मौके पर मंदिर प्रांगण में भारी संख्या में महिलाओं, युवतियों, बच्चों सहित बुजुर्गों और समिति के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने शामिल होकर भगवान श्री कृष्ण की आराधना की। उल्लेखनीय है कि जन्माष्टमी के मौके पर समाज के बच्चों ने मिलकर एक आकर्षण नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया जिसके माध्यम से उन्होंने समाज से भेदभाव की प्रथा को दूर करने का संदेश दिया। करीब 25 से भी अधिक समाज के बाल कलाकारों की प्रयास नामक इस टीम की सभी ने सराहना की। वहीं इसके पश्चात संध्या 5 बजे मारवाड़ी युवा मंच की रंगिया शाखा की ओर से मंदिर प्रांगण में एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसके सभी विजेताओं को शाखा द्वारा प्रशस्ति पत्र और बालक कृष्ण की मूरत देकर सम्मानित किया गया साथ ही प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी बच्चों को प्रशस्ति पत्र दिया गया।

आकाशीय बिजली गिरने से युवक की मौत

चिरांग (हिंस)। चिरांग के सिडली राजस्व अंचल के अंतर्गत एंकरबाड़ी में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान विजय मादुवा (20) उर्फ पेटला के रूप में हुई है। गुरुवार की देररात घर पर सोते समय आकाशीय बिजली की चपेट में आने से युवक की मौत हुई। पुलिस ने शुक्रवार सुबह मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में शव बरामद किया और उसे पोस्टमॉर्टम के लिए काजलगांव के जेएसबी सिविल अस्पताल भेज दिया। कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है।

अज्ञात मरीज का शव

गुवाहाटी (विभास)। एक अज्ञात मरीज का शव जीएमसीएच में है, जिसकी आयु लगभग 45 वर्ष बताया गया है जैसा की सूचना है। प्राप्त सूचनानुसार शव जीएमसीएच के मुरदा घर में है। उसे आज सुबह 4 नंबर गेट से जीएमसीएच लाया गया था, जहां इमरजेंसी के डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसकी सूचना भांगागढ़ थाने को दे दी गई है।

पाटीदरंग फुटबॉल के फाइनल में वेहबाड़ी यंग ग्रुप चैंपियन

पूर्व सांसद रमेन डेका ने किया खेल का उद्घाटन

रंगिया (विभास)। स्वर्गीय बेहिराम काकोती और स्वर्गीय रजनी कांत गोस्वामी मेमोरियल प्राइज मनी फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल मैच शुक्रवार को पाटीदरंग विद्यापीठ हायर सेकेंडरी स्कूल मैदान में आयोजित किया गया। आयोजित खेल एक-एक गोल में समाप्त होने पर टाईब्रेकर माध्यम से 7 - 6 गोल से वेहबाड़ी यंग ग्रुप ने जारकोना जंगली क्लब को हराकर फाईनल खेल के विजेता का खिताब सहित नगद 20,000 रुपए अर्जित किया। जबकि जारकोना जंगली क्लब ने रानर्स अप ट्रॉफी और 15,000 रुपए नकद जीते। फाइनल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी जंगली क्लब के 17 नंबर की जर्सी पहने आकाश बोरो रहे। मालूम हो कि इस फाइनल मैच का उद्घाटन पूर्व सांसद रमेन डेका द्वारा किया गया और इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप मे रंगिया के विधायक तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता उपस्थित थे।

चातुर्मासिक धर्म सभा : छोड़ना और छूट जाना : आचार्य श्री प्रमुख सागर महाराज

गुवाहाटी : फैंसी बाजार स्थित भगवान महावीर धर्मस्थल में विराजित आचार्य श्री प्रमुख सागर महाराज ने आज (गुरुवार) को धर्म सभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा की जैसे-जैसे ज्ञान में उत्तम तत्व आता है तो विषय भोग संसार के अरुचिकर लगते हैं। जैसे-जैसे आत्मा के पास पहुंचोगे वैसे-वैसे बहार के पदार्थ अरुचिकर लगेंगे। आदमी जैसे-जैसे आगे बढ़ता है वैसे वैसे पीछे की वस्तु छूट जाती। जैसे-जैसे आदमी अपनों के नजदीक पहुंचता है वैसे-वैसे संसार पीछे रह जाता हैं। आचार्य श्री ने कहा कि जब हमें कोई अच्छी वस्तु मिलती है तो बुरी वस्तु की तरफ ध्यान ही नहीं जाता है। इसलिए बुरी आदतों को छोड़ने का प्रयास करो नहीं तो जबरदस्ती छुड़ा ली जाएगी। जब तक वस्तु अच्छी लग रही है तब तक तब छोड़ नहीं रहे हो और जैसे ही वस्तु के प्रति राग खत्म, उस समय वो संसार की वस्तु अरुचिकर ही लगेगी। आचार्य श्री ने कहा की बुरे समय को जल्दी से छोड़ देना नहीं छोड़ा तो जीवन में नकारात्मक शक्ति आएगी और और सोच खराब हो जाएगी। अगर आपके अंदर साधु बनने की और आत्म तत्व पाने की रुचि पैदा हो गई तो सब संसार अरुचिकर लगेगा। उन्होंने कहा कि आस पर आसमान टिका है और विश्वास पर तथा हम सब की आस्था पर भगवान टिका है। हमें हमेशा एक ही प्रयास करना है कि हमें जीवन में अच्छे लोग मिले ओर अच्छी बातें सीखने और सुनने को मिले। इससे पूर्व आज प्रात: आचार्य श्री ससंघ के मुखारविंद से श्रीजी की शांतिधारा करने का परम सौभाग्य वर्षा योग समिति के मुख्य संयोजक ओमप्रकाश-प्रभादेवी सेठी परिवार गुवाहाटी /बेंगलुरु को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर काफी संख्या में गुरु भक्त एवं श्रद्धालु उपस्थित। यह जानकारी समाज के प्रचार-प्रसार विभाग के मुख्य संयोजक ओम प्रकाश सेठी एवं सह संयोजन सुनील कुमार सेठी द्वारा दी गई।

जी-20 : भारतीय सेना ने दिल्ली के तीन अस्पतालों को अपने कब्जे में लिया

- सेना का बम निरोधक दस्ता आयोजन स्थल से लेकर हवाई अड्डे तक तैनात
- वायु सेना के हेलीकॉप्टर राजधानी के 23 होटलों की कर रहे हैं हवाई निगरानी

अजय त्यागी

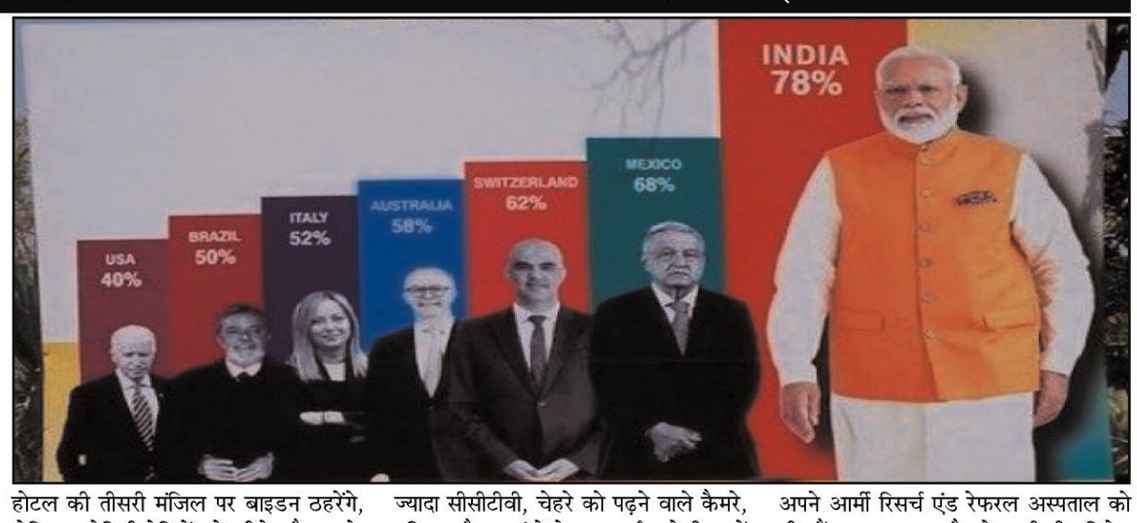

नई दिल्ली। जी-20 शिखर सम्मेलन के मद्देनजर भारतीय सेना ने दिल्ली के तीन अस्पतालों को अपने कब्जे में लिया है, ताकि जरूरत पड़ने पर दिल्ली आये विदेशी मेहमानों को तत्काल चिकित्सा सुविधा मुहैया कराई जा सके। सेना ने अपने आर्मी रिसर्च ऐंड रेफरल अस्पताल को स्टैंडबाय पर रखा है। इसके अलावा जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए भारतीय सेना का बम निरोधक दस्ता आयोजन स्थल से लेकर हवाई अड्डे तक तैनात किया गया है। करीब 500 वीवीआईपी कारों का काफिला भी दिल्ली लाया गयाः दुनिया के 20 ताकतवर देशों के नेताओं और नौ अन्य आमंत्रित देशों के राष्ट्राध्यक्षों के साथ 1200 वरिष्ठ ब्यूरोक्रेट्स दिल्ली में इकट्ठा हो रहे हैं। इसके अलावा इन 29 देशों के राष्ट्राध्यक्षों के साथ करीब एक लाख सिक्यूरिटी स्टाफ और द्विपक्षीय प्रतिनिधिमंडल भी अपने-अपने राष्ट्राध्यक्षों या वरिष्ठ राजनयिकों के साथ दिल्ली पहुंच रहे हैं। विदेशी मेहमानों में कनाडा, फ्रांस, अमेरिका, चीन, रूस से करीब 500 वीवीआईपी कारों का काफिला भी दिल्ली लाया गया है, जिसमें 50 कारों का काफिला अकेले अमेरिकी राष्ट्रपति का है। विदेशी मेहमानों के ठहरने के लिए राजधानी के 23 पांच या सात सितारा होटलों को पहले से ही बुक कर दिया गया है। इनमें आम लोगों की आवाजाही पर पूरी तरह प्रतिबंध है। इन सभी होटलों की जमीन से लेकर आसमान तक से निगरानी की जा रही है। अमेरिकी प्रेसिडेंट सुइट का एक दिन का किराया आठ लाख रुपयेः अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन को ठहराने के लिए आईटीसी मौर्या की तीन मंजिल को उनके सर्विस सीक्रेट एजेंटों ने दो दिन पहले से ही अपने कब्जे में ले रखा है। होटल की तीसरी मंजिल पर बाइडन ठहरेंगे, लेकिन अमेरिकी प्रेसिडेंट के नीचे और उसके ऊपर वाले फ्लोर पर उनके सुरक्षाकर्मियों के अलावा कोई और नहीं ठहर सकता। होटल के प्रेसिडेंट सुइट का एक दिन का किराया आठ लाख रुपये है। बाइडन के होटल वाले कमरे की हर इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस को सर्विस सीक्रेट एजेंटों ने हटाकर अपनी डिवाइस लगाई है। कमरों की खिड़कियों को बुलेट प्रूफ बना दिया गया है। दिल्ली के 35 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में कड़ी सुरक्षा व्यवस्थाः जी-20 शिखर सम्मेलन आयोजन स्थल के आसपास दिल्ली के 35 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में सुरक्षा के मद्देनजर दिल्ली पुलिस के 60 हजार जवान, अर्ध सैनिक बल, एनएसजी और सीआरपीएफ के कमांडो को तैनात किया गया है। परिंदा भी पर न मार सके, इसके लिए आयोजन स्थल के आसपास की ऊंची इमारतों पर एयरक्राफ्ट एंटी गनों को तैनात किया गया है। इसके अलावा 40 हजार से ज्यादा सीसीटीवी, चेहरे को पढ़ने वाले कैमरे, पुलिस और कमांडो के स्नाइपर्स, खोजी कुत्तों को सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई है। प्रगति मैदान के पास हाल ही में बनी टनल को आम लोगों की आवाजाही के लिए बंद करके सुरक्षा घेरे में लिया गया है। अस्पतालों में सभी राष्ट्राध्यक्षों के लिए अलग-अलग कमरे बुकः इन सब सुरक्षा व्यवस्थाओं के बावजूद किसी भी आतंकवादी घटना या अन्य आपात स्थिति से निपटने के लिए दिल्ली के एम्स, सफदरजंग और राम मनोहर लोहिया अस्पताल को 24 घंटे के लिए हाई अलर्ट पर रखा गया है। इन अस्पतालों में सभी राष्ट्राध्यक्षों के लिए अलग-अलग कमरे बुक किए गए हैं, ताकि जरूरत पड़ने पर तत्काल इमरजेंसी मेडिकल सुविधा दी जा सके। इन तीनों अस्पतालों को भारतीय सेना ने अपने कब्जे में लेकर डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की टीमों सहित अपनी त्वरित प्रतिक्रिया चिकित्सा टीमों को तैनात किया है। सेना ने दिल्ली कैंट स्थित अपने आर्मी रिसर्च एंड रेफरल अस्पताल को भी स्टैंडबाय पर रखा है। सेना की तीन ब्रिगेड के लगभग 6000 कर्मचारी तैनातः चारों अस्पतालों में किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह से सुसज्जित टीमों को सेना की विशेषज्ञ कोर ऑफ इंजीनियर्स टीमों का भी सहयोग मिलेगा। इसके अलावा जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए भारतीय सेना का बम निरोधक दस्ता आयोजन स्थल से लेकर हवाई अड्डे तक तैनात किया गया है। इसमें तीन ब्रिगेड के लगभग 6000 कर्मचारी तैनात किए गए हैं। आपात स्थिति से निपटने के लिए सुरक्षा कर्मियों को अत्याधुनिक हथियार दिए गए हैं। सेना ने अज्ञात स्थल पर एक गोदाम बनाया है, जहां पर्याप्त मात्रा में गोला-बारूद, बुलेट्स का भंडार रखा गया है, ताकि जरूरत पड़ने पर कमी न हो। होटलों से लेकर भारत मंडपम् तक के रूट को कई ब्लाक में बांटकर सुरक्षा की तैयारियां की गई हैं।

सनातन पर मचा घमासानः पीयूष गोयल व कपिल मिश्रा का पलटवार, मिलेगा करारा जवाब

नई दिल्ली, (हि.स.)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे और राज्य सरकार में मंत्री उदयनिधि द्वारा सनातन धर्म पर की गई टिप्पणी के खिलाफ सोशल मीडिया पर घमासान मचा हुआ है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री व राज्यसभा में सदन के नेता पीयूष गोयल ने सनातन धर्म पर हमले के खिलाफ तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने उदयनिधि का एक वीडियो साझा करते हुए लिखा कि तमिलनाडु में आईएनडीआई एलायंस के नेताओं द्वारा सनातन धर्म पर तीव्र मौखिक हमलों की श्रृंखला संविधान के प्रति उनकी जन्मजात उपेक्षा से उत्पन्न हुई है। यह उस विश्वास प्रणाली के प्रति उनकी गहरी नफरत को दर्शाता है जो हमारे देश का आधार है। हमारे देश के लोग जिन्होंने सनातन धर्म के सिद्धांतों को कायम रखा और उसकी निरंतरता को कायम रखा, वे जागृत हो चुके हैं। वे इस विभाजनकारी और सांप्रदायिक एजेंडे को चलाने वालों को करारा जवाब सुनिश्चित करेंगे। दिल्ली प्रदेश भाजपा के उपाध्यक्ष कपिल मिश्रा ने सोशल साइट एक्स पर लिखा- स्टालिन नाम रूस से लिया, धर्म रोम से लिया और गाली सनातन को देने लगे। अपने एक ट्वीट को रि-पोस्ट करते हुए कपिल मिश्रा ने कहा कि जैसे भगवान श्रीकृष्ण ने कालिया नाग के फन का मर्दन किया था वैसे ही भारत की जनता सनातन विरोधियों का मर्दन करेगी। इस विवाद को लेकर एक ट्वीटर हैंडल वेदीजा से लिखा गया है- विडंबना है कि तमिलनाडु के मंदिरों को प्रतिवर्ष 40 से 70 हजार करोड़ की आय होती है और मंदिरों पर महज साढ़े तीन लाख खर्च होता है, फिर भी सनातन धर्म पर हमला किया जा रहा है।

जनगणना मुद्दे पर कांग्रेस ने केन्द्र को घेरा, कहा- 14 करोड़ भारतीय मुफ्त राशन के अधिकार से हुए वंचित

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस ने शुक्रवार को आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार के जनगणना नहीं कराने से अनुमानित रूप से 14 करोड़ भारतीयों को उनके भोजन के अधिकार से वंचित कर दिया गया है। एक समाचार रिपोर्ट का हवाला देते हुए कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक वक्तव्य जारी किया है। इसमें मांग की गई है कि इन 14 करोड़ भारतीयों को उनके मूल अधिकारों से वंचित करना बंद करते हुए जनगणना होने तक लाभार्थी कोटा बढ़ाया जाए। केन्द्र सरकार एक अपडेटेड राष्ट्रीय जाति जनगणना कराए और राज्यों के स्तर पर हो रहे जाति जनगणना के प्रयासों का विरोध करना बंद करें। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार 2021 में होने वाली दशकीय जनगणना कराने में विफल रही है। इंडोनेशिया, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका जैसे अन्य विकासशील देश सहित, लगभग हर दूसरे जी20 देश कोविड-19 के बावजूद जनगणना कराने में कामयाब रहे हैं। यूपीए सरकार ने ऐतिहासिक राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) लागू किया था। एनएफएसए के तहत, 67 प्रतिशत भारतीय भोजन के लिए राशन के हकदार हैं। मोदी सरकार 2021 में जनगणना कराने में विफल रही है। इसके चलते 2011 की जनगणना के आधार पर केवल 81 करोड़ लोगों को एनएफएसए कवरेज दी जा रही है। हालांकि, जनसंख्या के मौजूदा अनुमान के अनुसार, 95 करोड़ भारतीय एनएफएसए कवरेज के हकदार हैं। रमेश ने कहा कि मोदी सरकार न केवल जनगणना कराने में विफल रही है, बल्कि इसने 2011 में यूपीए सरकार द्वारा कराई गई सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना को भी दबा दिया है। साथ ही सरकार सुप्रीम कोर्ट में बिहार सरकार के राज्य-स्तरीय जाति जनगणना के प्रयास का भी विरोध किया। आबादी की गिनती, वर्गीकरण और ओबीसी की बहुसंख्यक आबादी के स्पष्ट विवरण के बिना सभी भारतीयों के लिए पर्याप्त विकास और सामाजिक न्याय सुनिश्चित करना असंभव है।

जी-20: नई दिल्ली घोषणापत्र विकासशील देशों की आवाज होगा : शेरपा अमिताभ कांत

अजय कुमार

नई दिल्ली। जी-20 शेरपा अमिताभ कांत ने शुक्रवार को कहा कि जी-20 शिखर सम्मेलन से संबद्ध नई दिल्ली लीडर्स घोषणापत्र वैश्विक दक्षिण यानी विकासशील देशों की आवाज होगा। इसे तैयार कर लिया गया है। इसे वैश्विक नेताओं के समक्ष विचार के लिए रखा जाएगा। सर्वसम्मति बनने के बाद इसे जारी किया जाएगा। दुनिया की 20 बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के समूह जी-20 की नई दिल्ली में शिखर वार्ता शुरू होने से पहले प्रगति मैदान में स्थापित अंतरराष्ट्रीय मीडिया केंद्र में आयोजित विशेष पत्रकार वार्ता में अमिताभ कांत ने कहा कि प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप भारत ने जी-20 अध्यक्षता के दौरान इसे समावेशी, महत्वाकांक्षी, निर्णायक और कार्योन्मुख बनाने का प्रयास किया गया है। हमने प्रयास किया है कि इसमें वैश्विक दक्षिण यानी विकासशील देशों को प्राथमिकता मिले और उन्हें अपने सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने में सहयोग प्राप्त हो। अमिताभ कांत ने कहा कि भारत ने जब इंडोनेशिया में जी-20 की अध्यक्षता संभाली तो दुनिया में विकास की दर प्रभावित थी। कोविड का प्रभाव मिटा नहीं था। गरीबी और बेरोजगारी बढ़ी थी। देशों को अपने सतत विकास लक्ष्य हासिल करने में चुनौती का सामना करना पड़ रहा था। भारत ने ऐसे समय में वसुधैव कुटुंबकम के विचार को आगे बढ़ाने को सोचा और समूह के प्रयासों को समावेशी, महत्वाकांक्षी, निर्णायक और कार्योन्मुख बनाने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि जी-20 से जुड़ी हमारी प्राथमिकताएं वैश्विक विकास को बढ़ाना, सतत विकास लक्ष्यों की ओर तेजी से बढ़ना, हरित विकास को बढ़ावा देना यानी क्लाइमेट एक्शन, इन्हें पाने के लिए वैश्विक दक्षिण को वित्तीय मदद दिलाना और दुनिया में तकनीकी और डिजिटल इंफ्रॉस्ट्रक्चर बढ़े ताकि समावेशी विकास हो और महिला विकास एवं समानता रही। हमारा दृष्टिकोण विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण की आवाज बनना और उनकी प्राथमिकताओं को आगे रखना रहा। उन्होंने कहा कि जी-20 में इस बार अधिक भागीदारी सुनिश्चित की गई है। 19 देश, एक यूरोपीय संघ के अलावा नौ विशेष आमंत्रित, तीन क्षेत्रीय संगठन और 11 अंतरराष्ट्रीय संगठन इससे जुड़े गतिविधियों में हिस्सा ले चुके हैं। देश के 60 शहरों में 220 से अधिक जी-20 संबंधित बैठकें हो चुकी हैं। यह भारत की विविधता और संघीय संरचना का प्रतिबिंब हैं।

जी-20: दिल्ली में तिब्बती शरणार्थियों के प्रदर्शन की आशंका से मजनू का टीला में पुलिस का कड़ा पहरा

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। तिब्बती शरणार्थियों के प्रदर्शन की आशंका के मद्देनजर दिल्ली पुलिस ने मजनू का टीला क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ा दी है। वजह यह है कि हर अंतरराष्ट्रीय आयोजन के समय अपनी बात विश्व तक पहुंचाने के लिए दिल्ली में तिब्बती शरणार्थी प्रदर्शन करने की कोशिश करते रहते हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि राष्ट्रीय राजधानी में जी-20 शिखर सम्मेलन के मद्देनजर पूरी चौकसी बरती जा रही है। तिब्बती शरणार्थी तिब्बत पर चीन के अवैध कब्जे को और वहां हुए नरसंहार को हर ऐसे मौके पर दुनिया को बताने का मौका नहीं चूकते। जानकारों का कहना है कि भारत में इन लोगों को शरण दी गई है पर उन्हें नीतिगत तौर पर राजनीतिक प्रदर्शन की छूट नहीं है। वैसे भी जी-20 के मद्देनजर हर प्रकार के प्रदर्शन पर रोक है। इसलिए दिल्ली पुलिस का यह कदम है।

सिद्धू ने पत्नी के साथ फोटो शेयर की

चंडीगढ़ (ईएमएस)। पूर्व क्रिकेटर और पंजाब कांग्रेस के नेता नवजोत सिद्धू ने पत्नी नवजोत कौर के साथ सोशल मीडिया पर फोटो शेयर की है। सिद्धू वरयाम सिंह अस्पताल में पत्नी नवजोत की छठी कीमोथैरेपी करवाने आए हैं। इसके बाद उन्होंने बेड पर बैठी अपनी पत्नी और डॉक्टर के साथ एक तस्वीर ट्वीट की। सिद्धू ने अपनी पत्नी नवजोत कौर की ताकत बताते हुए अपने अंदाज में लिखा। सिद्धू ने ट्वीट कर लिखा है, अपने बच्चों के प्यार और स्नेह से प्रेरित... उसकी अंतिम कीमोथैरेपी आखिरकार चल रही है। मानसिक दृढ़ता उसकी सबसे बड़ी ताकत है, वह मानती है कि उसने कैंसर को हरा दिया है। वह छह कीमोथैरेपी के दौरान एक दिन भी बिस्तर पर नहीं पड़ी है। भगवान की कृपा से उनका विश्वास और मजबूत हो! डॉक्टर रुपेंद्र बत्तरा प्रेरित करने वालों में से एक हैं। इस कठिन यात्रा में सभी शुभचिंतकों का आभार! पत्नी नवजोत कौर की पांचवी कीमोथैरेपी के बाद भी सिद्धू ने ट्वीट किया था। जिसमें उन्होंने लिखा था कि घाव भर गए हैं लेकिन इस कठिन परीक्षा के मानसिक घाव अभी भी बने रहेंगे।

जी20: मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रवीण जगन्नाथ के साथ विदेश मंत्री की मुलाकात

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने शुक्रवार को जी20 बैठक के लिए आए मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रवीण जगन्नाथ के साथ मुलाकात की। एक ट्वीट कर विदेश मंत्री ने कहा कि भारत जी20 में मॉरिशस की भागीदारी को महत्व देता है। यह वास्तव में हमारी विशेष साझेदारी को आगे ले जाने की हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज शाम मॉरीशस के प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय बैठक करने जा रहे हैं। एक ट्वीट में प्रधानमंत्री ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि आज शाम वे अपने आवास पर तीन द्विपक्षीय बैठकों की प्रतीक्षा कर रहे हैं। मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रवीण जगन्नाथ, बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना और अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन से मुलाकात करूंगा। बैठकों से इन देशों के साथ भारत के द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा करने और विकासात्मक सहयोग को और मजबूत करने का अवसर मिलेगा।

कानून व्यवस्था हो या जनकल्याण, हम अपनी चुस्ती-फुर्ती और सावधानी में न आने दें कमी : शिवराज

भोपाल, (हि.स.)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को अपने निवास कार्यालय समत्व भवन में आयोजित कमिश्नर, आईजी और कलेक्टर-एसपी कॉन्फ्रेंस के माध्यम से हुई वर्चुअली समीक्षा बैठक में प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति, फसलों की स्थिति की सतत निगरानी, खाद की आपूर्ति, बिजली व्यवस्था, हितग्राही मूलक योजनाओ में समय पर भुगतान, नल-जल योजनाओं के क्रियान्वयन और विकास रथों के संचालन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखना हमारी ड्यूटी है, यह मेरी भी ड्यूटी है। हम अपनी चुस्ती, फुर्ती और सावधानी में कोई कमी न आने दें। पुलिस महानिदेशक तीज त्यौहार में कानून व्यवस्था की निरंतर समीक्षा करते रहें। एसपी-कलेक्टर शांति समिति की बैठक कर आवश्यक निर्णय लें, प्रदेश में सभी ओर शांति और सुरक्षा का वातावरण बनाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रसन्नता का विषय है कि प्रदेश में वर्षा आरंभ हुई है। इससे कई फसलों को जीवनदान मिलेगा, लेकिन कई जगह सोयाबीन की फसलों का नुकसान हुआ है। किसान चिंता न करें, किसानों का कल्याण हमारी सरकार की प्राथमिकता है। सभी जिला अधिकारी फसलों की स्थिति पर नजर रखे। जहां भी अल्प वर्षा के कारण नुकसान की स्थिति निर्मित होगी, वहां राहत दी जाएगी, फसल बीमा का भी भुगतान होगा। उन्होंने कहा कि क्षति का आकलन कर आरबीसी 6(4) के अंतर्गत राहत दी जाएगी। यह हमारा कर्तव्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिजली को लेकर अब स्थिति सामान्य हैं, लेकिन हम बिजली की स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए हैं। कलेक्टर-कमिश्नर भी अपने क्षेत्रों में ऊर्जा विभाग के साथ आपूर्ति की स्थिति का आंकलन करते रहें। कृषि के लिए 10 घंटे बिजली आपूर्ति सुनिश्चित कराई जाए। उन्होंने किसानों को फसलों के नुकसान से बचाने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराने की व्यवस्था विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों को परिस्थितियों के अनुरूप त्वरित मार्गदर्शन उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाए। जिले की जल उपयोगिता समिति की बैठक कराने तथा बैठक में फसलों के लिए बांध से पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में उर्वरकों की कोई कमी नहीं है, जिलों में खाद की आपूर्ति सुनिश्चित कराना कलेक्टर की जिम्मेदारी है। जिले में खाद की उपलब्धता का समय पर आंकलन कर, जिले की मांग से राज्य शासन को अवगत कराया जाए। यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि किसानों को जरूरत के समय खाद उपलब्ध हो। उन्होंने कहा कि जल-जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा कर लें। यह सुनिश्चित करें कि कार्य गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण हों। रेस्टोरेशन के कार्य प्राथमिकता पर पूर्ण किए जाएं। मिशन के जो कार्य पूर्ण हो गए हैं, उनमें जल की आपूर्ति नल से होना सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि हितग्राही मूलक योजनाओं के अंतर्गत हितलाभ का समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जाए। चुनाव कार्य या अन्य व्यस्तता के कारण हितग्राहियों को भुगतान में कोई समस्या नहीं आए। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही प्रदेश में मुख्यमंत्री जन आवास योजना लागू की जा रही है। वो गरीब जिनके नाम प्रधानमंत्री आवास तथा आवास प्लस में शामिल नहीं हो सके हैं, उन्हें इस योजना के अंतर्गत आवास उपलब्ध कराए जाएंगे। यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि इस कार्य में कोई भी अनैतिक गतिविधि शुरू न हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि 10 सितम्बर को लाड़ली बहना दिवस पर ग्वालियर से बहनों के खातों में लाड़ली बहना योजना की राशि डाली जाएगी। उन्होंने गरीब कल्याण रिपोर्ट की प्रतियां पंचायत स्तर तक उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। चौहान ने कहा कि 14 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बीना पधार रहे हैं। पेट्रो केमिकल उत्पाद पर आधारित 50 हजार करोड़ का निवेश प्रदेश में आ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी लगभग दो लाख करोड़ के कार्यों की शुरूआत करेंगे। इससे प्रदेश में 3 लाख से अधिक रोजगार के अवसर सृजित होंगे। प्रधानमंत्री मोदी का आगमन प्रदेश के लिए सौभाग्य का विषय है। समत्व में हुई बैठक में मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस, सामान्य प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव विनोद कुमार, गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव राजेश राजोरा, कृषि विभाग के अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल, ऊर्जा विभाग के प्रमुख सचिव संजय दुबे तथा पुलिस महानिदेशक सुधीर सक्सेना उपस्थित थे। सभी संभाग तथा जिले के अधिकारी बैठक से वर्चुअली जुड़े।

उत्तराखंड विस मानसून सत्रः कांग्रेस विधायक प्रीतम सिंह ने विशेषाधिकार हनन का मुद्दा उठाया

देहरादून, (हि.स.)। उत्तराखंड विधानसभा का मानसून सत्र चल रहा है। शुक्रवार को कांग्रेस विधायक प्रीतम सिंह ने विधानसभा में विशेषाधिकार हनन का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की मनमानी बढ़ती जा रही है। अधिकारी विधायकों का सम्मान नहीं करते। कांग्रेस विधायक ने कहा कि राज्य में अधिकारियों की मनमानी बढ़ना अच्छा संकेत नहीं है। उन्होंने पीजीएसवाई के मुख्य अभियंता को 28 बार फोन किया, लेकिन मुख्य अभियंता ने फोन नहीं उठाया। उनके कार्यालय में फोन किया तो बताया गया कि वह मंत्री जी के यहां हैं। इस पर जब मैंने मंत्री गणेश जोशी को फोन किया तो उन्होंने पांचवीं बार में फोन उठाया और कहा कि अधिकारी मुझसे मिलने नहीं आए। यह इस बात का संकेत है कि अधिकारी पूरी तरह मनमानी कर रहे हैं। प्रीतम सिंह ने इस अवसर पर मुख्य अभियंता पर कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि आईएएस अधिकारी डॉ आर राजेश कुमार ने पीएमजीएसवाई में 700 करोड़ के घोटाले का खुलासा किया तो सरकार ने उन्हें मुख्य कार्यकारी अधिकारी पद से हटा दिया। ईमानदारी से कार्य करने वाले अधिकारियों पर गाज गिराई जा रही है। इसी सवाल पर नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि अधिकारी सरकार के पूत होते हैं, जिसकी सरकार होती है उसके पूत होते हैं। उन्होंने कहा कि कई अधिकारी सत्ता के नशे में चूर हैं। पीठ से निर्देश होने के बावजूद विधायकों का सम्मान नहीं हो रहा है।

जी-20 शिखर सम्मेलन की सफलता के लिए राज्यपाल सी वी आनंद बोस ने की गंगा आरती

कोलकाता, (हि.स.)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल डॉक्टर सी वी आनंद बोस ने भारत की अध्यक्षता में हो रहे महत्वाकांक्षी जी-20 शिखर सम्मेलन की सफलता के लिए शुक्रवार सुबह मां गंगा की आरती की है। कोलकाता के बाबू घाट के पास मौजूद ग्वालियर घाट पर राज्यपाल ने सुबह 8:00 बजे के करीब गंगा आरती की। राज भवन की ओर से वैदिक रीति रिवाज से आरती की व्यवस्था की गई थी। वेद पाठी पुरोहितों ने मंत्रोचार किया जिनके साथ राज्यपाल ने भी मंत्र पाठ किया है। उन्होंने आरती के बाद मां गंगा में पुष्पांजलि अर्पित की और पुष्प चढ़ाए हैं। गवर्नर ने कहा कि जी-20 की सफलता की प्रार्थना के लिए यह पूजा की है। इसमें भारत और पश्चिम बंगाल की सफलता की कामना है। उल्लेखनीय हैं कि जी-20 की बैठक में शामिल होने के लिए दुनिया भर के कई देशों के राष्ट्राध्यक्ष भारत आ रहे हैं जिनमें अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन भी शामिल हैं। इन्हें शनिवार रात राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की ओर से रात्रि भोज भी दिया जाएगा जिसमें राज्यपाल डॉक्टर बोस और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी आमंत्रित हैं।

भारत यात्रा के दौरान चीन के प्रधानमंत्री से नहीं मिलेंगे अमेरिकी राष्ट्रपति

वाशिंगटन, (हि.स.)। जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए अपनी भारत यात्रा के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन, चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग से मुलाकात नहीं करेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति के आवास व्हाइट हाउस ने बाइडन के यात्रा कार्यक्रम में कियांग से मुलाकात की किसी भी संभावना को नकार दिया है। भारत में नौ व दस सितंबर को आयोजित हो रहे जी-20 शिखर सम्मेलन में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन पहुंच रहे हैं। सम्मेलन में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को भी शामिल होना था, किन्तु अपनी जगह वे चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग को भेज रहे हैं। ली कियांग दिल्ली में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन में चीन का प्रतिनिधित्व करेंगे। जो बाइडन ने पहले ही चीन के राष्ट्रपति के जी-20 शिखर सम्मेलन में शामिल न होने पर निराशा जाहिर की थी। अब उन्होंने दिल्ली में तीन दिन रुकने के बावजूद चीन के प्रधानमंत्री से न मिलने का फैसला किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने जी-20 शिखर सम्मेलन में बाइडन के एजेंडे से जुड़े सवाल के जवाब में साफ कहा कि राष्ट्रपति जो बाइडन का अपनी भारत यात्रा के दौरान चीनी प्रधानमंत्री ली कियांग से मिलने का इरादा नहीं है। दरअसल पत्रकारों ने सुलविन से पूछा था चीनी नागरिकों ने अमेरिकी सैन्य अड्डों में प्रवेश कर लिया है और क्या इस मुद्दे को दिल्ली में उठाया जाएगा। इस पर उन्होंने कहा कि हमारे पास इस समय राष्ट्रपति की चीन के प्रधानमंत्री के साथ बातचीत की कोई योजना नहीं है। राष्ट्रपति जो बाइडन भारत में जी-20 शिखर सम्मेलन में शामिल होने के बाद वियतनाम जाएंगे।

घोषी में जनता की बड़ी सोच की जीत हुई : अखिलेश

लखनऊ, (हि.स.)। मऊ के घोसी उपचुनाव में जारी मतगणना में समाजवादी पार्टी (सपा) लगातार बढ़त बनाए हुए हैं। 23वें राउंड के बाद सपा के सुधाकर सिंह ने भाजपा प्रत्याशी दारा सिंह चौहान पर 27989 वोटों से बढ़त बनाई हुई है। इस बीच सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने घोषी की जनता और अपने उम्मीदवार को हार्दिक बधाई दी है। सपा उम्मीदवार की भारी बढ़त को देखते हुए पार्टी कार्यालय पर समर्थक जश्न मनाने लगे हैं। अखिलेश यादव ने अपने ट्वीट में कहा कि घोषी में जनता की बड़ी सोच की जीत हुई है। ये सकारात्मक राजनीति की जीत है और साम्प्रदायिक नकारात्मक राजनीति की हार है। घोसी ने सिर्फ समाजवादी पार्टी के नहीं बल्कि 'आईएनडीए गठबंधन' के उम्मीदवार को जिताया है और अब यही आने वाले कल का भी परिणाम होगा। ये दलीय संकीर्ण विचारधारा और जाति बंधन से ऊपर से उठकर, उस उम्मीदवार की जीत है, जिसके काम करने की आशा है और नाकाम प्रत्याशी की पराजय है। ये भाजपा की तोड़फोड़ और समाज को बांटने वाली नकारात्मक राजनीति की मुंहतोड़ हार है। ये झूठे-प्रचार और जुमलाजीवियों की पराजय है। ये व्हाटसअप और फेसबुक जैसे सोशल मीडिया द्वारा फैलायी जा रही सामाजिक घृणा, भ्रामक सूचनाओं और राजनीतिक मिथ्या की पराजय है। ये भ्रष्टाचार, महंगाई और बेरोजगारी जैसे मुद्दों की भी जीत है। अखिलेश यादव ने कहा कि ये बुलडोजर और बुल से त्रस्त जनता का शासन-प्रशासन को करारा जवाब है। ये कुछ स्थानीय नेताओं की इस गलतफहमी की भी हार है कि एक समुदाय के लोग हमारी जेब में है। ये 'गिरगिटी प्रत्याशियों को भी एक संदेश है कि जनता उनके असली रंग को पहचान गई है।

ये दलबदल-घरबदल की सियासत करने वालों की हार है। यह भाजपा के अहंकार और घमंड को चकनाचूर करने वाला नतीजा है। यह उस अच्छी सोच वाले सर्व समाज और पीडीए के एक साथ आने की जीत है, जो समाज के हर वर्ग को बराबर का हकर देकर हर किसी की तरक्की को मकसद मानकर चलती है। ये सामाजिक न्याय के लिए जातिगत जनगणना की मांग करने वाले हर किसी की जीत है। यूपी एक बार फिर से देश में सत्ता परिवर्तन का अगुवा बनेगा। भारत ने आईएनडीए को जिताने की शुरूआत कर दी है। आखिरी में अखिलेश यादव ने कहा कि ये देश के भविष्य की जीत है और यह एक ऐसा अनोखा चुनाव है। जिसमें जीता तो एक विधायक है, पर हारे कई दलों के भावी मंत्री हैं। 'आईएनडीए' टीम है और 'पीडीएस' रणनीति जीत का हमारा ये नया फामूर्ला सफल साबित हुआ है। वहीं, शिवपाल यादव ने ट्वीट किया है। इसमें अपने साथ अखिलेश की फोटो को साझा करते हुए समाजवादी पार्टी जिंदाबाद, अखिलेश यादव जिंदाबाद, इसके बाद ही अखिलेश ने रिट्वीट करते हुए कहा चाचा जी जिंदाबाद। एक मुख्यमंत्री, दो उपमुख्यमंत्री, 14 मंत्री संत्री विधायक, शासन प्रशासन पूरी भाजपाई फौज फिर भी घोसी की जनता ने नकार दिया नफरत की विचारधारा को। उल्लेखनीय है कि घोसी उपचुनाव में समाजवादी पार्टी की जीत की बढ़त बनाए हुए है। साथ ही जिला पंचायत के उपचुनाव में भी सपा ने जीत हासिल की है।

मुख्यमंत्री योगी ने मनाया योगेश्वर श्रीकृष्ण का प्राकट्योत्सव

- गोरखनाथ मंदिर के गर्भगृह में की पूजा अर्चना, प्राकट्य के बाद बालकृष्ण को पालने में झुलाया
- महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में भजन कीर्तन का भी आनंद उठाया

गोरखपुर, (हि.स.)। योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण के प्राकट्योत्सव का पावन पर्व श्रीकृष्ण जन्माष्टमी गोरखनाथ मंदिर में मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ के सानिध्य में पारंपरिक श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मंदिर के इस पारंपरिक एवं उत्सवधर्मी कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए मुख्यमंत्री गुरुवार रात लखनऊ से यहां पहुंचे। गोरखपुर आने से पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ पुलिस लाइन में आयोजित श्रीकृष्ण जन्माष्टमी समारोह में भी शामिल हुए। गोरखनाथ मंदिर पहुंचने पर सबसे पहले उन्होंने गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन किया और अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि पर मत्था टेक पुष्पार्चन किया। मंदिर में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया था। मुख्यमंत्री यहां पहुंचे और सुमधुर भजनों का आनंद उठाते रहे। मध्य रात्रि मंदिर के गर्भगृह में उन्होंने श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर विधि विधान से विशिष्ट पूजा अर्चना की। रात 12 बजे प्रभु श्रीकृष्ण के प्राकट्य के उपरांत "नंद घर आनंद भयो, जय कन्हैयालाल की" की मंगल धुन, सोहर गीत और घंट घड़ियाल की ध्वनि के बीच गोरक्षपीठाधीश्वर उन्हें गोद में लेकर गर्भगृह से बाहर आए। लड्डू गोपाल को पालने में बैठाकर श्रद्धाभाव से उन्हें झूला झुलाया। गोरखनाथ मंदिर में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव परंपरागत रूप से धूमधाम से मनाया जाता है। यहां आयोजित समारोह में बतौर गोरक्षपीठाधीश्वर सम्मिलित होने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार रात लगभग 09:30 बजे लखनऊ से गोरखपुर पहुंचे। गोरखनाथ मंदिर आगमन के पश्चात वह महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में भजन कार्यक्रम शामिल हुए। यह कार्यक्रम सुपरिचित लोक गायक उत्तर डॉ. राकेश श्रीवास्तव के संयोजन में शाम से ही शुरू था। राकेश श्रीवास्तव व उनकी टीम के सदस्यों के अलावा सांसद रविकिशन शुक्ल ने भी झूम झूमकर श्रीकृष्ण गोविंद हरे मुरारी और अच्युतम केशवम जैसे भक्तिगीत सुनाए। जन्माष्टमी का मुख्य धार्मिक अनुष्ठान मंदिर के गर्भगृह में रात 11:30 बजे से प्रारंभ हुआ और ठीक मध्य रात्रि भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोपरांत मंगल गीत व प्रसाद वितरण के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर सांसद रविकिशन शुक्ल, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, विधायक विपिन सिंह, मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, वाराणसी से आए महामंडलेश्वर संतोष दास उर्फ सतुआ बाबा, कालीबाड़ी के महंत रविंद्रदास आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

राधा-कृष्ण बने बच्चों को मिला सीएम का स्नेह व उपहार - श्रीकृष्ण जन्मोत्सव समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में भजन कीर्तन के मध्य श्रीकृष्ण रूप सज्जा प्रतियोगिता में राधा व कृष्ण बने बच्चों को खूब स्नेह दिया। उनसे खूब हंसी ठिठोली भी की। अपने हाथों से लड्डू खिलाया। खिलौने व चॉकलेट उपहार में दिए। इस दौरान कई मासूमों को अपनी गोद में लेकर वह काफी देर तक खिलाते रहे, प्यार-दुलार करते रहे।

कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री की टिप्पणी से नाराज कठेरिया समाज, सौंपा ज्ञापन

जालौन, (हि.स.)। प्रसिद्ध कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री बागेश्वर धाम द्वारा कथा के दौरान जाति विशेष के खिलाफ जाति सूचक शब्दों का प्रयोग कर समाज के लिए बुरा भला कहने पर कठेरिया समाज के लोग आग बबूला हुए और कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी के संबोधित ज्ञापन अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को सौंपकर धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई की मांग की। शुक्रवार को कठेरिया समाज के सुंदर सिंह दीवान अपने साथियों के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचे। जहां पर उन्होंने बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए उन्हें गिरफ्तार करने की मांग की । उन्होंने कहा कि 5 सितंबर को कथा के दौरान बसोर कहकर जाति सूचक शब्दों को उपयोग करते हुए अछूत एवं नीच जाति बताया। उन्होंने बसोर महिलाओं के मांग में सिंदूर, गले में मंगलसूत्र पहनने पर भी आपत्ति जताई थी। जो महिलाओं के लिए शर्मसार करने वाले शब्द थे। बसोर जाति कहकर समाज को अछूत जाति में विभाजित कर दिया है। इससे बरार, धानुक, बसोर और कठेरिया जाति को ठेस पहुंची है। समाज के लोगों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि बागेश्वर धाम के कथावाचक पं. धीरेंद्र शास्त्री पर महिलाओं के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग एवं एससी एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया जाए और उन्हें गिरफ्तार किया जाए।

इंडिया गठबंधन से घबराई भाजपा : अवनीश काजला

मेरठ, (हि.स.)। कांग्रेस जिलाध्यक्ष अवनीश काजला ने कहा कि जनता को लूटना भाजपा की नीति है। भाजपा उद्योगपतियों की सरकार है। गरीबों को परवाह भाजपा को नहीं है। इंडिया गठबंधन से भाजपा घबरा गई है। बुढ़ाना गेट स्थित पार्टी कार्यालय पर शुक्रवार को पत्रकार वार्ता में कांग्रेस जिलाध्यक्ष अवनीश काजला और शहर अध्यक्ष जाहिद अंसारी ने कहा कि गैस की कीमतों में कटौती बहुत आश्चर्य की बात है। प्रधानमंत्री ने एलपीजी सिलेंडर सहित अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में बहुत ज्यादा वृद्धि कर दी। इससे देश के लोगों को पीड़ा हुई, लेकिन केंद्र सरकार ने लोगों की पीड़ा की परवाह नहीं की। उन्हें अचानक उनके दर्द का एहसास हुआ और कीमत 200 रुपए कम कर दी गई। एलपीजी सिलेंडर कि कीमत 2014 से लगातार बड़ी है और पिछले सात वर्षों में 2 गुना हो गई। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने 2020 से सब्सिडी भी देना बंद कर दिया है। पिछले दो दशकों में एलपीजी मूल्य वृद्धि के कनेक्शन पर नजर डालें तो मतदाताओं को आंखें खुल जाएगी जो कि एलपीजी बढ़ोतरी स्पष्ट रूप से दशार्ती है कि कीमत केवल भाजपा शासन के दौरान ही बढ़ाई गई है। पिछले नौ वर्ष में मोदी सरकार ने रसोई गैस के दाम लगातार बढ़कर 31.37 करोड़ लोगों को लूटा है। उन्होंने जनता की जेब पर 833640 करोड़ से ज्यादा की लूट की है। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन से भाजपा घबरा गई है। जनता ने भाजपा को चुनाव में हराने का मन बना लिया है। इस अवसर पर प्रवक्ता हरिकिशन अंबेडकर, सलीम खान, महेंद्र शर्मा, अंसार अहमद, मुकेश गुप्ता, नईम राणा आदि मौजूद रहे ।

राज्यसभा उप चुनाव में भाजपा के डॉ. दिनेश शर्मा निर्विरोध निर्वाचित

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश में राज्यसभा की रिक्त सीट पर हुए उप चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार डॉ. दिनेश शर्मा निर्विरोध निर्वाचित हो गए हैं। यह सीट भाजपा के राज्यसभा सांसद हरद्वार दूबे के निधन से रिक्त हुई थी। हरद्वार दुबे का 26 जून को निधन हो गया था। राज्यसभा सदस्य के रूप में उनका कार्यकाल नवम्बर, 2026 तक था। निर्वाचन आयोग ने 29 अगस्त को ही इस सीट पर चुनाव के लिए अधिसूचना जारी की थी। डॉ. दिनेश शर्मा ने पांच सितम्बर को भाजपा उम्मीदवार के रूप में नामांकन किया था। चूंकि उनके खिलाफ किसी और ने इस पद के लिए पर्चा दाखिल नहीं किया था, इसलिए उनका निर्विरोध निर्वाचित तय था। डॉ. शर्मा उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री रह चुके हैं। वर्तमान में वह उप्र विधान परिषद के सदस्य हैं और इनका कार्यकाल 30 जनवरी 2027 तक है।

हाई कोर्ट ने निशि पांडे को प्रतिदिन थाने में हाजिरी लगाने के डीसी रामगढ़ के आदेश को किया निरस्त

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट में शुक्रवार को गैंगस्टर स्व. किशोर पांडे की पत्नी निशि पांडे के खिलाफ क्राइम कंट्रोल एक्ट (सीसीए) के तहत पारित डीसी रामगढ़ के आदेश को चुनौती देने वाली क्रिमिनल रिट की सुनवाई हुई। कोर्ट ने याचिकाकर्ता की याचिका को स्वीकृत कर लिया। साथ ही रामगढ़ डीसी द्वारा सीसीए के तहत निशि पांडे को छह माह तक प्रतिदिन पतरातु थाना इंचार्ज के समक्ष हाजिरी लगाने संबंधी 21 जुलाई के आदेश को निरस्त कर दिया। याचिकाकर्ता ने डीसी द्वारा थाने में प्रतिदिन हाजिरी लगाने के आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। कोर्ट ने पिछले सुनवाई में राज्य सरकार से पूछा था कि निशि पांडे खिलाफ सीसीए लगाए जाने से संबंधित क्या केस बनता है। हाई कोर्ट के जस्टिस एस चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मामले की सुनवाई की। इससे पहले याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता विशाल त्रिवेदी एवं जितेंद्र एस सिंह ने कोर्ट को बताया था कि निशि पांडे के खिलाफ सीसीए का कोई मामला नहीं बनता है। उनके खिलाफ जिन चार केस का जिक्र किया गया है, वह पुलिसकर्मियों द्वारा दर्ज कराया गया है। उसमें से दो केस में वह नमित नहीं है। बाकी दो केस इस तरह का नहीं है, जिससे उन पर सीसीए लगाया जा सके। एक केस जिसमें उनका नाम है वह जमानतीय अपराध है। चारों केस किसी भी व्यक्ति विशेष ने उनके खिलाफ दर्ज नहीं किया है। प्राथमिकी में उनके खिलाफ कहीं स्पेसिफिक आरोप नहीं है, जिससे उनके खिलाफ सीसीए लगे।

हेमंत सोरेन ने कार्यकाल के छठे उप चुनाव में दोहराया इतिहास

-डुमरी में झामुमो प्रत्याशी सह मंत्री बेबी देवी की मिली जीत

रांची, (हि.स.)। मद्य निषेध मंत्री बेबी देवी डुमरी से झारखंड विधानसभा की सदस्य बन गयीं। इंडिया गठबंधन की जेएमएम उम्मीदवार बेबी देवी को डुमरी विधानसभा क्षेत्र में हुए उप चुनाव में एक लाख के करीब वोट मिले जबकि एनडीए की आजसू प्रत्याशी यशोदा देवी को लगभग 85 हजार वोटों से ही संतोष करना पड़ा। जीत का अंतर 17 हजार से अधिक का रहा। बेबी देवी ने पति के पुराने रिकॉर्ड को तोड़ दिया। वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में जगरनाथ महतो को 71128 वोट मिले थे। उन्हें सबसे ज्यादा वोट 2014 में 77984 मिले थे। वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में आजसू को 36840 और भाजपा के उम्मीदवार को 36013 वोट मिले थे। वैसे यहां का मुकाबला काफी टक्कर का रहा। आजसू ने डुमरी विस सीट अपनी झोली में डालने के लिए पूरी ताकत झोंक दी थी लेकिन नतीजे से पार्टी निराश हुई। बेबी देवी की जीत में सबसे बड़ा फैक्टर इलाके के कद्दावर नेता रहे जगरनाथ महतो की लंबी बीमारी के बाद निधन हो जाना रहा। लगातार चार बार निर्विवाद रूप से विधायक और वर्तमान सरकार में मंत्री रहे जगरनाथ महतो को डुमरी की जनता ने इनके श्रद्धांजलि देने का काम किया। पूरे चुनावी प्रचार के दौरान बेबी देवी हाथ जोड़कर अपने पति के नाम पर वोट मांगती रहीं। जनता को उनके काम के बारे में बताती रहीं। पत्नी बेबी देवी और बेटे राजू (अखिलेश) महतो ने हर वो इमोशनल कार्ड खेला, जिससे जीत सुनिश्चित की जा सके और हुआ कुछ ऐसा ही। डुमरी विधानसभा क्षेत्र में मुस्लिम उम्मीदवारों का कुल वोट करीब 28 हजार के पास था, जिसमें एआईएमआईएम के उम्मीदवार अब्दुल मोमिन रिजवी को सबसे ज्यादा वोट करीब 24 हजार मिले थे। पिछली बार की तरह इस बार भी ओवैसी अपने उम्मीदवार का प्रचार करने डुमरी आए थे लेकिन उनके उम्मीदवार की करारी हार हुई। इस बार मुस्लिम वोटरों ने जेएमएम पर भरोसा जताया और खुलकर बेबी देवी के पक्ष में वोट किया। रांची जमीन घोटाले में ईडी के तीन-तीन समन और तमाम तरह की राजनीतिक परेशानियों के बीच हेमंत सोरेन ने डुमरी में जीत के लिए पूरी ताकत झोंक दी। उन्होंने चुनाव से पहले अपने आप को चुनावी मोड में डाला और सरकारी परिसंपत्तियों का खूब वितरण किया। साथ ही भाषणों में टाइगर के नाम से मशहूर जगरनाथ महतो की डुमरी के प्रति लगन और निष्ठा को जनता तक हमेशा पहुंचाने का काम किया। सरकार के सभी मंत्री समेत इंडिया गठबंधन के तमाम विधायक डुमरी में तैनात थे। गिरिडीह सदर विधायक सुदिव्य कुमार सोनू और बेरमो विधायक कुमार जयमंगल उर्फ अनूप सिंह ने भी पूरे चुनाव प्रचार के दौरान डुमरी में ही कैंप कर जीत में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ा। पूरे चुनाव प्रचार में बगोदर विधायक विनोद सिंह ने चुपचाप मतदाताओं के बीच अपनी भूमिका निभाई। झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार के कार्यकाल (2019 से अब तक) में डुमरी विधानसभा क्षेत्र का यह छठा उप चुनाव था। इससे पहले पांच उप चुनाव हो चुके हैं। इनमें चार दुमका, बेरमो, मधुपुर और मांडर उप चुनाव में यूपीए के उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की थी। दुमका से बसंत सोरेन, बेरमो से जयमंगल सिंह उर्फ अनूप सिंह, मधुपुर से हफिजुल हसन और मांडर से शिल्पी नेहा तिर्की ने जीत हासिल की थी। यूपीए से दो सीटों पर झामुमो के उम्मीदवार जीते थे जबकि दो सीटों पर कांग्रेस के उम्मीदवारों ने जीत बरकरार रखी। रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र उप चुनाव से आजसू पार्टी की उम्मीदवार सुनीता देवी ने एनडीए का खाता खोला था।

भ्रष्टाचार और अपराध मुक्त प्रदेश के लिए भाजपा को मजबूत करें: बाबूलाल मरांडी

गिरिडीह, (हि.स.)। संकल्प यात्रा के तीसरे चरण के तहत धनवार में शुक्रवार को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सोरेन पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि संथाल परगना के भोगनाडीह से शुरू हुई संकल्प यात्रा अब जनता के भारी समर्थन से जन संकल्प यात्रा बन चुकी है। साथ ही कहा कि भ्रष्टाचार मुक्त-अपराध मुक्त प्रदेश बनाना है तो झारखंड से हेमंत सरकार को हटाना है और भाजपा को लाना है। उन्होंने कहा कि जिस पुलिस को कानून व्यवस्था ठीक करना था वे हेमंत सरकार के इशारे पर वसूली और हेमंत सरकार के खिलाफ बोलने वालों पर केस करने में व्यस्त है। कोयला, बालू, पत्थर, जमीन की लूट मची है। अंचल ब्लॉक और जिले के सरकारी कार्यालयों में बिना पैसे दिये कोई काम नहीं होता है। सरकारी पदाधिकारियों को मोबाइल रिचार्ज की तरह पद पर बने रहने के लिए हेमंत सरकार को रिचार्ज करना होता है। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार भ्रष्ट अधिकारी, पदाधिकारी की चिंता करते हैं। पौने चार साल में नियुक्ति नहीं हुई है। स्कूल, अस्पताल व अन्य सरकारी कार्यालयों में भारी संख्या में पद रिक्त पड़ा हुआ है। सड़क पुल पुलिया की स्थिति बद से बदतर हो गई है। तीसरी, गांवा की कई सड़कों की स्थिति बदतर है। साथ ही कहा कि हेमंत सरकार टार्गेट कर भाजपा के कार्यकताओं को झूठे केस में फंसा रही है। मरांडी ने कहा कि हेमंत सोरेन ईडी की कार्रवाई से डर कर भाग रहे हैं। हेमंत सरकार दलालों, बिचौलियों को बचाने में व्यस्त है। उन्होंने कहा कि ट्रांसफर पोस्टिंग और योजनाओं में हेमंत सरकार पैसा लेना बंद करे भ्रष्टाचार खुद समाप्त हो जाएगा। हेमंत सोरेन को जनता की चिंता नहीं है। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी ने झारखंड राज्य के सपने को साकार किया था और गांव-गांव सड़क, नदी नालों पर पुल पुलिया और बिजली दिया था। इस प्रदेश को संवारने का कार्य भी भाजपा ही करेगी। उन्होंने 2024 में केंद्र में नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री और झारखंड में भाजपा की सरकार बनाने का संकल्प दिलाया।

बिहार के पू. चंपारण में तालाब में नहाने के दौरान डुबने से तीन बच्चे की मौत

पूर्वी चंपारण, (हि.स.)। बिहार में पू चंपारण जिले के केसरिया प्रखंड में नहाने के दौरान गुरुवार को सगे भाई बहन सहित तीन बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई है। इस घटना के बाद पूरे इलाके में कोहराम मचा हुआ है।परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी है।मिली जानकारी के अनुसार केसरिया प्रखंड स्थित पूर्वी सरोतर पंचायत के वार्ड नंबर 9 भगवतिया (चांद परसा) गांव में देवधारी सिंह के पोखर में नहाने के दौरान डूबने से तीन बच्चों की मौत हो गई। घटना भगवतिया मठ के समीप बने छठ घाट के समीप की बतायी जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही केसरिया थाना अध्यक्ष सुनील सिंह सहित पुलिस बल व केसरिया सीओ प्रवीण कुमार सिन्हा स्थानीय हल्का कर्मचारी,स्थानीय मुखिया वीर बहादुर राम मौके पर पहुंचकर शव को बरामद कर अग्रेतर करवाई में जुटे है। मृतक बच्चों की पहचान अमित सिंह के पुत्री डिंपल कुमारी 6 वर्ष और पुत्र अंकुश कुमार 4 वर्ष के रुप में हुई है। दोनों भाई बहन थे। जब की तीसरे बच्चे की पहचान विनोद पासवान के 7 वर्षीय पुत्र रवि कुमार के रूप में की गई है। तीनों बच्चे भगवतिया गांव के रहने वाले हैं। घटना के बाद में पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। परिवार में चीख पुकार मचा हुआ है। घटना स्थल पर स्थानीय लोगो की भारी भीड़ जुटी है।

राष्ट्रीय लोक अदालत शनिवार 09 सितंबर को, सभी तैयारियां पूरी

कटिहार, (हि.स.)। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष सह जिला एवं सत्र न्यायाधीशहेमंत कुमार त्रिपाठी एवं अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह- सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार, अनिल कुमार राम ने सभी पराविधिक स्वयंसेवकों को अपने-अपने क्षेत्र में जाकर राष्ट्रीय लोक अदालत जागरूकता कार्यक्रम के तहत जानकारी उपलब्ध कराने को कहा है। इस संदर्भ में विधिक स्वयंसेवक पवन कुमार ने लोक अदालत से मिलने वाले मुफ्त कानूनी सलाह सहायता को लेकर बताया कि अगर किसी भी न्यायालय में मुकदमा लंबित है और रुपये पैसे के अभाव में पीड़ितों को न्याय नहीं मिल पा रहा है तो जिला विधिक सेवा प्राधिकार कटिहार निःशुल्क कानूनी सलाह, सहायता, सेवा, तथा वकील और त्वरित न्याय मुहैया करवाती है। आगामी 09 सितंबर को व्यवहार न्यायालय कटिहार में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर सभी तैयारियां पूरी हो गई है। राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने को लेकर पारा विधिक स्वयं सेवक पवन कुमार के द्वारा आम नागरिक को सशक्तिकरण की दिशा में चौक चौराहा एवं कोर्ट परिसर में लोगों को जिला विधिक सेवा प्राधिकार से मिलने वाली मुफ्त कानूनी सुविधाओं के बारे में जानकारी दी जा रही है। पवन कुमार ने बताया की जो भी सुलहनीय वाद-विवाद, श्रम विवाद, बैंक ऋण से संबंधित विवाद, पानी बिल विवाद, वन विभाग से संबंधित विवाद, बिजली बिल विवाद, पारिवारिक विवाद, भूमि विवाद, मोटर दुर्घटना दावा विवाद, शमानीय प्राकृति अपराधिक विवाद, अन्य फौजदारी और दीवानी मामले सुलह समझौता के आधार पर निःशुल्क समस्या का निपटारा किया जाता है, लोक अदालत में वकील फीस और कोर्ट फीस भी नही लगता है, पवन कुमार के द्वारा लोगों से अपील की गयी ज्यादा से ज्यादा संख्या में लोग इस राष्ट्रीय लोक अदालत में शामिल होकर अपनी समस्या का निपटारा करवाये, और अपनी समस्याओं से त्वरित निदान पाएं।

जाति आधारित गणना को लेकर डीएम ने सभी चार्ज अफसर के साथ की वर्चुअल बैठक

- वीसी में सभी बीडीओ, सीओ, ईओ जुड़े रहे

किशनगंज, (हि.स.)। जाति आधारित गणना को लेकर डीएम ने सभी चार्ज अफसर के साथ वर्चुअल बैठक अपने कार्यालय कक्ष से शुक्रवार को किया हैं। इस बैठक में वीसी के माध्यम से सभी चार्ज के वरीय नोडल पदाधिकारी, बीडीओ, सीओ, ईओ जुड़े थे। डीएम ने सभी चार्ज अंतर्गत संपन्न जाति गणना के डाटा को प्रगणक के स्तर से बिजागा एप में प्रविष्टि और पर्यवेक्षक द्वारा सत्यापन करने के कार्य की समीक्षा की गई। मुख्यालय से प्राप्त डाटा में प्रायः सभी चार्ज (ग्रामीण/शहरी) में डाटा सिंक ोनाइजेशन लंबित पाया गया। लगभग सभी पर्यवेक्षक के अधीनस्थ प्रगणक के द्वारा प्रविष्ट डाटा में अंतर पाए जाने पर इसे कैंप मोड में सुधार करवाने का निर्देश दिया गया। डीएम ने बताया कि जाति आधारित गणना के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता पर किया जा रहा है। सभी चार्ज में बिजागा एप पर पर्यवेक्षक का कार्य पूर्ण होने पर ब्लू टिक तथा प्रगणक का डाटा सिंक का कार्य पूर्ण होने पर ब्लू टिक होने पर ही कार्य पूर्ण माना जाएगा। प्रखंड/नगर मुख्यालय में संबंधित कर्मी को बुलाकर कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। डाटा सिंक करने के संबंध में तकनीकी जानकारी आईटी मैनेजर विभाकर मंडल के द्वारा साझा किया गया। डीएम श्रीकांत शास्त्री ने बताया कि अगले सप्ताह से सभी चार्ज में किए गए कार्य का 5% परिवार का रेंडमली सत्यापन करवाया जाना है। इस हेतु विहित प्रपत्र सभी चार्ज अफसर को दिए गए एवं तदनुसार तैयारी करने का निर्देश दिया गया है। बैठक में सभी वरीय नोडल पदाधिकारी भी उपस्थित थे, उनके स्तर से उक्त कार्य का अनुश्रवण का निर्देश दिया गया है।

संपादकीय

परिवहन का ब्रांड हिमाचल

हिमाचल में सड़क परिवहन का विस्तृत स्वरूप यहां की उम्मीदों को परवान चढ़ाता है और इसीलिए किसी भी परिवहन मंत्री के आजू बाजू प्रगति का एक संसार बसता रहा है। उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने पुनः सड़क परिवहन के खाके में सरकारी बसों की पेशकश में कुछ इजाफा किया है। शक्ति पीठों के लिए 15 फीसदी कम किराए पर बसें उपलब्ध करवा कर एक ऐसी परिकल्पना कर रहे हैं, जो पर्यटन के पहलू को तसदीक करता है। पर्यटन, परिवहन तथा कला संस्कृति विभाग अगर एक दूसरे के साथ मिलकर समन्वित योजनाएं बनाएं तो बिखरी हुई क्षमताओं का जोड़ सशक्त होगा। कहना न होगा कि हिमाचल के पर्यटन को सड़क परिवहन की दृष्टि से मजबूत करें, तो कई परिकल्पनाएं अपना काम करेंगी। उदाहरण के लिए, धार्मिक पर्यटन की जिम्मेदारी में एचआरटीसी खुद में सैलानियों को ढोने का जज्बा पैदा करे, तो न केवल बहारी श्रद्धालु हिमाचल आने के लिए सरकारी बसों की सुविधा में अपना कार्यक्रम बनाएंगे, बल्कि प्रदेश के लोगों के लिए भी राष्ट्र दर्शन के कई रूट सुविधाजनक होंगे। चिंतपूर्णी से राजस्थान के खाटू श्याम तथा नादौन-वृंदावन जैसे रूट ऐसी ही पर्यटन परिकल्पना का मार्ग प्रशस्त करते हैं। एचआरटीसी को दिल्ली व चंडीगढ़ में अपने अलग से डिपो विकसित करके इनका पर्यटन परिवहन डिपो के रूप में संचालन करना चाहिए। परिवहन की एक परिधि अगर पड़ोस के पर्यटन केंद्रों से जुड़े, तो न केवल एचआरटीसी बसें पर्यटन ब्रांड बन सकती हैं, बल्कि अपने साथ निजी बसों के नेटवर्क को जोड़कर ब्रांड हिमाचल को भी मजबूत करेंगी। प्रदेश में पर्यटन की खोज में निजी वोल्वो बसों की अहमियत को नजरअंदाज करने के बजाय इन्हें किसी न किसी रूप से एचआरटीसी की व्यवस्था से जोड़ना होगा। या तो एचआरटीसी की अंतरराज्यीय बसें निजी कंपनियों के सहयोग से अपनी मार्केटिंग का ढर्रा बदलें या निजी वोल्वो बसों की प्रणाली से सीखते हुए फ्लीट संचालन में परिवर्तन लाए। प्रमुख सड़कों पर एचआरटीसी व हिमाचल पर्यटन को मिल कर हाई-वे टूरिज्म के ऐसे पक्ष को नया मोड़ देना चाहिए, जिससे आने वाले सैलानियों के लिए मंजिलें बढ़ सकती हैं। इसी तरह चंडीगढ़- दिल्ली के बीच किसी केंद्रीय स्थल पर एचआरटीसी पर्यटकों व यात्रियों की सुविधा के लिए रिजार्ट व विश्राम स्थल बनाएं, लेकिन इसी के साथ हिमाचल को क्षेत्रीय परिवहन का नेतृत्व करते हुए पंजाब-पेप्सू रोडवेज, सीटीयू और हरियाणा रोडवेज को बदले में हिमाचल के मुख्य मार्गों पर ऐसे ही रिजार्ट एवं विश्राम स्थल विकसित करने को योजना लानी चाहिए। हिमाचल पथ परिवहन को अंतरराज्यीय मार्गों के अलावा राज्य के भीतर भी खुद को पर्यटन परिवहन की जरूरतों में पारंगत करना होगा। मसलन प्रदेश के धार्मिक स्थलों को जोड़ते हुए विभिन्न पर्यटक क्षेत्रों से देवी दर्शन बसें व प्रमुख पर्यटक स्थलों पर साइट सींइग के लिए एचआरटीसी अपनी क्षमता व निरंतरता से माहौल में परिवर्तन ला सकती है। प्रदेश के तीन हवाई अड्डों पर आ रही उड़ानों की सफलता के लिए सैलानियों की ग्राउंड हैंडलिंग में एचआरटीसी को शिमला से जुब्बलहट्टी, मकलोडगंज से गगल तथा मनाली से भुंतर एयरपोर्ट्स के लिए पूर्व निर्धारित किराए पर बस सेवाएं शुरू करनी चाहिए। शिमला से दिल्ली-धर्मशाला उड़ानों की सफलता के लिए एचआरटीसी की ऐसी सेवा उल्लेख का काम करेगी। इसी के साथ चंडीगढ़, अमृतसर और दिल्ली हवाई अड्डों के लिए हिमाचल के प्रमुख स्थलों से सीधी वोल्वो बसें शुरू करने की जरूरत है। अंब-अंदौरा से शुरू हुई वंदे भारत ट्रेन सुविधा में एचआरटीसी अपनी क्षमता बढ़ाने के लिए, मकलोडगंज, हमीरपुर व अन्य शहरों से बस सेवाएं जोड़कर इसे ट्रैवल सर्किट के रूप में प्रचारित कर सकती है।

> प्रदेश में पर्यटन की खोज में निजी वोल्वो बसों की अहमियत को नजरअंदाज करने के बजाय इन्हें किसी न किसी रूप से एचआरटीसी की व्यवस्था से जोड़ना होगा। या तो एचआरटीसी की अंतरराज्यीय बसें निजी कंपनियों के सहयोग से अपनी मार्केटिंग का ढर्रा बदलें या निजी वोल्वो बसों की प्रणाली से सीखते हुए फ्लीट संचालन में परिवर्तन लाए। प्रमुख सड़कों पर एचआरटीसी व हिमाचल पर्यटन को मिल कर हाई-वे टूरिज्म के ऐसे पक्ष को नया मोड़ देना चाहिए, जिससे आने वाले सैलानियों के लिए मंजिलें बढ़ सकती हैं। इसी तरह चंडीगढ़- दिल्ली के बीच किसी केंद्रीय स्थल पर एचआरटीसी पर्यटकों व यात्रियों की सुविधा के लिए रिजार्ट व विश्राम स्थल बनाएं, लेकिन इसी के साथ हिमाचल को क्षेत्रीय परिवहन का नेतृत्व करते हुए पंजाब-पेप्सू रोडवेज, सीटीयू और हरियाणा रोडवेज को बदले में हिमाचल के मुख्य मार्गों पर ऐसे ही रिजार्ट एवं विश्राम स्थल विकसित करने को योजना लानी चाहिए। हिमाचल पथ परिवहन को अंतरराज्यीय मार्गों के अलावा राज्य के भीतर भी खुद को पर्यटन परिवहन की जरूरतों में पारंगत करना होगा। मसलन प्रदेश के धार्मिक स्थलों को जोड़ते हुए विभिन्न पर्यटक क्षेत्रों से देवी दर्शन बसें व प्रमुख पर्यटक स्थलों पर साइट सींइग के लिए एचआरटीसी अपनी क्षमता व निरंतरता से माहौल में परिवर्तन ला सकती है। प्रदेश के तीन हवाई अड्डों पर आ रही उड़ानों की सफलता के लिए सैलानियों की ग्राउंड हैंडलिंग में एचआरटीसी को शिमला से जुब्बलहट्टी, मकलोडगंज से गगल तथा मनाली से भुंतर एयरपोर्ट्स के लिए पूर्व निर्धारित किराए पर बस सेवाएं शुरू करनी चाहिए।

लोकप्रतिनिधित्व कानून 1951 के तहत चुनाव आयोग भारत में चुनाव कराता है

रेवड़ियां बांटने की राजनीति देश के लोकतंत्र का बड़ा नुकसान कर रही है

ललित गर्ग

लोकसभा एवं पांच प्रांतों में विधानसभा चुनाव सन्निकट है, जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आते जा रहे हैं, हैसियत से आगे निकलकर राजनीतिक दल जनता को मुफ्त की रेवड़ियां एवं सुविधाएं देने के लिए वादों का पिटारा खोलते जा रहे हैं, चुनाव सुधार की दिशा में सार्थक कदम इन चुनावों में भी उठते हुए दिखाई नहीं दे रहे हैं, जिताऊ उम्मीदवार अब भी राजनीतिक दलों की चुनाव प्रक्रिया पर हावी है, धनबल एवं बाहुबल का ही वर्चस्व एक बार फिर देखने को मिले, तो कोई आश्चर्य नहीं है। योग्यता और उपलब्धियां एक बार फिर हवा होगी। प्रश्न है कि चुनाव सुधार की प्रक्रिया कब मजबूती से आगे बढ़ेगी, चुनाव जनतंत्र की जीवनी शक्ति है। यह राष्ट्रीय चरित्र का प्रतिबिम्ब होता है। जनतंत्र के स्वस्थ मूल्यों को बनाए रखने के लिए, चुनाव की स्वस्थता, पारदर्शिता और उसकी शुद्धि अनिवार्य है। चुनाव की प्रक्रिया गलत होने पर लोकतंत्र की जड़ें खोखली होती चली जाती हैं। चुनाव प्रक्रिया महंगी एवं धन के वर्चस्व वाली होने से विसंगतिपूर्ण एवं लोकतंत्र की आत्मा का हनन करने वाली हो जाती है।

करोड़ों रुपए का खर्चीला चुनाव, अच्छे लोगों के लिये जनप्रतिनिधि बनने का रास्ता बन्द करता है और धनबल एवं धंधेबाजों के लिये रास्ता खोलता है। हाल के वर्षों में चुनाव सुधार की दिशा में जितने भी कदम उठे हैं, उनमें राजनीतिक दलों की बजाय सर्वोच्च न्यायालय की सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका रही है या फिर चुनाव आयोग की। लोकप्रतिनिधित्व कानून 1951 के तहत चुनाव आयोग भारत में चुनाव कराता है। साल 1990 में जब टीएन शेषन देश के मुख्य निर्वाचन आयुक्त बनाए गए तो उन्होंने चुनाव सुधारों की दिशा में वे कदम उठाए, जो असंभव समझे जाते थे। शेषन चुनाव-सुधार के प्रेरक बने एवं उन्होंने क्रांतिकारी कदम उठाते हुए पहली बार देश को अहसास कराया कि चुनाव आयोग नामक कोई दमदार संस्था भी होती है, जो चाहे तो बंदूकों के दम पर बूथ लूटने वाले आपराधिक तत्वों पर लगाम लगा सकती है। तभी पता चला कि चुनावी प्रशासन कितना कठोर और अनुशासनबद्ध हो सकता है।

शेषन के बाद चुनाव आयोग सक्रिय हुआ है, लेकिन शेषन जैसे प्रभावी कदम उठाने की कमी अब भी दिखाई दे रही है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी के अरविन्द केजरीवाल, मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान एवं राजस्थान में अशोक गहलोत सरकारों ने मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की झड़ी लगा रखी है। धनबल एवं बाहुबल के बाद

इन वर्षों में सर्वाधिक मुफ्त सुविधाएं देने की घोषणाएं समूची लोकतांत्रिक प्रणाली को दूषित करने का सबब बन रही है। इस तरह की बुराई एवं विकृति को देखकर आंख मूंदना या कानों में अंगुलियां डालना जनता की राष्ट्र के प्रति उदासीनता का द्योतक है, जरूरत इसके विरोध में व्यापक जनचेतना को जगाने की है। यह समस्या या विकृति किसी एक प्रांत की नहीं, बल्कि समूचे राष्ट्र की लोकतांत्रिक समस्या है।

साल 2015 में चुनाव आयोग ने अपनी चुनावी गाइड लाइन में कहा था कि राजनीतिक दल चुनावी मैदान में उतरते वक्त मतदाताओं से जो वादे करते हैं, उन्हें यह भी बताना होगा कि किस स्रोत से सत्ता में आने के बाद उन्हें पूरा करेंगे। ऐसी गाइड लाइन का पालन कहां होता है? आम चुनाव एवं पांच राज्यों में होने जा रहे विधानसभा चुनावों के मद्देनजर चुनाव आयोग को चाहिए कि कम से कम इस बार अपने दिशा-निर्देशों को सख्ती से लागू करे। चूंकि राजनीति में सेवा अब ज्यादातर दिखावटी हो गई है, मकसद व्यक्तिगत और दलगत दोनों स्तरों पर सिर्फ सत्ता प्राप्ति ही रह गया है। मुफ्त की रेवड़ियां बांटने या अतिश्योक्तिपूर्ण सुविधाओं की घोषणाएं करने के पीछे भी मकसद यही है। इस पूरी प्रक्रिया में अंततः नुकसान जनता को ही होता है। तरह-तरह के नये टैक्स और महंगाई के बोझ से आखिर जनता ही दबती है। अब जरूरी हो गया है कि साल 2015 के अपने ही दिशा-निर्देश को कड़ाई से लागू करने की दिशा में चुनाव आयोग आगे बढ़े। राजनीतिक दल जनता को बताएं कि जो वादे वे कर रहे हैं उन्हें किस स्रोत से पूरा करेंगे। तब मतदाता भी फायदा या नुकसान समझ पाएगा। तब शायद वोट देते वक्त वह अपने विवेक पर भरोसा करने की दिशा में भी आगे बढ़ना शुरू कर सकेगा।

चुनावों में धनबल का बढ़ता प्रयोग एवं मुफ्त रेवड़ियां बांटने का दूषित एवं पूर्वाग्रहपूर्ण प्रचलन चिन्ता का सबब होना चाहिए। बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, चौपट काम-धंधे एवं जीवन संकट के समाधान में क्या पांच राज्यों के विधानसभा एवं अगले वर्ष होने वाले आम चुनाव कोई आदर्श प्रस्तुत कर पायेंगे? इस बात का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है, जो लोग चुनाव जीतने के लिए इतना अधिक खर्च कर सकते हैं तो वे जीतने के बाद क्या करेंगे, पहले अपनी जेब को भरेंगे, आम जनता पर आर्थिक दबाव बनायेंगे। और मुख्य बात तो यह है कि यह सब पैसा आता कहां से है? कौन देता है इतने रुपये? धनाढ्य अपनी तिजोरियां तो खोलते ही हैं, कई कम्पनियां हैं जो इन सभी चुनावी दलों एवं उम्मीदवारों को पैसे देती हैं, चंदे के रूप में। चन्दा के नाम पर यदि किसी बड़ी कम्पनी ने धन दिया है तो वह सरकार की नीतियों में हेरफेर करवा कर लगाये गये धन से कई गुणा वसूल लेती है। इसीलिये वर्तमान की भारतीय राजनीति में धनबल का प्रयोग चुनाव में बड़ी चुनौती है।

यथार्थ में देखा जाए तो जनतंत्र अर्थतंत्र बनकर रह जाता है, जिसके पास जितना अधिक पैसा होगा, वह उतने ही अधिक वोट खरीद सकेगा। सभी दल पैसे के दम पर चुनाव जीतना चाहते हैं, जनता से जुड़े मुद्दों एवं समस्याओं के समाधान के नाम पर नहीं। कोई भी ईमानदारी और सेवाभाव के साथ चुनाव नहीं लड़ना चाहते हैं। राजनीति के खिलाड़ी सत्ता की दौड़ में इतने व्यस्त है कि उनके लिए विकास, जनसेवा, सुरक्षा, महामारियां, आतंकवाद, बेरोजगारी, महंगाई की बात करना व्यर्थ हो गया है। सभी पार्टियां जनता को गुमराह करती नजर आती हैं। सभी पार्टियां नोट के बदले वोट चाहती हैं। राजनीति अब एक व्यवसाय बन गई है। सभी जीवन मूल्य बिखर गए हैं, धन तथा व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए सत्ता का अर्जन सर्वोच्च लक्ष्य बन गया है, बात चाहे विधानसभा चुनावों की हो या लोकसभा चुनाव की।

लेकिन इस तरह लोकतंत्र की आत्मा का ही हनन होता है, इस सबसे उन्नत एवं आदर्श शासन प्रणाली पर अनेक प्रश्नचिन्ह खड़े होते हैं। आगामी चुनावों की सबसे बड़ी विडम्बना एवं विसंगति भी जो सामने आने वाली है वह यह है कि चुनाव आर्थिक विषमता की खाई को पाटने की बजाय बढ़ाने वाले साबित होंगे। क्योंकि ये चुनाव अब तक के सर्वाधिक खर्चीले होने जा रहे हैं, इन चुनावों से पहले जिस तरह की सुविधाएं दी जा रही हैं या देने की घोषणाएं की जा रही हैं, वे नयी बनने वाली सरकारों के लिये बड़ी चुनौती होंगी। संभव है ऐसी अतिश्योक्तिपूर्ण घोषणाएं एवं मुफ्त रेवड़ियां बांटने वाले दलों की सरकारें बन भी जाये।

> चुनाव सुधार की दिशा में सार्थक कदम इन चुनावों में भी उठते हुए दिखाई नहीं दे रहे हैं, जिताऊ उम्मीदवार अब भी राजनीतिक दलों की चुनाव प्रक्रिया पर हावी है, धनबल एवं बाहुबल का ही वर्चस्व एक बार फिर देखने को मिले, तो कोई आश्चर्य नहीं है। योग्यता और उपलब्धियां एक बार फिर हवा होगी। प्रश्न है कि चुनाव सुधार की प्रक्रिया कब मजबूती से आगे बढ़ेगी, चुनाव जनतंत्र की जीवनी शक्ति है।

पहाड़ों की स्थिरता को विकास की चुनौती

'स्थावराणां हिमालयः', इस प्रसंग का उल्लेख श्रीमद्भागवद्गीता के दशवें अध्याय के 25वें श्लोक में हुआ है। इसमें 'श्रीकृष्ण' ने कहा है कि 'मैं स्थिर रहने वालों में हिमालय हूं'। सुखमय जीवन के लिए वेदों में हिमालय की आराधना का उल्लेख भी हुआ है। महाकवि कालीदास ने अपने महाकाव्य 'कुमारसंभव' में हिमालय को 'धरती का मानदंड' तथा 'दुनिया की छत व आश्रय' बताया था। अनादिकाल से पहाड़ आध्यात्मिक चेतना की पुण्यभूमि रहे हैं। प्रकृति के प्रबल उपासक रहे कई ऋषि मुनियों की तपोस्थली, भक्ति व अनुसंधान का केन्द्र पर्वतराज हिमालय ही रहा है। मगर बढ़ती प्राकृतिक आपदाएं व अंधाधुंध निर्माण कार्य पहाड़ों की स्थिरता को चुनौती पेश कर रहे हैं। सैकड़ों धार्मिक स्थलों के अलावा कई वैदिक ऋषियों के सदियों पुराने आश्रम आज भी देवभूमि हिमाचल के पहाड़ों पर मौजूद हैं। पौराणिक ग्रंथों में 'मरूतगणों' को पहाड़ों का देवता कहा गया है। इसीलिए सनातन संस्कृति में पहाड़ों को आस्था की दृष्टि से देखा जाता है। जन्नत का एहसास कराने वाले पहाड़ों पर प्राकृतिक संसाधनों के अथाह भंडार मौजूद हैं। भागदौड़ भरी जीवनशैली में सुकून के लम्हें बिताने के लिए पर्यटकों का आकर्षण पहाड़ ही बनते हैं। अपनी सैकड़ों पारंपरिक संस्कृतियों को समेटे पहाड़ आध्यात्मिक मूल्यों, शांतिपूर्ण माहौल, स्वच्छ वातावरण तथा स्वस्थ जीवनशैली के लिए भी विख्यात हैं। कई प्रजातियों के वन्यजीवों व जंगली जानवरों का कुदरती आशियाना भी पहाड़ हैं। अपनी मजबूती व बुलंदी के लिए विख्यात पहाड़ों का सामरिक महत्व बेहद अहम है। देश रक्षा के मद्देनजर पहाड़ सरहदों के पासबां बनकर एक मजबूत सेना व मुस्तैद सैनिक का किरदार भी अदा करते हैं। सन् 1962 की भारत-चीन जंग में हिमाचल के पहाड़ चीन की पेशकदमी के आगे अभेद्य रक्षा कवच बन गए थे। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े कई राष्ट्रीय राजमार्ग पर्वतीय क्षेत्रों से होकर गुजरते हैं, लेकिन मौजूदा दौर में हिमालय की आगोश में बसे हिमाचल के पहाड़ों पर रंजो-गम की स्याही सूखने का नाम नहीं ले रही है। बीते कुछ वर्षों से भौतिकतावादी प्रवृत्ति तथा विकास का नकाब ओढ़ चुकी व्यवस्था की पहाड़ों के साथ एक जद्दोजहद चल रही है। आधुनिक मशीनीकरण के प्रहारों से पर्यावरण के दोहन के साथ प्राकृतिक संसाधनों का वजूद मिटाकर तथा बारूदी धमाकों से पहाड़ों को गिराकर निर्माण कार्यों में मशगूल व्यवस्था जब कुछ हद तक कामयाबी हासिल कर लेती है तो प्रकृति विनाश के उस खेल को चहुंमुखी विकास की संज्ञा दी जाती है। परन्तु प्रकृति जब विकराल रूप धारण करके पलटवार करती है तो व्यवस्थाओं की नाकामी तथा इनसानी गुस्ताखियों को छुपाने के लिए कुदरत के आक्रोश भरे परिणाम को प्राकृतिक आपदा कहा जाता है। पहाड़ों की खूबसूरती को इस आधुनिक विकास की नजर लग चुकी है। मशीनीकरण का यही आत्मघाती विकास

पर्वतों के दरकने का नुक्ता-ए-आगाज साबित हो रहा है। हर दरकते पहाड़ की तहरीर एक अफसोसजनक अफसाना लिख रही है। पहाड़ हादसों की वजह बन रहे हैं। निर्माण कार्यों में बरती जा रही लापरवाही से उपजी दुर्घटनाओं का खामियाजा आम लोग भुगत रहे हैं। भौतिक विकास के खुमार में प्रकृति के सिद्धांतों को नजरअंदाज करना आपदाओं को दावत साबित हो रहा है। लाखों आबादी की प्यास बुझाने वाली कई मुकद्दस नदियों का उद्गम स्थल भी हिमालय की पर्वत श्रृंखलाओं में मौजूद है। कई पड़ोसी राज्यों को रौशन करने वाली पनबिजली परियोजनाएं हिमाचल के पहाड़ों पर चल रही हैं। सैकड़ों लोगों की आजीविका बन चुके पर्यटन उद्योग के अलावा पैराग्लाइडिंग, एडवेंचर व ट्रैकिंग जैसी गतिविधियों का संचालन भी पहाड़ों पर होता है। देश के कुछ पर्यावरणविदों की कोशिशों से उत्तराखंड राज्य में नौ सितंबर 2010 को 'हिमालय दिवस' मनाने की शुरुआत हुई थी ताकि पहाड़ों के संरक्षण की जागरूकता के लिए लोगों का ध्यान आकर्षित किया जा सके। पहाड़ों की अहमियत को समझते हुए 'संयुक्त राष्ट्र महासभा' ने ग्यारह दिसंबर का दिन 'अंतरराष्ट्रीय पर्वत दिवस' के रूप में मुकर्रर किया है। पेड़-पौधे जंगल व बर्फ से ढकी हसीन वादियों, पहाड़ों का श्रृंगार होते हैं। मगर बेतरतीब तरीके से बढ़ रहा शहरीकरण, धुआं उगलते उद्योग तथा गगनचुंबी मीनारों का अंधाधुंध निर्माण विकास कार्यों का पैमाना बनकर पहाड़ों की जीनत बन रहे हैं। पहाड़ों पर पर्यटकों की भारी भीड़ के साथ बढ़ती आबादी का बोझ, भूस्खलन, सैलाब जैसी चुनौतियों के साथ इनसानी दखलअंदाजी से प्रकृति के हो रहे खिलवाड़ तथा अनियोजित विकास के कहर से पहाड़ बिखर रहे हैं। हाल ही में जोशीमठ के दरकते पहाड़ों की आपदा ने जो पैगाम दिया था, उसे भी गंभीरता से नहीं लिया गया। अतः पहाड़ों का दिलशाद चेहरा बिगाड़ने वाले अंधाधुंध विकास कार्यों पर पर्यावरणविदों की हिदायतों को अमल में लाना होगा। पहाड़ों पर निर्माण कार्यों की संगे बुनियाद से पूर्व भू-वैज्ञानिकों से गहन मशविरा होना चाहिए। पहाड़ों पर निवास करने वाले समस्त जीव-जन्तु व मानव सभ्यता की सुरक्षा के लिए आधुनिक विकास से पहले पहाड़ों का सुरक्षित रहना जरूरी है। स्मरण रहे इनसानी ऐब-ओ-हुनर को खामोशी से देखने वाली कुदरत अपने स्वाभिमान का नेतृत्व खुद करती है। प्रकृति अपने साथ हो रहे खिलवाड़ का एहतेजाज लफ्जों से नहीं करती, बल्कि एक निश्चित वक्त पर आईने की तरह चेहरे की कैफियत को पूरी तफसील से ब्यान करती है। विनाश को अंजाम देने वाले निर्माण कार्यों की सख्त मुखालफत होनी चाहिए। अवैध खनन व अतिक्रमण तथा दिशाहीन निर्माण का शिकार हो रहे पहाड़ों पर भूस्खलन स्थलों की बढ़ती तादाद के कारणों पर वैज्ञानिक मंथन की जरूरत है।

> प्रकृति के प्रबल उपासक रहे कई ऋषि मुनियों की तपोस्थली, भक्ति व अनुसंधान का केन्द्र पर्वतराज हिमालय ही रहा है। मगर बढ़ती प्राकृतिक आपदाएं व अंधाधुंध निर्माण कार्य पहाड़ों की स्थिरता को चुनौती पेश कर रहे हैं। सैकड़ों धार्मिक स्थलों के अलावा कई वैदिक ऋषियों के सदियों पुराने आश्रम आज भी देवभूमि हिमाचल के पहाड़ों पर मौजूद हैं। पौराणिक ग्रंथों में 'मरूतगणों' को पहाड़ों का देवता कहा गया है। इसीलिए सनातन संस्कृति में पहाड़ों को आस्था की दृष्टि से देखा जाता है। जन्नत का एहसास कराने वाले पहाड़ों पर प्राकृतिक संसाधनों के अथाह भंडार मौजूद हैं। भागदौड़ भरी जीवनशैली में सुकून के लम्हें बिताने के लिए पर्यटकों का आकर्षण पहाड़ ही बनते हैं। अपनी सैकड़ों पारंपरिक संस्कृतियों को समेटे पहाड़ आध्यात्मिक मूल्यों, शांतिपूर्ण माहौल, स्वच्छ वातावरण तथा स्वस्थ जीवनशैली के लिए भी विख्यात हैं।

देश दुनीया से

जाति व्यवस्था के अंदर व बाहर का समाज

भारत में वर्ण संकल्पना एवं जाति आधारित समाज व्यवस्था बहुत पुरानी है। वर्ण संकल्पना का उल्लेख तो इतिहास के वैदिक काल से ही मिलना शुरू हो जाता है। उसी को ब्रिटिश शासन काल में जाति कहा जाने लगा। लेकिन क्या यह व्यवस्था पूरे भारतीय या हिन्दू समाज को अपनी लपेट में ले सकी? कोई व्यवस्था किसी प्रकार की भी हो, किसी समाज का ताना बाना कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो, लेकिन किसी भी व्यवस्था को पूरे समाज में लागू करना हिन्दुस्तान जैसे विशाल देश में सम्भव नहीं है। दूसरे हिन्दू/भारतीय समाज के सामाजिक विधि विधान, रीति रिवाज, पूजा पद्धति, खानपान सारे देश में एक जैसे नहीं हैं। ऐसा हो भी नहीं सकता। यह हिन्दू/भारतीय समाज की भीतरी शक्ति का प्रतीक है। यही कारण है कि जाति व्यवस्था इतिहास के किसी भी कालखंड में पूरे हिन्दू समाज को आच्छादित नहीं कर सकी। उत्तर व पूर्वी भारत में ही गुज्जर, गोंड, सन्थाल इत्यादि समुदाय जाति व्यवस्था के बाहर हैं। मणिपुर में कूकी, नागा समुदाय जाति व्यवस्था के घेरे में नहीं आते। मेघालय के गारो, खासी व जयन्तिया समुदाय ने अपनी सामाजिक संरचना जाति के आधार पर नहीं बनाई। अरुणाचल में आदी, मिशमी, शेरदुकपेन इत्यादि अनेक समुदाय जाति व्यवस्था से बाहर हैं। सिक्किम के लेप्चा, भुटिया, त्रिपुरा के जमातिया समुदाय की सामाजिक संरचना जाति आधारित नहीं है। इसलिए यह कहना कि पूरे हिन्दू समाज की सामाजिक संरचना जाति पर आधारित है, ठीक नहीं होगा। लेकिन आज के समाजशास्त्री अपना पहला पाठ ही यहां से शुरू करते हैं कि भारतीय/हिन्दू समाज की सामाजिक व्यवस्था जाति पर आधारित है। डा. भीमराव अंबेडकर भी जब हिन्दुओं की चर्चा करते हैं तो वे हिन्दू समाज के उसी हिस्से की चर्चा करते हैं जिसकी सामाजिक संरचना जाति व्यवस्था पर आधारित है। उस सामाजिक जाति व्यवस्था में वे अस्पृश्य समाज के साथ किए जा रहे दुव्यवहार पर चिन्ता प्रकट करते हैं। वे जानते हैं कि भारतीय/हिन्दू समाज का बहुत बड़ा भाग इस जाति व्यवस्था को ही स्वीकार नहीं करता। हिन्दू समाज की सामाजिक संरचना जाति व्यवस्था पर आधारित नहीं है, बल्कि हिन्दू समाज के एक हिस्से की सामाजिक संरचना जाति व्यवस्था पर आधारित है। यह प्रश्न समाज शास्त्र के लिहाज से बहुत महत्वपूर्ण है। इस अध्ययन में भारतीय और हिन्दू शब्द को समानार्थक माना गया है। इसलिए, जरूरी है कि सबसे पहले हिन्दू शब्द की अवधारणा को स्पष्ट कर लिया जाए। जब हिन्दू शब्द का प्रयोग किया जाता है तो उससे क्या अभिप्राय है? क्या यह मजहब सूचक है, राज्य सूचक है या राष्ट्रीयता सूचक है? वर्तमान में हिन्दू को इस्लाम मजहब और ईसाई मजहब के समकक्ष माना जाता है। यानी जिस प्रकार इस्लाम और ईसाई मजहब हैं, उसी प्रकार एक मजहब हिन्दू है। अंग्रेजी भाषा का प्रयोग करने वाले मजहब का अनुवाद रिलीजन करते हैं। लेकिन क्या सचमुच हिन्दू भी एक मजहब है? इसके लिए सबसे पहले मजहब को समझ लिया जाए। मजहब में तीन तत्व ऐसे हैं, जिनके बिना किसी भी मजहब की कल्पना नहीं की जा सकती। पहली शर्त है उसका कोई संस्थापक हो। इस्लाम पंथ के संस्थापक हजरत मोहम्मद थे। इसी प्रकार ईसाई पंथ के संस्थापक ईसा थे। यदि मजहबों की इस सूची में यहूदी पंथ को भी शामिल कर लिया जाए तो इन सभी पंथों के पितामह अब्राहम थे। यही कारण है कि इन तीनों को संयुक्त रूप से अब्राहम रिलीजन भी कहा जाता है। मजहब या रिलीजन की दूसरी शर्त है कि उसकी कोई पवित्र किताब हो जिस पर सभी आस्था रखते हों और उसे अंतिम ग्रन्थ माना जाता हो, यानी इस ग्रन्थ में जो लिखा गया है वही अंतिम सत्य है, यह अटल है। यहूदी मजहब के उपासकों की पवित्र किताब ओल्ड टैस्टामैंट है, ईसाई मत के उपासकों की पवित्र किताब बाइबल या न्यू टैस्टामैंट है। वैसे वे ओल्ड टैस्टामैंट को भी मान्यता देते हैं।

> मणिपुर में कूकी, नागा समुदाय जाति व्यवस्था के घेरे में नहीं आते। मेघालय के गारो, खासी व जयन्तिया समुदाय ने अपनी सामाजिक संरचना जाति के आधार पर नहीं बनाई। अरुणाचल में आदी, मिशमी, शेरदुकपेन इत्यादि अनेक समुदाय जाति व्यवस्था से बाहर हैं। सिक्किम के लेप्चा, भुटिया, त्रिपुरा के जमातिया समुदाय की सामाजिक संरचना जाति आधारित नहीं है। इसलिए यह कहना कि पूरे हिन्दू समाज की सामाजिक संरचना जाति पर आधारित है, ठीक नहीं होगा। लेकिन आज के समाजशास्त्री अपना पहला पाठ ही यहां से शुरू करते हैं कि भारतीय/हिन्दू समाज की सामाजिक व्यवस्था जाति पर आधारित है।

कुछ अलग

संसद सत्र एजेंडे के बिन

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के कार्यालय और प्रवक्ता का कहना है कि संसद का सत्र 18-22 सितंबर को बुलाया गया है, लेकिन संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी समेत कई मंत्री और पार्टी प्रवक्ता इसे 'विशेष सत्र' करार दे रहे हैं। यह राष्ट्रपति के कथन और निर्णय में 'अतिक्रमण' है और महामहिम तथा केंद्र सरकार के बीच विरोधाभास भी है। हमने यह स्थिति पहली बार देखी और महसूस की है। विपक्ष में सोनिया गांधी और 'इंडिया' गठबंधन के नेताओं का भी मानना है कि सरकार ने संसद के 'विशेष सत्र' का निर्णय मनमुताबिक लिया है। विपक्ष को विश्वास में नहीं लिया गया। दरअसल भारत सरकार के परामर्श पर ही राष्ट्रपति ने संसद सत्र आहूत किया है। बहरहाल इस असमंजस से बाहर निकलते हुए हम मानते हैं कि पांच दिन का संसद सत्र बुलाया गया है। यदि यह 'विशेष सत्र' है, तो कमोबेश मोदी सरकार को स्पष्ट करना चाहिए था कि किस 'विशेषता' के तहत यह सत्र बुलाया गया है, जबकि मानसून सत्र 11 अगस्त को ही 'अनिश्चितकाल के लिए स्थगित' किया गया था। संसद का शीतकालीन सत्र भी नवम्बर के अंत अथवा दिसंबर के शुरू में बुलाया जाता है। उस दौरान कुछ राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं, लिहाजा राजनीतिक दलों के केंद्रीय नेता भी चुनाव-प्रचार में व्यस्त होंगे। क्या इसी के मद्देनजर यह 'विशेष सत्र' बुलाया गया है? क्या शीतकालीन सत्र नहीं होगा? इन सवालों के संदर्भ में कहा जा सकता है कि संपूर्ण सत्र की तुलना में पांच दिवसीय सत्र पर्याप्त नहीं होता, क्योंकि विधायी कार्य लटके रहेंगे! चूंकि प्रस्तावित सत्र में 'शून्यकाल' और 'प्रश्नकाल' सरीखी संवैधानिक व्यवस्थाओं को अनुपस्थित रखा गया है, लिहाजा सवाल उठता है कि क्या सत्र वाकई 'विशेष' है? यदि ऐसा है, तो उसका विशेष एजेंडा सार्वजनिक करने में दिक्कत क्या है? यह भी परंपरा रही है कि कोई विधेयक पेश करने से पहले कमोबेश विपक्ष के सदनीय नेताओं को मसविदा जरूर मुहैया कराया जाता रहा है, ताकि उसका समुचित अध्ययन वे कर सकें और संसद में अपने संशोधन पेश कर सकें। 'विशेष सत्र' का एजेंडा गोपनीय अथवा सनसनीखेज बनाने के लाभ क्या हैं? उससे सरकार की कौन-सी खुफियागीरी खंडित होगी? यदि 'विशेष सत्र' में 'एक देश, एक चुनाव' या 'महिला आरक्षण बिल' अथवा 'भारत नामकरण' सरीखे प्रस्ताव पेश किए जाने हैं, तो इनमें 'विशेष जल्दबाजी' की जरूरत क्या थी कि विशेष सत्र आनन-फानन में बुलाना पड़ा? यदि सरकार 'चंद्रयान-3', 'आदित्य एल-1' और 'जी-20 शिखर सम्मेलन' सरीखी अमृत-काल की उपलब्धियों पर संसद का 'शाबाश प्रस्ताव' पारित कराना चाहती है, तो इस कार्य-सूची को सार्वजनिक करने में परेशानी क्या है? कौन-सी गोपनीयता भंग हो सकती है? दरअसल मोदी सरकार की यह प्रवृत्ति बन गई है कि वह अत्यंत सामान्य फैसले को भी सनसनीखेज बना कर पेश करती है। प्रधानमंत्री मोदी के 'मन की बात' वही जानते हैं, इस पर सरकार और भाजपा बड़ा 'महान' महसूस करती है।

दृष्टिकोण

सच का सामना करें

यह कोई अच्छी स्थिति नहीं कही जाएगी कि देश में एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया (EGI) के अध्यक्ष और उसकी फैक्ट फाइंडिंग टीम के सदस्यों को गिरफ्तारी से बचने के लिए सुप्रीम कोर्ट की शरण लेनी पड़े। हालांकि बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम जमानत देकर इन सबके सिर पर लटक रही गिरफ्तारी की तलवार फिलहाल हटा दी है, जो निश्चित रूप से राहत की बात है, लेकिन यह मुद्दा अभी बना हुआ है। ध्यान रहे, मणिपुर अगर मई महीने से ही हिंसा की लपटों से घिरा दिख रहा है और तमाम प्रयासों के बावजूद अभी तक ये लपटें पूरी तरह शांत नहीं हो पाई हैं, तो इसके पीछे एक बड़ी भूमिका गलत और झूठी सूचनाओं के निरंतर प्रवाह की भी रही है। स्थानीय समुदायों के बीच दूरी आ गई जिसे फेक न्यूज और दुष्प्रचार अभियान और बढ़ाते रहे। इसी संदर्भ में EGI की फैक्ट फाइंडिंग टीम ने बताया कि कैसे 'दोनों तरफ से परस्परविरोधी नैरेटिव चलाए जाते रहे।' इस रिपोर्ट पर मणिपुर पुलिस का FIR दर्ज कर लेना जितना बेतुका और आपत्तिजनक है उससे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण है खुद मुख्यमंत्री एन बिरेन सिंह का इस मुद्दे पर प्रेस में आकर बयान देना और व्यक्तिगत रूप से EGI रिपोर्ट की निंदा करना। जब मणिपुर सरकार प्रदेश में कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर अपनी नाकामी के कारण खुद कटघरे में है, वह ऐसा जताने की कोशिश कर रही है कि उसे सवाल किया जाना पसंद नहीं। हालांकि किसी भी संस्था की कोई भी रिपोर्ट आलोचना से ऊपर नहीं होती। उस पर सवाल भी उठाए जा सकते हैं और उससे असहमति भी दर्ज कराई जा सकती है। लेकिन अगर कोई मुख्यमंत्री कुछ पत्रकारों को देशद्रोही और व्यवस्था विरोधी बताने लग जाए तो उससे बेहतर रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने में कोई मदद नहीं मिलती। इस तरह की पुलिस कार्रवाई से मीडिया का स्वतंत्र कामकाज बाधित होता है। गौर करने की बात है कि राज्य के हिंसा पीड़ित लोगों के बीच राहत और पुनर्वास के कार्यों में मदद के लिए सुप्रीम कोर्ट की ओर से गठित कमिटी में किसी मणिपुरी को स्थान नहीं मिला तो इसके पीछे भेदभाव और पक्षपात की आशंकाओं को खत्म करने की ही भावना थी। राज्य सरकार ने अपने अफसरों को सोशल मीडिया ग्रुप्स से हटने को कहा तो उसके पीछे ये खबरें थीं कि नौकरशाही और पुलिस में जातीय आधार पर विभाजन दिख रहा है। ऐसे माहौल में विश्वास बहाल करना आसान नहीं होता। इसके लिए कड़वे सच को न सिर्फ सुनना होगा बल्कि उसे स्वीकार करना और उससे निपटना भी होगा। सेवाओं और सूचनाओं के प्रवाह पर लगी रोक हटाते हुए, राज्य से बाहर के मीडिया को भी पूरी पहुंच देनी होगी। एन बिरेन सिंह सरकार EGI सदस्यों के खिलाफ दायर FIR को वापस लेने की प्रक्रिया के साथ इस दिशा में सही शुरुआत कर सकती है।

राष्ट्रपति चुनाव में भारतीय मूल की यह उम्मीदवार दे सकती हैं बाइडन को मात! नए पोल में चौंकाने वाला खुलासा

वॉशिंगटन।
अमेरिका में अगले साल राष्ट्रपति चुनाव होने हैं, जिनके लिए कई उम्मीदवार अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं। विपक्षी रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से डोनाल्ड ट्रंप, विवेक रामास्वामी, निक्की हेली, रोन देसांतिस, माइक पेंस समेत कई उम्मीदवार हैं जो राष्ट्रपति पद की दौड़ में हैं। अभी तक रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार की रेस में ट्रंप सबसे आगे दिख रहे हैं।

हालांकि, अब एक ताजा पोल में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। दरअसल इस पोल में बताया गया है कि अगर रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से निक्की हेली को राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार घोषित किया जाता है तो वह मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन पर भारी पड़ेंगी।

पोल में बाइडन को हराने वाली एकमात्र रिपब्लिकन उम्मीदवार

सीएनएन/एसएसआरएस ने एक पोल के नतीजे जारी किए हैं। इन नतीजों के अनुसार, जो बाइडन और निक्की हेली के बीच अगर राष्ट्रपति पद की लड़ाई होती है तो निक्की हेली बाइडन पर भारी पड़ेंगी। पोल के अनुसार, निक्की हेली को 49 प्रतिशत वोट मिले हैं, जबकि बाइडन को सिर्फ 43 प्रतिशत। वहीं ट्रंप और बाइडन के बीच सीधी लड़ाई में दोनों के बीच कांटे की टक्कर है। ट्रंप को जहां 47 प्रतिशत वोट मिले हैं, वहीं बाइडन 46 प्रतिशत वोट पाए हैं। टिम स्कॉट और माइक पेंस दोनों को बाइडन के मुकाबले 46 प्रतिशत वोट मिले हैं और बाइडन को 44 प्रतिशत।

न्यूजर्सी के गवर्नर और रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार क्रिस क्रिस्टी को 44 प्रतिशत वोट मिले हैं और बाइडन को इनके मुकाबले 42 प्रतिशत। विवेक रामास्वामी लगातार सुर्खियां बटोर रहे हैं। हालांकि इस पोल में वह बाइडन से पिछड़ते दिख रहे हैं। पोल के अनुसार, बाइडन को 46 प्रतिशत वोट मिले हैं तो रामास्वामी को 45 प्रतिशत। उदार मतदाताओं के बीच लोकप्रिय निक्की हेली रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की दावेदारी पेश कर रहीं अकेली महिला उम्मीदवार हैं। डेमोक्रेट पार्टी के नेता भी मानते हैं कि निक्की हेली उनके लिए खतरा हैं। डेमोक्रेट पार्टी के एक रणनीतिकार ने मीडिया से बात करते हुए कहा भी कि अगर रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से निक्की हेली को चुना जाता है तो हमें मुश्किल हो सकती है। अपनी नीतियों की वजह से निक्की हेली उदार मतदाताओं के बीच खासी लोकप्रिय हैं। बीते महीने रिपब्लिकन पार्टी की पहली डिबेट के बाद भी निक्की हेली की लोकप्रियता में उछाल आया है। हालांकि ट्रंप के मुकाबले हेली काफी पीछे हैं लेकिन अभी चुनाव में लंबा समय है। ऐसे में निक्की हेली के पास एक अच्छा मौका है।

न्यूज ब्रीफ

अटलांटिक में खतरनाक हो सकता है ली तूफान, पूर्वी कैरेबियाई क्षेत्र की ओर बढ़ रहा है

गुयाना। ली तूफान खुले पानी में घूमता रहा। एक दिन पहले मौसम विभाग ने चेतावनी जारी कर कहा था कि यह अटलांटिक का श्रेणी पांच तूफान बन सकता है। विभाग के अनुसार, ली तूफान के रास्ते में भूस्खलन की उम्मीद नहीं है। हालांकि, विभाग ने कुछ टापुओं पर उष्णकटिबंधीय तूफान की संभावना जताई थी। विभाग ने कहा कि तूफान के बारिश और हवाओं की स्थिति की जानकारी देना जल्दबाजी होगी। इसके अलावा, उत्तरी लीवार्ड द्वीप समूह से लगभग 870 मील दूर श्रेणी दो तूफान पूर्व में स्थित था। इस दौरान 105 मील प्रति घंटे की हवाएं चली थी, जो 15 मील प्रतिघंटे की रफ्तार से पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ रहा था। विभाग ने अनुमान जताया था कि खतरनाक तूफान बन सकता है। बता दें, ली अटलांटिक का 12वां नामित तूफान है। प्रशांत महासागर क्षेत्र में मेक्सिको के दक्षिण-पश्चिमी तट से दूर जोवा तूफान श्रेणी चार के रूप में उभरा था, जिससे जमीन को कोई खतरा नहीं हुआ। जावा कैलिफोर्निया के दक्षिणी सिरे से करीब 550 मील दूर था, जो 16 मील प्रति घंटे की रफ्तार से पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ रहा था। विभाग के अनुसार, तूफान कमजोर पड़ सकता है।

कोरोना संक्रमित हुए स्पेन के राष्ट्रपति, जी20 सम्मेलन में भारत नहीं आने वाले तीसरे नेता बने

मैड्रिड। स्पेन के राष्ट्रपति पेड्रो सांचेज कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। इसके चलते अब वह भारत

में होने जा रहे जी20 शिखर सम्मेलन की बैठक में शामिल नहीं हो पाएंगे। पेड्रो सांचेज को जी20 की बैठक में शामिल होने भारत आना था, लेकिन अब उनका यह दौरा रद्द हो गया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में सांचेज ने लिखा कि इस दोपहर को मेरा कोरोना टेस्ट पॉजिटिव आया है, ऐसे में मैं जी20 बैठक के लिए दिल्ली नहीं आ सकूंगा। हालांकि, मैं ठीक महसूस कर रहा हूं। राष्ट्रपति पेड्रो सांचेज की जगह अब स्पेन की उपराष्ट्रपति नादिया कालविनो, आर्थिक मामलों के मंत्री और विदेश मामलों के मंत्री जी20 बैठक में शामिल होंगे। उल्लेखनीय है कि स्पेन के राष्ट्रपति पेड्रो सांचेज, नई दिल्ली में होने जा रही बैठक में शामिल ना होने वाले जी20 के तीसरे नेता हैं। इनसे पहले चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी इस बैठक में शामिल नहीं हो रहे हैं।

माली के सैन्य ठिकाने और यात्री नाव पर आतंकी हमला, 49 नागरिकों सहित 64 लोगों की मौत

बमाको। माली के एक सैन्य ठिकाने और एक यात्री नाव पर आतंकियों ने हमला कर दिया। उत्तरी माली में हुए हमले में 64 लोगों की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, माली सरकार का कहना है कि आतंकियों ने अलग-अलग दो जगह हमला किया। पहला हमला आतंकियों ने नाइजर नदी पर टिम्बकटू नाव पर किया तो वहीं, दूसरा हमला आतंकियों ने बंबा के एक सैन्य ठिकाने पर किया। दोनों हमलों में कुल 49 आम नागरिक और 15 सैनिकों की जान चली गई। दावा किया जा रहा है कि आतंकी संगठन अल-कायदा से जुड़े एक संगठन ने इस हमले को अंजाम दिया है।

इस्लामिक देशों ने कहा- महिलाओं को शिक्षा दे अफगान हुकुमत

तालिबान का जवाब- इस मामले में सब्र रखिए ; 3 दिन चली बातचीत बेनतीजा

काबुल।
इस्लामिक देशों के संगठन ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन का एक डेलिगेशन इन दिनों काबुल में है। ओआईसी मेंबर्स अफगानिस्तान की तालिबान हुकूमत पर वुमन एजुकेशन शुरू करने का दबाव डाल रहा है। दूसरी तरफ, तालिबान हुकूमत ने ओआईसी के मेंबर कंट्रीज से कहा है कि उन्हें इस मामले में सब्र से काम लेना चाहिए। कुछ मिलाकर अब तक तालिबान हुकूमत और ओआईसी डेलिगेशन के बीच इस मामले में कोई डील नहीं हो सकी है।

ओआईसी के धर्मगुरू भी टीम में शामिल - मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक- ओआईसी का जो डेलिगेशन काबुल पहुंचा है, उसमें कई धर्मगुरू भी शामिल हैं। इन्होंने तालिबान हुकूमत के हज और मजहबी मामलों के मंत्री नूर मोहम्मद साकिब के अलावा एजुकेशन मिनिस्टर से भी मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने होम मिनिस्टर सिराजउद्दीन हक्कानी से भी लंबी बातचीत की। बाद में यह कई आला अफसरों से मिले। इस दौरान सबसे ज्यादा फोकस गर्ल्स एजुकेशन पर रहा। तालिबान ने सत्ता में आने के बाद महिला शिक्षा पर पूरी तरह से रोक लगा दी थी। ओआईसी ने बाद में एक बयान में कहा- इन मीटिंग्स में हमने इस्लाम पर तफ्सील से बातचीत की। सबसे अहम मसला गर्ल्स एजुकेशन का था। इसके अलावा ओआईसी मेंबर चाहते हैं कि तालिबान हुकूमत महिलाओं को नौकरी करने का भी अधिकार दे। तालिबान ने हमें बताया कि वो इन मुद्दों पर किस तरह काम कर रहा है। इस बारे में हमें जानकारी दी गई है।

तालिबान ने भी बयान जारी किया - तालिबान ने एक बयान जारी किया। इसके मुताबिक- अफगान हुकूमत ने गर्ल्स एजुकेशन के मसले पर ओआईसी मेंबर्स के सामने अपनी बात रखी। हमने उनसे कहा है कि वो इस मामले में सब्र से काम लें। हमारे मिनिस्टर सिराजउद्दीन हक्कानी ने मेंबर्स से कहा- वुमन एजुकेशन की हमारी सोसायटी को भी जरूरत है। हम इस मुद्दे पर काम कर रहे हैं, लेकिन कोई भी फैसला जमीनी हकीकत को देखकर ही लिया जाएगा। इसलिए आप सब्र रखें। दूसरी तरफ, अफगानिस्तान की फीमेल स्टूडेंट्स ने हक्कानी और तालिबान के बयान को खारिज कर दिया। इन्होंने कहा- कितना सब्र और रखा जाए। हम इस तरह की पाबंदियों से परेशान हो चुके हैं। करीब दो साल से गर्ल्स एजुकेशन के तमाम इंस्टीट्यूट्स बंद हैं। हमने जब भी तालिबान हुकूमत से इस बारे में बातचीत की तो उन्होंने स्कूल और कॉलेज जल्द खोलने का भरोसा दिलाया, लेकिन ऐसा अब तक नहीं हुआ।

शिक्षकों को आदेश- किसी उम्र की लड़की को न पढ़ाएं - तालिबान ने लड़कियों को यूनिवर्सिटी में पढ़ने पर रोक लगाने के बाद अब महिलाओं को पूरी तरह शिक्षा से दूर करने वाला कदम उठाया है।

वॉल स्ट्रीट जर्नल के अनुसार, तालिबान ने लड़कियों के प्राथमिक स्कूलों में जाने पर रोक लगा दी है। शिक्षकों से कहा गया है कि वे अब किसी भी उम्र की लड़कियों को नहीं पढ़ा पाएंगे। शिक्षा मंत्रालय व शरिया कानून लागू करने वाले मंत्रालय के अधिकारियों की बैठक में इस पर फैसला लिया गया।

अपनी मजबूती के लिए यूक्रेन से कब्जाए इलाकों में चुनाव करा रहा रूस, अमेरिका बोला- ये यूएन चार्टर का उल्लंघन

वाशिंगटन।
अमेरिका ने एक बार फिर क्रीमिया पर निशाना साधा। कहा कि रूस यूक्रेन के कब्जे वाले इलाकों में लगातार दिखावटी चुनाव करा रहा है, जो संयुक्त राष्ट्र चार्टर के नियमों का उल्लंघन है।

चुनाव महज दिखावा

अमेरिका के विदेश सचिव एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि रूस यूक्रेन में मौजूद अपने कब्जे वाले क्षेत्रों में अपनी अथॉरिटी को और मजबूत करना चाहता है। इसलिए वह यहां चुनाव करा रहा है, जो महज दिखावा है। उन्होंने कहा कि एक तरफ जहां युद्ध जारी है, वहीं ऐसे चुनाव कराना सिर्फ धोखा है।

इन क्षेत्रों पर रूस का कब्जा

बता दें, ये चुनाव यूक्रेन के चार क्षेत्रों में जनमत संग्रह आयोजित करने और यूक्रेन के क्रीमिया और सेवस्तोपोल पर कब्जा करने के नौ साल से अधिक समय के बाद हो रहे हैं। जिन क्षेत्रों में जनमत संग्रह हुआ था, उनमें डोनेट्स्क, लुहांस्क, जपोरीजिया और खेरसॉन शामिल हैं।

प्रचार अभ्यास से ज्यादा कुछ नहीं

अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि क्रेमलिन को उम्मीद है कि ये पूर्व निर्धारित नतीजे यूक्रेन के कब्जे वाले हिस्सों पर रूस के दावों को मजबूत करेंगे, लेकिन यह एक प्रचार अभ्यास से ज्यादा कुछ नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि रूस की ऐसी कार्रवाई राज्य की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के सम्मान जैसे संयुक्त राष्ट्र चार्टर सिद्धांतों के प्रति उसकी उपेक्षा को दर्शाती है।

अमेरिका की चेतावनी

गौरतलब है, संयुक्त राज्य अमेरिका लगातार यूक्रेन के पक्ष में हैं। ऐसे में एक बार अमेरिका ने स्पष्ट कर दिया है कि वह कभी भी यूक्रेन के किसी भी क्षेत्र पर रूस के दावों को मान्यता नहीं देगा। साथ ही चेतावनी देते हुए कहा कि हम सभी को याद दिलाना चाहते हैं, जो यूक्रेन में रूस के नकली चुनावों का समर्थन करेगा उस पर हम प्रतिबंध लगा सकते हैं।

कुछ जगह हो चुके हैं मतदान

बता दें, यह बयान ऐसे समय में आया है, जब कुछ क्षेत्रों में मतदान समाप्त हो चुके हैं। वहीं, कुछ क्षेत्रों में सप्ताहांत तक चलेंगे। कीव अधिकारियों के हवाले से बताया कि 31 अगस्त को, रूस ने यूक्रेन के कब्जे वाले क्षेत्रों में क्षेत्रीय चुनाव कराना शुरू कर दिया। यूक्रेन ने इस कदम की निंदा की है और कब्जे वाले क्षेत्रों में नागरिकों से चुनावों में मतदान न करने का आग्रह किया है। साथ ही कहा है कि यदि संभव हो तो क्षेत्र छोड़ दें।

जिनपिंग नहीं आए तो चीनी पीएम तक को नजरअंदाज करेंगे राष्ट्रपति बाइडन

वाशिंगटन।
व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा कि राष्ट्रपति जो बाइडन का अपनी भारत यात्रा के दौरान चीनी प्रधानमंत्री ली कियांग से मिलने का इरादा नहीं है। दरअसल, भारत इस साल जी-20 देशों की अध्यक्षता कर रहा है। ऐसे में नौ और 10 सितंबर को होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए विदेशी मेहमानों का आना शुरू हो गया है।

वियतनाम भी जाएंगे राष्ट्रपति

गौरतलब है, राष्ट्रपति जो बाइडन भारत में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में शामिल होने के बाद वियतनाम जाएंगे। वह वाशिंगटन से निकल चुके हैं। राष्ट्रपति के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने शिखर सम्मेलन के एजेंडे पर संवाददाताओं से बातचीत की।

अमेरिकी सैन्य अड्डों में घुसे चीनी नागरिक

इस दौरान सुलविन से पूछा गया कि चीनी

नागरिकों ने अमेरिकी सैन्य अड्डों में प्रवेश कर लिया है और क्या इस मुद्दे को दिल्ली में उठाया जाएगा। इस पर उन्होंने कहा कि हमारे पास इस समय राष्ट्रपति की चीन के प्रधानमंत्री के साथ बातचीत की कोई योजना नहीं है।

इन दो देशों के नेता नहीं हो रहे शामिल

बता दें, इस सप्ताह की शुरुआत में एक रिपोर्ट सामने आई थी, जिसमें बताया गया था कि चीन और रूस के राष्ट्रपति शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं हो रहे हैं। इस पर राष्ट्रपति बाइडन ने निराशा व्यक्त की थी। वहीं, कहा जा रहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति इन नेताओं की अनुपस्थिति का फायदा उठा सकते हैं।

ब्रिटेन का दूसरा सबसे बड़ा शहर बर्मिंघम हुआ दिवालिया, सभी गैर जरूरी खर्च किए गए बंद

नई दिल्ली।
ब्रिटेन का दूसरा सबसे बड़ा शहर बर्मिंघम दिवालिया हो गया है। बर्मिंघम को चलाने वाले स्थानीय अधिकारियों ने सालाना बजट में कमी के कारण काउंसिल को दिवालिया घोषित कर दिया है। मंगलवार को यहां धारा 114 नोटिस दायर किया गया। इस नोटिस के तहत जरूरी खर्चों को छोड़कर सभी तरह के खर्चों पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है। अधिकारियों ने अब अपना पूरा ध्यान सिर्फ जरूरी सेवाओं पर केंद्रित कर दिया है। बर्मिंघम सिटी काउंसिल को विपक्षी लेबर पार्टी चलाती है। ये यूरोप में 100 से ज्यादा काउंसलर्स वाली सबसे बड़ी लोकल अथॉरिटी है। इसने धारा 114 नोटिस जारी कर कहा कि, कमजोर लोगों और वैधानिक सेवाओं की सुरक्षा को छोड़कर, बाकी सभी सेवाएं तत्काल प्रभाव से बंद की जाती हैं। काउंसिल ने कहा कि एक बेहद गंभीर वित्तीय स्थिति पैदा हो गई है। क्योंकि उसे समान वेतन दायित्व के पैसे देने होंगे। जो अब तक 650 मिलियन पाउंड से 760 मिलियन पाउंड के बीच में हो चुकी है। लेकिन उसके पास इसकों पूरा करने के लिए संसाधन नहीं हैं।

फंड नहीं

काउंसिल की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक - इस आधार पर, काउंसिल के अंतरिम डायरेक्टर ऑफ फाइनेंस, फियोना ग्रीनवे ने स्थानीय सरकार अधिनियम की धारा 114(3) के तहत एक रिपोर्ट जारी की है, जो पुष्टि करती है कि काउंसिल के पास समान वेतन खर्च को पूरा करने के लिए अपर्याप्त संसाधन हैं और उसके पास वर्तमान में कोई अन्य संसाधन नहीं हैं कि वो इस दायित्व को पूरा कर सके।

खर्चों पर नियंत्रण

काउंसिल ने कहा कि काउंसिल पहले से चले आ रहे खर्चों पर नियंत्रण को सख्त करेगी और पकड़ को मजबूत करने के लिए उन्हें धारा 151 अधिकारियों को सौंप देगी। नोटिस का मतलब है कि कमजोर लोगों और वैधानिक सेवाओं की सुरक्षा को छोड़कर सभी नए खर्च तुरंत बंद होने चाहिए। 2012 में अथॉरिटी के खिलाफ एक ऐतिहासिक मामला लाए जाने के बाद से बर्मिंघम काउंसिल ने समान वेतन दावों में लगभग 1.1 बिलियन पाउंड का भुगतान किया। यूके सुप्रीम कोर्ट ने 174 कर्मचारियों के पक्ष में फैसला सुनाया, जिनमें ज्यादातर महिलाएं थीं। जो टीचिंग असिस्टेंट, सफाईकर्मी और कैटरिंग स्टाफ था, जो बोनस लेने से चूक गए थे। आमतौर पर ये पुरुष-प्रधान भूमिकाओं जैसे कूड़ा उठाने वाले और सड़क साफ करने वाले कर्मचारियों को दिया जाता था।

बेल्जियम में राहुल बोले- रूस-यूक्रेन जंग पर सरकार के साथ

कहा- जी20 में खड़गे को नहीं बुलाया, सरकार 60 प्रतिशत जनता के लीडर को महत्व नहीं देती

ब्रसेल्स।
कांग्रेस नेता राहुल गांधी इन दिनों यूरोप दौरे पर हैं। शुक्रवार को ब्रसेल्स के प्रेस क्लब में राहुल गांधी ने कहा- हम रूस-यूक्रेन जंग पर देश के रुख का समर्थन करते हैं। रूस से हमारे अच्छे रिश्ते हैं। विपक्ष भी इस मुद्दे पर वही स्टैंड लेता जो सरकार ने लिया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जी20 समिट पर राहुल गांधी से मल्लिकार्जुन खड़गे को न्योता न मिलने पर सवाल किया गया। इस पर उन्होंने कहा- सरकार ने ये फैसला लिया है। इससे साबित होता है कि वो देश की 60प्रतिशत जनता का नेतृत्व करने वालों को महत्व नहीं देते हैं। यह सरकार की सोच को भी दर्शाता है। रूस और अमेरिका दोनों देशों के साथ संबंधों से जुड़े एक सवाल पर राहुल ने कहा- भारत एक बड़ा देश है। हमारे कई देशों के साथ संबंध और पार्टनरशिप है। भारत का हक है कि वो जिससे चाहे उससे रिश्ते रख सकता है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी इन दिनों यूरोप दौरे पर हैं। उन्होंने ब्रसेल्स में यूरोपीय यूनियन के सांसदों से मुलाकात की। राहुल की इन सांसदों से मुलाकात को एल्विना एल्मेत्सा ने होस्ट किया। उनके साथ पियरे लारोतुरो भी थे। ये राहुल का इस साल का तीसरा विदेश दौरा है। इससे पहले वे मार्च में ब्रिटेन और जून में अमेरिका दौरे पर गए थे। राहुल का ये दौरा ऐसे समय हो रहा है जब देश की राजधानी दिल्ली में जी20 समिट हो रही है। वो समिट खत्म होने के बाद भारत लौटेंगे। वहीं, भारत जोड़ो यात्रा का एक

साल पूरा होने पर कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। राहुल इन कार्यक्रमों में शामिल नहीं होंगे। बीते 9 साल में राहुल की 22 विदेश यात्राएं विवादित और सोशल मीडिया पर चर्चा में रही हैं। इनमें एक जर्मनी का वह दौरा भी जिसमें उन्होंने संसद में पीएम मोदी को गले लगाने का राज खोला था।

जून में 10 दिन के यूएस दौरे पर थे राहुल - राहुल गांधी इससे पहले 31 मई को अमेरिका के दौरे पर गए थे। 10 दिन की विजिट में उन्होंने वॉशिंगटन, न्यूयॉर्क, सैन फ्रांसिस्को में प्रवासी भारतीयों को भारत में लोकतंत्र, सुरक्षा और राजनीति के मुद्दे पर संबोधित किया था।

राहुल ने अमेरिका में क्या कहा था - 1 जून, वॉशिंगटन, प्रेस क्लब- कांग्रेस नेता ने वॉशिंगटन डीसी के नेशनल प्रेस क्लब में मीडिया के सवालों के जवाब दिए थे। सांसदी जाने के सवाल पर राहुल ने कहा था- मुझे 1947 के बाद मानहानि के मामले में सबसे बड़ी सजा मिली है। मैंने संसद में अडाणी को लेकर स्पीच दी थी, जिसका मुझे तोहफा मिला। इसी वजह से मुझे डिस्क्वालिफाई कर दिया गया।

भारत में प्रेस आजाद नहीं, लोग बेरोजगारी-महंगाई से परेशान - राहुल ने कहा था- भारत में प्रेस की स्वतंत्रता कमजोर होती जा रही है और यह बात सभी जानते हैं। मुझे लगता है कि लोकतंत्र के लिए प्रेस की स्वतंत्रता और आलोचना को सुनना जरूरी है। मैं जो भी सुनता हूं उस पर विश्वास नहीं करता। मैं पूरे भारत में घूमा हूं। कन्याकुमारी से कश्मीर तक घूमा हूं। लाखों भारतीयों से सीधे बात की है।

दरबार साहिब में नतमस्तक हुए अनुपम खेर

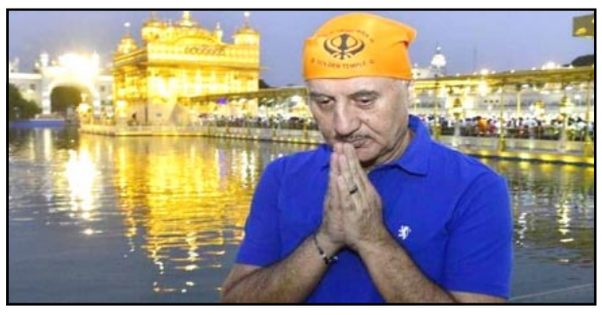

चंडीगढ़ (हिंस)। एक फिल्म की शूटिंग के सिलसिले में पंजाब आए अभिनेता अनुपम खेर शुक्रवार को दरबार साहिब पहुंचे। यहां उन्होंने हरिमंदिर साहिब में माथा टेका। अनुपम खेर इन दिनों अमृतसर में हैं और अपने जीवन के 540वें प्रोजेक्ट की शूटिंग कर रहे हैं। उन्होंने बीती रात अटारी-बाघा बार्डर पर जाकर सेना के जवानों व अधिकारियों के साथ खाना भी खाया। अनुपम खेर ने बताया कि वह जब भी अमृतसर आते हैं, उन्हें दरबार साहिब आना ही होता है। यहां वह कोई सिक्योरिटी नहीं लेकर आते, क्योंकि उन्हें महसूस होता है कि यहां जो भी लोग हैं, उनकी सुरक्षा के लिए ही हैं। इस दौरान उन्होंने अपने परिवार व देश की शांति के लिए भी दुआ मांगी है। अनुपम खेर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर कहा कि यह बताते हुए खुशी हो रही है कि मैंने अपने 540वें प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू कर दी है।

सनातन भारतीय के रग-रग में बसा, कोई खत्म नहीं कर सकता : सी पी जोशी

सीकर (हिंस)। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा जन-जन के आशीर्वाद व स्नेह से आमजन की यात्रा बन गई है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष शुक्रवार को भाजपा जिला कार्यालय में उनके स्वागत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान की भ्रष्ट व निकम्मी कांग्रेस सरकार की वादा खिलाफी व महिलाओं पर बढ़े अत्याचार इसकी विदाई तय करेगी। जोशी ने कहा कि पिछले कई दिनों से एंबूलेंस सेवा बंद होने से स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा रही है जिसकी इस सरकार को कोई चिंता नहीं है। उन्होंने कांग्रेस पर सनातन धर्म को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए कहा कि सनातन को खत्म करने का प्रयास मुगलों, अंग्रेजों ने भी किया था जिन्हें जनता ने खदेड़ दिया। सनातन भारतीय के रग-रग में बसा हुआ है, जिसे ना तो कोई समाप्त कर पाया है और ना ही कोई कर पाएगा।

कार्यक्रम में राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि आने वाले चुनावों में कांग्रेस सरकार को विदा करने के लिए कार्यकर्ता पूरी मेहनत के साथ लगे हुए है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार को अपदस्थ करने के लिए गांव-गांव ढ़ाणी तक जाएंगे। भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा को जनता का अपार समर्थन मिल रहा है। राठौड़ ने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि सीकर जिले में यात्रा के आने पर पूरी मेहनत के साथ जुड़े। आरंभ में भाजपा जिलाध्यक्ष पवन मोदी व महिला मोर्चा अध्यक्ष अनिता शर्मा ने प्रदेशाध्यक्ष सी पी जोशी व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ का स्वागत किया। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा,प्रदेश मंत्री वासुदेव चावला व स्थानीय सांसद स्वामी सुमेधानंद सरस्वती उपस्थित थे। यहां से सभी नेतागण सांगलिया धूणी के लिए प्रस्थान कर गए। जिला मीडिया संयोजक जितेंद्र माथुर ने बताया कि इस दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री सुभाष महरिया, सैनिक कल्याण बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष प्रेमसिंह बाजौर, पूर्व मंत्री बंशीधर बाजिया,पूर्व विधायक रतनलाल जलधारी, गोरधन वर्मा व झाबरसिंह खर्रा सहित बड़ी संख्यां में पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जूनियर महिला कोच के पीछे पड़ी हरियाणा सरकार : अनुराग ढांडा

चंडीगढ़ (हिंस)। आम आदमी पार्टी (आआपा) के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनुराग ढांडा ने कहा है कि हरियाणा की बेटी व जूनियर कोच के पीछे पूरी सरकार पड़ गई है। एक तरफ पूरी सरकार की ताकत है और दूसरी तरफ पीड़िता को अपनी लड़ाई लड़ने के लिए अकेला छोड़ दिया गया है। महिला कोच की जान को खतरा है। शुक्रवार का (आआपा) के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनुराग ढांडा चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। ढांडा ने कहा कि महिला कोच की जान को खतरा है। आने वाले दिनों में वह सुरक्षित रहेगी। महिला कोच ने उनका पीछा करने वाले लोगों का एक वीडियो जारी कर आरोप लगाया है कि हथियारबंद लोगों ने उसे जान से मारने की धमकी दी है। उन्होंने कहा कि इस प्रकरण के बाद हरियाणा और चंडीगढ़ पुलिस को महिला कोच को सुरक्षा दी जानी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि कल की घटना के बाद सिविल ड्रेस में सीआईडी की टीम महिला कोच का पीछा कर रही है। जब उनसे पूछा गया कि क्या आप हमारी सुरक्षा में तैनात हैं तो कोई भी ऐसा लिखित आदेश दिखाने से वो टीम मना कर देती है, लेकिन महिला कोच जहां भी जा रही हैं तो उनका पीछा कर रही है। ढांडा ने आरोप लगाया कि इस मामले में बड़े स्तर पर सरकारी दस्तावेजों के साथ छेड़छाड़ हुई है। मंत्री संदीप सिंह ने अपने पद दुरुपयोग किया है। 10 जनवरी 2020 का आदेश है कि पोस्टिंग की फाइल मंत्री तक नहीं जाती, जबकि इसी केस में फाइल मंत्री तक गई और किसी केस में नहीं जाती और न ही किसी और केस में इसका रिकॉर्ड पाया गया। जब उस फाइल का पता किया गया कि मंत्री के पास किसने भेजी तो पाया गया कि अवैध तरीक से स्पोटर्स डायरेक्टर को फाइल भेजी गई थी। उस पर फ्लयूड लगाकर नीचे कमेंट किया गया कि इसको मंत्री के पास भेजा जाए।

पटवारियों के भत्ते में होगी तीन गुणा से भी ज्यादा बढ़ोतरी: भगवंत मान

चंडीगढ़ (हिंस)। प्रशिक्षु पटवारियों को बड़ा तोहफा देते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने शुक्रवार को ट्रेनिंग भत्ते में तीन गुणा से भी ज्यादा बढ़ोतरी करने का ऐलान किया है। अब प्रशिक्षु पटवारियों को प्रति महीना पांच हजार के स्थान पर 18 हजार रुपए मिलेंगे। मुख्यमंत्री मान यहां नए नियुक्त हुए 710 पटवारियों को नियुक्तिपत्र सौंपने के बाद संबोधित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बढ़ोतरी करना समय की जरूरत थी, जिससे ट्रेनिंग अधीन पटवारी अपनी ड्यूटी बिना किसी परेशानी से सुचारू ढंग से निभा सकें। उन्होंने कहा कि इन पटवारियों के लिए पांच हजार रुपए महीना भत्ता बहुत कम है, क्योंकि वह बहुत सख्त मुकाबले में पास होकर सेवा में आते हैं, जिस कारण सरकार ने उनके भत्ता बढ़ोतरी करने का फैसला लिया है। भगवंत मान ने कहा कि राज्य सरकार के पास फंडों की कोई कमी नहीं है और पंजाब सरकार के मुलाजिमों की भलाई यकीनी बनाई जाएगी। मुख्यमंत्री ने पटवारियों को न्योता दिया कि वह लोगों को परेशान करने की बजाय अपनी कलम का प्रयोग लोगों का कल्याण करें। उन्होंने कहा कि यह बड़े दुख की बात है कि कुछ लोग अपने भ्रष्ट साथियों की मदद के लिए कलम छोड़ हड़ताल के नाम तहत लोगों को परेशान कर रहे हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह कदम पूरी तरह अनावश्यक है क्योंकि राज्य सरकार आम लोगों के हित में कोई समझौता नहीं करेगी। प्रदर्शनकारी पटवारियों के अड़ियल रवैए पर तंज कसते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह लोग आम आदमी को तंग-परेशान करके राज्य सरकार को ब्लैकमेल करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार लोगों के हित में ऐसी नौटंकियों के आगे किसी भी कीमत पर नहीं झुकेगी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह सरकार लोगों की सरकार है और उनकी भलाई को यकीनी बनाने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ेंगे। मुख्यमंत्री ने पटवारियों को अपनी कलम जन कल्याण के लिए बरतने का न्योता देते हुए कहा कि आगामी समय में जितनी कलम आप जनहित में चलाओगे, उतने ही भत्ते सरकार और बढ़ाएगी। उन्होंने कहा कि कलम छोड़ हड़ताल का ज्यादा किसी को नहीं होना, जिस कारण नए चुने पटवारियों को ऐसी कार्यवाही में शामिल नहीं होना चाहिए। पुलिस फोर्स की सालाना भर्ती की तरह पटवारियों की भी सालाना भर्ती करने का ऐलान करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 586 नए पटवारियों के पदों के लिए इश्तिहार जल्दी जारी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पटवारियों की रेगुलर भर्ती होने से जहां राजस्व विभाग का कामकाज और सुचारू होगा, वहीं लोगों को बड़ी सुविधा मिलेगी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि आगामी समय में इस भर्ती को सालाना आधार पर करने की व्यवस्था करने के लिए जरूरी औपचारिकताएं पूरी की जाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का यह समागम सिर्फ नौजवानों को नियुक्ति पत्र देने का समागम नहीं है, बल्कि नौजवानों के सपनों को हकीकत में बदलने का ऐतिहासिक समागम है, जिससे राज्य को रंगला पंजाब बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार राज्य और लोगों की तरक्की और खुशहाली के लिए वचनबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बड़े गौरव की बात है कि राज्य सरकार ने अब तक अलग-अलग सरकारी विभागों में नौजवानों को 35 हजार से अधिक नौकरियां दीं हैं। उन्होंने कहा कि यह एक रिकार्ड है क्योंकि पिछली सरकारों में से किसी ने भी इतनी नौकरियां ख़ास तौर पर अपने कार्यकाल के पहले साल में नहीं दीं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि नौजवानों को दीं इन नौकरियों के लिए मेरिट और पारदर्शी पहुँच को ही मुख्य आधार रखा गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अपना कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने सभी कानूनी और प्रशासनिक बाधाएं दूर करके 12710 अध्यापकों की सेवाओं को रेगुलर किया। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इसका मंतव्य अध्यापकों का भविष्य सुरक्षित करना था क्योंकि उनका मानना है कि अगर अध्यापकों का भविष्य सुरक्षित होगा तो ही वह विद्यार्थियों की किस्मत बदल सकेंगे। उन्होंने कहा कि हरेक मुलाजिम की जायज मांग को पूरा किया जाएगा, जिसके लिए राज्य सरकार पहले ही कोशिशें कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में शिक्षा क्रांति के युग की शुरुआत करते हुए पंजाब सरकार ने स्कूल आफ एमिनेंस की शुरुआत की तैयारी की है। उन्होंने कहा कि इसके लिए 68 करोड़ रुपए का बजट पहले ही इन स्कूलों के निर्माण के लिए जारी कर दिया गया है और पहला स्कूल 13 सितंबर को लोगों को समर्पित किया जाएगा।

सनातन का अपमान करने वालों पर कठोर कार्रवाई की मांग

जयपुर (हिंस)। सनातन धर्म के बारे तमिलनाडु के खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन द्वारा दिए गए अपमानजनक बयान के विरोध में शुक्रवार को शहर के गणमान्य व्यक्तियों ने राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा। राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन में सनातन के विरुद्ध की गई आपत्तिजनक बयानबाजी को समाज में विद्वेष फैलाने वाला बताया। मेजर जनरल अनुज माथुर ने बताया कि भारतवासियों की भावनाओं को आहत करने का सुनियोजित षड्यंत्र हो रहे हैं। ऐसा लगता है कि भारत को कमजोर करने की साजिश की जा रही है। ज्ञापन में राष्ट्रपति से मांग की है की उदयनिधि का बयान राष्ट्र हित के लिए घातक है अत: मामले में हस्तक्षेप कर कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करवाए। उल्लेखनीय है कि डीएमके नेता उदयनिधि ने सनातन को डेंगू, मलेरिया, कोरोना जैसा बताते हुए इसके उन्मूलन की बात कही थी। जिससे देश भर में सनातन में आस्था रखने वालो में नाराजगी है। डीएमके इंडिया गठबंधन में शामिल है। ज्ञापन देने वालों में सेवानिवृत्त आईएएस, आईपीएस, सेना के सेवानिवृत्त अधिकारी, एक्स वीसी एवं सेवानिवृत्त न्यायाधीश सम्मिलित थे। ले. जनरल विश्म्भर सिंह, पूर्व न्यायाधीश प्रशान्त अग्रवाल पूर्व आईएएस ललित के पंवार, से.नि. आईजी मदनसिंह राठौड़, से.नि. कर्नल देवानंद लोहमरोड़ सहित 63 गणमान्य नागरिकों ने ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

गहलोत सरकार की प्राथमिकता कुर्सी बचाना: शेखावत

जोधपुर (हिंस)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर एक बार फिर जुबानी हमला किया है। राज्य में कानून व्यवस्था की चर्चा करते हुए शेखावत ने कहा कि पूरे कार्यकाल में गहलोत सरकार की प्राथमिकता कुर्सी बचाने की रही। इसके चलते कानून व्यवस्था चौपट हो गई। राजस्थान देश की रेप कैपिटल बन गया। शेखावत शुक्रवार को परिवर्तन यात्रा के तहत बालोतरा में पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान में मात्र आठ करोड़ लोग हैं, जो भारत की आबादी का साढे पांच छह प्रतिशत है, लेकिन देश में बलात्कार की घटनाओं में कुल बाइस प्रतिशत केस राजस्थान में पंजीकृत हुए थे, जबकि पहले राजस्थान की ऐसी संस्कृति नहीं थी। सरकार की अकर्मण्यता के चलते राजस्थान को इस स्थिति का सामना करना पड़ा। शेखावत ने कहा कि इस सरकार पर भ्रष्टाचार का कलंक है। पेपर लीक के चलते राजस्थान के युवाओं का भविष्य बदहाल है। किसानों के साथ धोखा हुआ। समय पर बिजली नहीं मिल रही। किसानों को छह घंटे निर्बाध बिजली देने का वादा और दावा करने वाली सरकार एक बिजली भी बिजली नहीं दे पा रही। किसानों की फसल पूरी तरह से चौपट हो गई। सरकार ने बाजरे की खरीद नहीं की। इस कारण किसानों को नुकसान हुआ। शेखावत ने कहा कि कांग्रेस सरकार भारतीय संस्कृति के मानबिंदुओं की रक्षा नहीं कर पाई। हमारे तीज त्योहारों पर प्रतिबंध लगाए। समाज विशेष के त्योहारों पर चाक चौबंद व्यवस्था की। यहां तक कि पूरे देश में प्रतिबंधित पीएफआई जैसे संगठन को पूरी सुरक्षा में जुलूस निकालने का अवसर दिया गया। मंदिर तोड़े गए। मूर्तियों को क्षत विक्षत किया गया। भगवान की झांकियों और शोभा यात्राओं पर पथराव किया गया। शेखावत ने कहा कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के पुत्र और वहां के एक मंत्री उदयनिधि ने सनातन धर्म के खिलाफ विषवमन किया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं में से एक पी. चिदंबरम के पुत्र ने भी ऐसा स्टेटमेंट दिया। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पहले सनातन के खिलाफ कुछ कहा था। इनके पुत्र ने भी उदयनिधि के स्टेटमेंट को समर्थित किया। पूर्व केंद्रीय मंत्री ए. राजा ने भी कहा। ये सब कांग्रेस और घमंडिया गठबंधन की मानसिकता का द्योतक है। कांग्रेस का क्या स्टैंड है? यह उसे स्पष्ट करना चाहिए।

आतिशबाजी की आवाज सुन विदेशी सैलानी ने दूसरी मंजिल से लगाई छलांग

जयपुर (हिंस)। जवाहर सर्किल थाना इलाके में स्थित कच्ची बस्ती के पास न्यू एयरपोर्ट रेजीडेंसी की दूसरी मंजिल से विदेशी सैलानी ने छलांग लगा दी। जिससे उसके पैर में चोट आई। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे घायल अवस्था में जयपुरिया अस्पताल में भर्ती कराया। जिसका इलाज चल रहा है। थानाधिकारी अरविंद सिंह चारण ने बताया कि नॉर्वे से टूरिस्ट फिन वैटले भारत घूमने के लिए आया था और इलाके में स्थित न्यू एयरपोर्ट रेजीडेंसी में दूसरी मंजिल में आकर ठहरा। गुरुवार देर रात कृष्ण जन्म उत्सव के दौरान स्थानीय लोगों ने आतिशबाजी की तो वो नींद में डर गया। उसे लगा की होटल के रूम में कोई घुस गया और गोलीबारी कर रहा है।

भतीजे को बचाने नौ हमलावरों से भिड़ गई चाची, सिर में गंभीर चोट से मौत

भरतपुर (हिंस)। जुरहरा थाना इलाके के गांव पाई में बच्चों के झगड़े में एक महिला की मौत हो गई, जबकि दूसरी का गंभीर हालत में भरत के जिला हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। बच्चों में कहासुनी के बाद एक पक्ष ने दूसरे के घर में घुसकर धारदार हथियारों से हमला कर दिया। घटना गुरुवार शाम की है। जुरहरा थाना के इंचार्ज महेश मीणा ने बताया कि गुरुवार शाम को सूचना मिली थी कि पाई गांव में दो परिवारों के बीच झगड़ा हो गया है। मौके पर पहुंच कर झगड़ा कर रहे परिवारों को अलग-अलग किया। घायलों को जुरहरा हॉस्पिटल पहुंचाया। हमले में एक महिला राजवती (27) की मौत हो गई है, जिसका शुक्रवार को पोस्टमॉर्टम किया गया। मामले में नौ लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी। पुलिस ने बताया कि राजवती की बहन गीता (32) भी गंभीर रूप से घायल हुई है जिसे जुरहरा हॉस्पिटल से भरतपुर के आरबीएम हॉस्पिटल रेफर किया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। मृतक महिला के जेठ शिशुपाल

(32) ने बताया कि गुरुवार शाम घर में हम लोग नहीं थे। महिलाएं और बच्चे थे। मेरे बेटे ध्रुव (15) की गांव के ही देवेंद्र (17) पुत्र लोकेश कलाल के साथ महादेव मंदिर के पास बुधवार को कहासुनी हुई थी। लोकेश कलाल मेरा मौसेरा भाई है। गांव में आस-पास मौजूद लोगों ने ध्रुव-देवेंद्र का बीच-बचाव कर वहां से हटा दिया था। देवेंद्र ने अपने घर जाकर परिजनों को बताया। इसके बाद गुरुवार को देवेंद्र और उसके परिजन हाथों में लाठी, डंडे, धारदार हथियार लेकर मेरे घर आ गए, वे ध्रुव को घर से खींचकर साथ ले गए। उस वक्त मैं और मेरा छोटा भाई जितेंद्र घर पर नहीं थे। मेरी पाई गांव में ही किराना की दुकान है, मैं वहां था और जितेंद्र का ई-मित्र का काम है। घर पर महिलाएं और बच्चे ही थे। आरोपी लोकेश कलाल, उसका बेटा देवेंद्र, अशोक, दवेंद्र, दल्लो और रविंद्र व अन्य ने ध्रुव को बेरहमी से पीटा। ऐसे में ध्रुव की मां गीता और चाची राजवती हमलावरों से भिड़ गईं। आरोपियों ने दोनों पर धारदार हथियार और लाठियों से हमला किया। सिर में गहरी चोट लगने के कारण राजवती की मौत हो गई, पत्नी भी गंभीर घायल है। पड़ोसियों ने दोनों महिलाओं को बचाने का प्रयास किया। घटना के बारे में पता चला तो मैं और मेरा छोटा भाई जितेंद्र हॉस्पिटल पहुंचे। घायल पत्नी गीता ने पूरी घटना के बारे में हमें बताया। लोकेश पक्ष के लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। शिशुपाल और लोकेश कलाल मौसेरे भाई हैं। दोनों के परिवार पाई गांव ही रहते हैं। जितेंद्र और राजवती के तीन बच्चे हैं जिसमें दो बेटियां और एक बेटा है।

पंजाबी भाषा को बढ़ावा देने का प्रयास करेंगे : अध्यक्ष बग्गा

श्रीगंगानगर (हिंस)। राजस्थान पंजाबी भाषा अकादमी श्रीगंगानगर के अध्यक्ष मनिंद्र सिंह बग्गा शुक्रवार को श्रीगंगानगर पहुंचे। उन्होंने जिला कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिला कलेक्टर से अध्यक्ष पद का कार्यभार ग्रहण किया। इसके बाद वे जिला परिषद परिसर स्थित अकादमी भवन आए। यहां पर उन्होंने कागजी प्रक्रिया पूरी की। यहां से वे सर्किट हाउस पहुंचे। सर्किट हाउस में उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि वे पंजाबीयत और पंजाबी भाषा को बढ़ावा देने का प्रयास करेंगे। मनिंद्र सिंह बग्गा ने कहा कि स्कूलों में पंजाबी संकाय खुलवाने के साथ-साथ जहां पंजाबी भाषा के अध्यापक नहीं हैं, वहां नियुक्ति करवाने का प्रयास करेंगे। अकादमी के खुद के भवन के बारे में अध्यक्ष बग्गा ने कहा कि यूआईटी ने अकादमी भवन के लिए गौतम बुद्ध नगर में जमीन रिजर्व की है, जिसका प्रस्ताव डीएलबी में विचाराधीन है। वहां से जल्द स्वीकृति लेकर पट्टा जारी करवाने और भवन के लिए बजट मंजूर करवाने का प्रयास करेंगे। उन्हें सरकार की ओर से राज्यमंत्री का दर्जा दिया गया है या नहीं के सवाल पर उन्होंने कहा कि इस संबंध में अभी तक उन्हें कोई पत्र नहीं मिला है। मेरा प्रयास रहेगा कि

कम समय में पंजाबी भाषा के लिए ज्यादा से ज्यादा काम किया जाए। इस दौरान विधायक राजकुमार गौड़, डॉ. तेजप्रताप सिंह संधू, डॉ. एनपी सिंह, पंजाबी सभ्याचार सोसाइटी के अध्यक्ष अमरिंद्र सिंह शिल्पी, इंद्रजीत सिंह भाटिया, एडवोकेट राज भूपेंद्र, गुरनाम सिंह, जसपाल भाटिया, केके आहलुवालिया, नवदीप सिंह व गुरचरण सिंह आदि मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि पंजाबी अकादमी के नए भवन में एक लाइब्रेरी भी विकसित की जाएगी, जिसमें पंजाबी का साहित्य उपलब्ध हो सकेगा। अकादमी अध्यक्ष का कार्यकाल बेहद कम रहने के सवाल पर उनका कहना था कार्यकाल भले ही कम हो सरकार फिर से रिपीट होगी और सरकार रिपीट होगी तो पंजाबी अकादमी अध्यक्ष का कार्यकाल भी पूरा होगा। मनिंद्र सिंह बग्गा राजस्थान सिख बोर्ड के जनरल सचिव हैं। वे मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पिछले कार्यकाल में अल्प संख्यक आयोग के सदस्य रह चुके हैं। इसके अलावा इन्हें दो बार देवस्थान बोर्ड का सदस्य बनाया जा चुका है। जयपुर निवासी बग्गा का श्रीगंगानगर से कोई संबंध नहीं हैं, मगर वे यहां के सिख संगठनों से जुड़े लोगों के संपर्क में हैं।

पंजाब पुलिस ने केंद्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर गैंगस्टर सोनू खत्री के तीन शूटरों को गिरफ्तार किया

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने शुक्रवार को केंद्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर गैंगस्टर सोनू खत्री के तीन शूटरों को गिरफ्तार किया है। गैंगस्टर सोनू खत्री को आतंकवादी हरविन्दर रिन्दा का करीबी साथी बताया गया है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने शुक्रवार को बताया कि जालंधर के न्यू दियोल नगर निवासी सुखमनजोत सिंह उर्फ सुखमन बराड़, एसबीएस नगर के गांव लोधीपुर निवासी जसकरन सिंह उर्फ जस्सी लोधीपुर और जालंधर के गांव फलोरीवाल निवासी जोगराज सिंह उर्फ जोगा को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस टीमों ने इनके पास से .32 बोर के तीन विदेशी पिस्तौल भी बरामद किए हैं। डीजीपी ने कहा कि खुफिया जानकारी पर एडीजीपी प्रमोद बान की निगरानी में एजीटीएफ पंजाब की टीमों ने नेपाल भागने की कोशिश कर रहे मुलजिम सुखमन

बराड़ को भारत-नेपाल बॉर्डर से पकड़ा था, जबकि उसके दो अन्य साथियों को गुरुग्राम से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने यह भी बताया कि शूटरों की यह तिकड़ी नेपाल से विदेश भागने के लिए नकली पासपोर्ट तैयार करने की योजना बना रही थी।

मिड-डे मील प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षा मंत्री को मांग-पत्र सौंपा

यमुनानगर (हिंस)। मिड डे मील वर्कर्स यूनियन के प्रतिनिधि मंडल ने अपनी मांगों व समस्याओं को लेकर शुक्रवार को शिक्षा मंत्री कंवरपाल गुर्जर के आवास पर उनसे मुलाकात की। राज्य महासचिव शरबती, जिला प्रधान नीलम भट्टी ने शिक्षा मंत्री को बताया कि पिछले विधानसभा सत्र में आपने मिड डे मील वर्कर्स की समस्याओं के बारे में कोई बात नही रखी। जिस पर शिक्षा मंत्री ने जवाब देते हुए कहा कि हमारी खुद की सरकार है। हम सत्र में कैसे आवाज उठा सकते हैं, लेकिन शिक्षा विभाग में इन समस्याओं के बारे जल्द बात करूंगा। जल्द ही बजट निकलवाकर पिछले 4 महीने के मानदेय को जल्द ही जारी करवा दिया जाएगा। राज्य महासचिव शरबती ने बताया कि प्रदेश भर में कार्यरत तमाम मिड डे मील वर्कर्स को पिछले 4 महीने से मानदेय नहीं मिलने से भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा

राजकीय स्कूलों में पहली से आठवीं कक्षा में पढ़ रहे विद्यार्थियों को दिए जाने वाले मिड डे मील (एमडीएम) के राशन में शिक्षा विभाग द्वारा की गई कटौती की गई है। उन्होंने कहा कि स्कूल में पकने वाले मिड डे मील की रेसिपी को लेकर नए चार्ट के हिसाब से राशन बनाना आसान नहीं है।

आयुष्मान कार्ड से वंचित पात्रों को कार्ड बनवाने के लिए अधिकारी करें प्रोत्साहित : अजय

रोहतक (हिंस)। उपायुक्त अजय कुमार ने कहा कि सरकार द्वारा 13 सितंबर को आयुष्मान भव अभियान लांच किया जाएगा। इसके तहत अनेक गतिविधियां आयोजित होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जिला में आयुष्मान योजना के शेष लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए प्रोत्साहित करे। उन्होंने कहा कि योजना से वंचित रहे पात्र परिवार 17 सितंबर से 31 दिसंबर तक अपने नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर पर जाकर अपने कार्ड बनवा सकते है। शुक्रवार को उपायुक्त लघु सचिवालय स्थित सभागार में आयुष्मान भवरू कार्यक्रम को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे थे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत पात्र परिवारों को प्रति परिवार प्रति वर्ष पांच लाख रुपए का स्वास्थ्य बीमा दिया गया है। हरियाणा सरकार

द्वारा इस योजना का दायरा बढ़ाते हुए चिरायु हरियाणा के तहत एक लाख 80 हजार रुपए से कम वार्षिक आय वाले परिवारों को भी प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत पांच लाख रुपए तक स्वास्थ्य बीमा का लाभ दिया जा रहा है। सरकार द्वारा वार्षिक आय की सीमा को तीन लाख रुपए तक बढाया जा रहा है तथा ऐसे परिवारों को केवल 15 सौ रुपए प्रति वर्ष का भुगतान करने पर योजना का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भव विशेष अभियान नागरिकों के लिए सभी स्वास्थ्य सेवाओं का आधार होगा। चार माह तक चलने वाले अभियान से हर घर तक पहुंच कर सभी लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं में शामिल किया जाएगा। इस दौरान आयुष्मान आपके द्वार, आयुष्मान सभाएं, आयुष्मान मेले, आंगनबाड़ी और सरकारी स्कूलों के सभी बच्चों की स्क्रीनिंग, आयुष्मान ग्राम पंचायत व सेवा पखवाड़ा सहित सात मुख्य स्वास्थ्य विषयों पर विभाग के पदाधिकारी नागरिकों तक पहुंचेगें और उनका जीवन सुखमय बनाने की दिशा में कार्य करेंगे। उन्होंने बताया कि आयुष्मान आपके द्वार के तहत गांव, खंड एवं जिला स्तर पर आयुष्मान भारत चिरायु स्कीम के 1.80 लाख रुपए तक आय वाले परिवारों के निशुल्क तथा 3 लाख रुपए तक की आय वाले परिवारों से 1500 रुपए प्रति परिवार प्रति वर्ष लेकर नागरिकों के स्वास्थ्य कार्ड बनाए जांएगे। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. अनिल बिरला, अंजलि श्रोत्रिय, जितेंद्र शर्मा प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

फॉक्सकॉन अध्यक्ष बोले–भारत चीन से बेहतर, जल्दी बनेगा उत्पादन हब; ड्रैगन को लेकर कही यह बात

नई दिल्ली।

दुनिया की प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स व सेमीकंडक्टर कंपनी फॉक्सकॉन के प्रमुख यंग लू ने दावा किया है कि चीन को विश्व का उत्पादन हब बनाने में करीब 30 साल लग गए थे। इसकी तुलना में भारत इतना वक्त नहीं लेगा। उन्होंने भारत में पीएम मोदी के मेक इन इंडिया विजन को समर्थन में कहा कि यहां हुए सुधारों और नीतियों ने इलेक्ट्रॉनिक उत्पादन के लिए इकोसिस्टम के विकास के लिए विराट अवसर पैदा कर दिए हैं।

एक कार्यक्रम में पत्रकारों ने बातचीत में उनसे पूछा कि भारत में मेक इन इंडिया के तहत मोबाइल फोन के बाद टैबलेट और लैपटॉप भी बनाए जाने लगे हैं। यहां उत्पादन को लेकर वे क्या सोचते हैं जवाब में होनहाई टेक्नोलॉजी ग्रुप के नाम से जानी जाने वाली कंपनी फॉक्सकॉन के अध्यक्ष यंग ने कहा, 'हमने इतिहास में हमने देखा है कि चीन को उत्पादन इको-सिस्टम बनाने में 30 साल लग गए थे।

इसमें शक नहीं कि भारत को भी ऐसा करने में उचित समय लगेगा लेकिन उसके पास व्यापक अनुभव है, इसलिए उसे ऐसा इको-सिस्टम बनाने में कम समय लगेगा।

मददगार होगा एआई

यंग लू ने कहा, भारत के सामने बहुत कुछ वैसी ही परिस्थितियां आएंगी, जैसी चीन के सामने विकसित होते वक्त आईं। फिर भी 30 साल पहले के मुकाबले इस बार चीजें अलग होंगी। आज वातावरण 3 दशक पहले जैसा नहीं है। उस समय हमारे पास जनरेटिव एआई या किसी अन्य तरह का एआई नहीं था, आज है।

भारत महत्वपूर्ण देश बनने जा रहा

यंग ने कहा, 'बीते कुछ वर्षों में भारत में हो रहे विकास को हर कोई देख सकता है। अब समय आ गया है। एक देश के तौर पर पूरी तरह विकसित होने की भारत की बारी है। अगर चीजों में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ तो भविष्य में उत्पादन के मामले में भारत एक बहुत महत्वपूर्ण देश बनने जा रहा है।

भारत में विकास के बड़े अवसर

उन्होंने पूछा कि क्या भारत का विकास पूरी तरह इतिहास में हुए अन्य देशों के विकास की तरह होगा फिर कहा, 'मुझे नहीं लगता कि हमें इतिहास के आधार पर अनुमान लगाने चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

सोना-चांदी में तेजी: सोना साढ़े 59 हजार और चांदी साढ़े 72 हजार के करीब पहुंची

नई दिल्ली। सर्राफा बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में बढ़त देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक, सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोने के दाम 106 रुपए चढ़कर 59,295 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गए हैं। वहीं 22 कैरेट सोने की कीमत 54,314 रुपए हो गई है। चांदी की कीमत में भी बढ़त देखने को मिली है। ये 182 रुपए महंगी होकर 71,352 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। इससे पहले ये 71,170 रुपए पर थी। केडिया एडवायजरी के डायरेक्टर अजय केडिया के अनुसार कुछ महीने हल्की राहत के बाद एक बार फिर महंगाई बढ़ने लगी है। इसे कम करने के लिए अमेरिका और यूरोप में ब्याज दरें बढ़ाने का सिलसिला जारी है। इस बीच शेयर बाजार तेजी के सारे रिकॉर्ड तोड़ने के बाद मुनाफा वसूली के दबाव में है। इससे सोने में निवेश की जमीन तैयार हो रही है। दो साल में यह 27प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न दे सकता है। वायदे में सोना अभी 60,000 रुपए और सर्राफा बाजार में 59,500 रुपए से नीचे है। इस साल यह 65,000 और जून 2025 तक 75,000 रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकता है। अभी निवेश करने पर दो साल में सोना 27प्रतिशत रिटर्न दे सकता है। अगर आप इन दिनों सोना खरीदने का प्लान बना रहे हैं तो, ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। नए नियम के तहत एक अप्रैल से छह डिजिट वाले अल्फान्यूमेरिक हॉलमार्किंग के बिना सोना बेचने पर रोक लगा दी गई है। जैसे आधार कार्ड पर 12 अंकों का कोड होता है, उसी तरह से सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड होगा। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर कहते हैं। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- हॉलमार्किंग के जरिए ये पता करना संभव हो गया है कि कोई सोना कितने कैरेट का है।

निवेश से पहले रूल-72 सहित ये 5 फॉर्मूले रखें ध्यान: ये आपको निगेटिव रिटर्न से बचाएगा और सही प्लानिंग करने में मिलेगी मदद

नई दिल्ली। अगर आप अपने निवेश का सफर शुरू करने की योजना बना रहे हैं, तो अभी शुरुआत करें। अगर आप देर से निवेश करना शुरू करते हैं तो यह सुनिश्चित कीजिए कि निवेश के लिए ऐसे प्लान का चयन करें, जो आपके बर्बाद हुए समय की क्षतिपूर्ति करने में मदद कर सकते हों। निवेश का सफर शुरू करने से पहले दो चीजों को हमेशा ध्यान में रखना चाहिए। समय और निवेश पर मिलने वाला रिटर्न। यहां हम आपको कुछ ऐसे 5 फाइनेंशियल रूल्स (नियम) या फॉर्मूलों के बारे में बता रहे हैं, जिससे आपके लिए चीजें काफी स्पष्ट और आसान हो जाएंगी। इस नियम के अनुसार 70 को मौजूदा महंगाई दर से भाग देकर ये पता कर सकते हैं कि आपके निवेश का मूल्य कितनी तेजी से घटकर आधा रह जाएगा। उदाहरण के लिए जैसे अभी महंगाई दर 5प्रतिशत है तो आपके पैसे का मूल्य करीब 14 साल में घटकर आधा रह जाएगा। यानी अगर आप अपने 100 रुपए की वैल्यू 100 रुपए बनाए रखना चाहते हैं तो आपको कहीं ऐसी जगह निवेश करना होगा जहां से आपको सालाना 5प्रतिशत रिटर्न मिले। यह नियम उतना ही स्पष्ट है, जितना इसके नंबर। आपको अपनी रकम को तीन हिस्सों में बांटना होगा। टैक्स के बाद 50प्रतिशत सैलरी को घरेलू खर्चों के लिए रखना होगा। 20प्रतिशत को थोड़े-थोड़े समय पर पड़ने वाली जरूरतों के लिए रखना होगा और 30प्रतिशत का निवेश भविष्य में पड़ने वाली जरूरतों के लिए करना होगा। यह नियम पैसे को दोगुना करने में लगने वाला समय बताता है। संभावित रिटर्न या ब्याज दर से 72 को भाग दें और देखें। एसआईपी में निवेश पर आपको 15प्रतिशत रिटर्न मिलता है, तो इसे डबल करने में लगने वाले समय को निकालने के लिए 72 को 15 से भाग दे सकते हैं, जो 4.8 साल के बराबर होगा। यानी आपका पैसा 4.8 साल में 2 गुना हो जाएगा। यह नियम रकम तिगुना करने में लगने वाले समय का हिसाब देता है। 114 को आप संभावित ब्याज दर से भाग देकर ये समय निकाल सकते हैं। उदाहरण के लिए अगर निवेश से आपको सालाना 15प्रतिशत रिटर्न मिलता है तो 114 को 15 से भाग दीजिए, जो 7.6 साल के बराबर है। यानी आपका पैसा 7.6 साल में 3 गुना हो जाएगा। यह संपत्ति का आवंटन करने के संबंध में हैं। 100 में से अपनी उम्र को घटा दीजिए। जो नंबर आपको मिलेगा, वह प्रतिशत होगा, जिसका आपको शेयर बाजार में निवेश करना चाहिए।

चीन में आईफोन बैन, रिपोर्ट के बाद एपल शेयर गिरे

दो दिन में करीब 6प्रतिशत टूटे शेयर, चीन में आईफोन की बिक्री 5प्रतिशत तक घट सकती है

वॉशिंगटन।

चीन में सरकारी कर्मचारियों के आईफोन इस्तेमाल के रोक की रिपोर्ट के बाद एपल के शेयरों में लगातार दूसरे दिन गिरावट आई है। पिछले दो दिनों में कंपनी के शेयर करीब 6प्रतिशत टूटे है। गुरुवार को ये 5.35 डॉलर या 2.92प्रतिशत नीचे 177.56 डॉलर पर बंद हुए। एपल का तीसरा सबसे बड़ा बाजार चीन है। इसका पिछले साल के कुल राजस्व 394 बिलियन डॉलर में 18प्रतिशत हिस्सा था। चीन में एपल के सबसे ज्यादा प्रोडक्ट भी मैन्युफैक्चर किए जाते हैं। सरकारी कर्मचारियों पर प्रतिबंध से चीन में आईफोन की बिक्री 5प्रतिशत तक कम हो सकती है।

चीन में सरकारी अधिकारियों के आईफोन इस्तेमाल पर रोक

दो दिन पहले वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया था कि चीन ने अमेरिकी कंपनी एपल सहित दूसरे देशों के डिवाइस के यूज पर रोक लगा दी है। हालांकि, यह रोक केवल सरकारी अधिकारियों पर लागू होगी। अधिकारियों से कहा गया है कि वह ऑफिस में इन डिवाइसों को न लाएं और न ही काम के लिए यूज करें। चीन की सरकार ने अधिकारियों को देश में बने फोन को इस्तेमाल करने के लिए कहा है। रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने एपल के अलावा अन्य फोन मैन्युफैक्चरर का नाम नहीं लिया है। अभी तक एपल ने इसके बारे में कोई भी प्रतिक्रिया नहीं दी है। वहीं, चीन की सरकार ने भी इस पाबंदी के बारे में ऑफिशियल तौर कोई भी जानकारी नहीं दी है।

एपल के वंडरलस्ट इवेंट से पहले लगाया प्रतिबंध

चीन ने सरकारी अधिकारियों के आईफोन इस्तेमाल करने पर यह प्रतिबंध ऐसे समय में लगाया है, जब कंपनी 12 सितंबर को कैलिफोर्निया में वंडरलस्ट इवेंट करने वाली है। इस इवेंट में एपल आईफोन 15 सीरीज के साथ एपल वॉच सीरीज 9 और एपल वॉच अल्ट्रा 2 को भी लॉन्च कर सकता है।

18प्रतिशत आईफोन मैन्युफैक्चरिंग को भारत शिफ्ट कर सकता है एपल

एपल 2025 तक 18प्रतिशत ग्लोबल आईफोन मैन्युफैक्चरिंग को भारत शिफ्ट करने पर विचार कर रहा है। बैंक ऑफ अमेरिका की रिपोर्ट के अनुसार, भारत सरकार की प्रोडक्शन-लिंक्ड इन्सेंटिव स्कीम एपल को देश में मैन्युफैक्चरिंग कैपेसिटी बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। बैंक ऑफ अमेरिका ने अपने रिपोर्ट में कहा है कि सरकार की पीएलआई स्कीम केवल एपल की नहीं, बल्कि इंडिया की मदद कर सकती है। यह स्कीम वित्त वर्ष 2026 तक मोबाइल फोन का डोमेस्टिक प्रोडक्शन 3 गुना बढ़ाकर 126 अरब डॉलर और निर्यात 5 गुना बढ़ाकर 55 अरब डॉलर करने के लक्ष्य को पूरा करने में मदद कर सकती है। जियो पॉलिटिकल टेंशन और कोरोना महामारी के बाद एपल समेत अन्य अमेरिकी टेक दिग्गज भी चीन के बाहर अपनी मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी के विस्तार पर काम कर रहे हैं।

रूस आईफोन से अमेरिका पर जासूसी करने आरोप लगा चुका है

तीन महीने पहले रूस ने अमेरिका पर आईफोन से जासूसी करने का आरोप लगाया था। हालांकि, एपल ने सभी आरोपों को खारिज किया था। एपल ने कहा था, हमने कभी भी किसी देश की सरकार के साथ मिलकर फोन में छेड़छाड़ नहीं की है और न ही कभी करेंगे।

अब केवल 10 दिनों में प्रोसेस होगा वेरिफाइड आईटीआर

पिछले वित्त वर्ष में यह 16 दिन था, अब तक 6 करोड़ वेरिफाइड रिटर्न की प्रोसेस

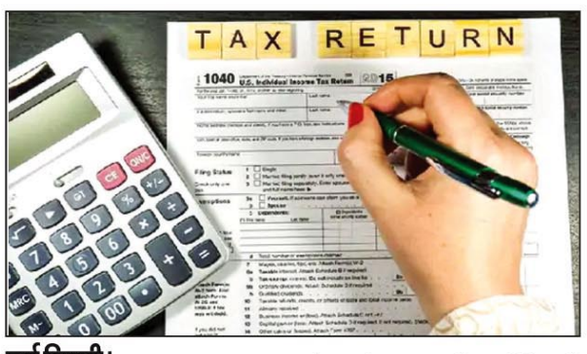

नई दिल्ली।

सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेस ने इनकम टैक्स रिटर्न वेरिफाई होने के बाद उसके प्रोसेस होने की टाइमिंग घटाकर 10 दिन कर दी है। सीबीडीटी ने बताया कि असेसमेंट ईयर 2022-23 के लिए इसकी टाइमिंग 16 दिन और उसके पहले 2019-20 में यह 82 दिन की थी।

इस साल टोटल 6.98 करोड़ रिटर्न फाइल किए गए हैं, जिनमें से 6 करोड़ यानी करीब 88प्रतिशत का वेरिफिकेशन पूरा हो गया है। सीबीडीटी ने 5 सितंबर को जारी एक प्रेस रिलीज में बताया की असेसमेंट ईयर 2023-24 के लिए फाइल किए गए टोटल आईटीआर में से 14 लाख फाइलिंग अब तक वेरीफाई नहीं किए गए हैं। इस पर वित्त मंत्रालय ने कहा- जिन लोगों ने अब तक अपना आईटीआर फॉर्म वेरीफाई नहीं किया है, उन्हें जल्द कर लेनी चाहिए। क्योंकि, वेरिफिकेशन के बिना आपको रिफंड नहीं मिलेगा नियमों के मुताबिक, आपकी फाइलिंग तभी पूरी मानी जाएगी, जब आपका फॉर्म वेरीफाई हो जाएगा। वहीं करीब 12 लाख ऐसे टैक्सपेयर्स हैं, जिन्होंने वेरिफिकेशन पूरा कर लिया है और डिपार्टमेंट उनसे बाकी जरूरी सूचना के लिए जवाब का इंतजार कर रहा है। फाइनेंशियल ईयर 2022-23 के लिए फाइल किए गए इनकम टैक्स रिटर्न को वेरिफाई करने का आखिरी मौका 31 अगस्त था। वहीं इसे फाइल करने की लास्ट डेट 31 जुलाई थी। इसको लेकर इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने एक पोस्ट शेयर कर लोगों से जल्द वेरिफाई करने करने के लिए कहा था। डिपार्टमेंट ने यह भी बताया कि वेरिफाई करने में देरी होने पर इनकम-टैक्स एक्ट 1961 के तहत आपको लेट फीस भी देनी पड़ सकती है। देरी ना करें, आज ही अपना आईटीआर वेरिफाई करें। अगर आपने तय समय के अंदर आईटीआर फाइल कर दिया है। लेकिन, वेरीफाई समय पर नहीं करते हैं तो आपको 5,000 का जुर्माना भरना पड़ सकता है। इसके अलावा आपका फॉर्म भी रिजेक्ट हो सकता है, जिस पर बाद में फाइन भी लग सकता है। इनकम टैक्स रिटर्न फाइल को वेरिफाई करने के लिए पैन से आधार का लिंक होना जरूरी है।

अगस्त में वेज-थाली की कीमत 24प्रतिशत बढ़ी

नॉन-वेज थाली के रेट में 13प्रतिशत की बढ़त टमाटर के भाव ने बढ़ाए थाली के दाम

नई दिल्ली।

भारत में एक वेजिटेरियन थाली की कीमत अगस्त में सालाना आधार पर 24प्रतिशत बढ़ी है। क्रिसिल ने जारी किए अपने फूड प्लेट कॉस्ट के मंथली इंडिकेटर में इस बात की जानकारी दी है। क्रिसिल की रोटी राइस रेट रिपोर्ट के मुताबिक, वेजिटेरियन थाली की कीमत बढ़ने का 21प्रतिशत कारण टमाटर की महंगाई को माना जा सकता है। वहीं महीने-दर-महीने की बात करें तो वेजिटेरियन थाली की कीमत में जुलाई की तुलना में अगस्त में 0.6प्रतिशत की मामूली गिरावट देखने को मिली है। जुलाई में वेजिटेरियन थाली की कीमत 28प्रतिशत ऊपर रही थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि मुख्य रूप से टमाटर की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण इस फाइनेंशियल ईयर में दूसरी बार थाली की कीमतें बढ़ीं हैं। जून में टमाटर की कीमतें 33 रुपए प्रति किलोग्राम थीं और जुलाई-अगस्त में यह 250 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गईं थीं। क्रिसिल की रिपोर्ट के अनुसार, प्याज की कीमत में 8प्रतिशत, मिर्च की कीमत में 20प्रतिशत और जीरे की कीमत में 158प्रतिशत की ग्रोथ हुई है। वहीं नॉन वेजिटेरियन थाली की कीमत अगस्त में सालाना आधार पर 13प्रतिशत बढ़ी है। हालांकि, नॉन-वेज थाली की कीमत सालाना आधार पर धीमी गति से बढ़ी है। क्योंकि, ब्रॉयलर यानी चिकन की कीमत सालभर में 1 से 3प्रतिशत ही बढ़ी है। नॉन-वेज थाली की टोटल कॉस्ट में ब्रॉयलर की हिस्सेदारी 50प्रतिशत की होती है। वहीं महीने-दर-महीने की बात करें तो नॉन वेज थाली की कीमत में जुलाई की तुलना में अगस्त में 0.4प्रतिशत की मामूली गिरावट देखने को मिली है। वेजिटेबल ऑयल की कीमत में 17प्रतिशत और आलू की कीमत में 14प्रतिशत की गिरावट से महीने-दर-महीने आधार पर दोनों थालियों की कीमत में कुछ हद तक कम देखने को मिली है।

रेल नेटवर्क और बंदरगाहों को जोड़ने के लिए भारत, अमेरिका व सऊदी अरब में हो रही बातचीत, रिपोर्ट्स में दावा

नई दिल्ली।

अमेरिका, भारत, सऊदी अरब और अन्य देशों के नेता रेल नेटवर्क और बंदरगाहों से जुड़े संभावित बुनियादी ढांचे के सौदे पर बातचीत कर रहे हैं, मीडिया रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी गई है। एक वैश्विक समाचार एजेंसी के अनुसार, बातचीत की जानकारी सबसे पहले अमेरिकी न्यूजलेटर एक्सियोस में दी गई थी। अमेरिकी न्यूजलेटर के अनुसार, यह नई परियोजना महत्वपूर्ण पहल हो सकती है जिसे व्हाइट हाउस मध्य पूर्व में आगे बढ़ा रहा है जहां चीन का प्रभाव बढ़ रहा है और मध्य पूर्व के देश बीजिंग के बेल्ट एंड रोड विजन का एक प्रमुख हिस्सा हैं। बाइडन प्रशासन सऊदी अरब के साथ एक बड़े समझौते के लिए अपने कूटनीतिक प्रयासों को पूरा करना चाहता है, जिसमें 2024 के राष्ट्रपति चुनाव अभियान से पहले राज्य और इजरायल के बीच एक सामान्यीकरण समझौता शामिल हो सकता है। सूत्रों ने कहा कि एक्सियोस के अनुसार, इस परियोजना से रेलवे के नेटवर्क के माध्यम से लेवेंट और खाड़ी में अरब देशों को जोड़ने की उम्मीद है जो खाड़ी में बंदरगाहों के माध्यम से भारत से भी जुड़ेगा। एक्सियोस ने दो सूत्रों के हवाले से कहा कि इस नई पहल का विचार पिछले 18 महीनों में आई2यू2 नामक एक अन्य मंच पर हुई बातचीत के दौरान आया, जिसमें अमेरिका, इजरायल, संयुक्त अरब अमीरात और भारत शामिल हैं। मंच की स्थापना 2021 के अंत में मध्य पूर्व में रणनीतिक बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर चर्चा करने और क्षेत्र में बीजिंग के बढ़ते प्रभाव के जवाब के रूप में काम करने के लिए की गई थी। इजरायल ने पिछले साल आई2यू2 बैठकों के दौरान रेलवे के माध्यम से इस क्षेत्र को जोड़ने का विचार उठाया था। एक सूत्र ने कहा कि विचार का एक हिस्सा इस तरह की बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर भारत की विशेषज्ञता का उपयोग करना था। एक्सोइस ने सूत्र का हवाला देते हुए बताया कि बाइडन प्रशासन ने तब सऊदी अरब की भागीदारी को शामिल करने के विचार का विस्तार किया। इससे पहले मई में खबर आई आई थी कि सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात समेत कई खाड़ी देशों में जल्द भारत की बनाई ट्रेन दौड़ सकती है।

आधार फ्री में अपडेट करने की डेडलाइन फिर बढ़ी: 14 दिसंबर तक नहीं देनी होगी फीस

नई दिल्ली।

यूनिक आईडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने फ्री में आधार अपडेट करने के लिए डेडलाइन को 3 महीने के लिए बढ़ा दिया है। अब आप अपने आधार को 14 दिसंबर तक फ्री में अपडेट कर सकेंगे और इसके लिए कोई चार्ज नहीं देना होगा। इसके बाद आधार अपडेट करने के लिए चार्ज देना होगा।

पहले ये डेडलाइन 14 जून तक थी, लेकिन इसे 3 महीने बढ़ाकर 14 सितंबर किया गया था। सर्कुलर के अनुसार, ये पहल खास तौर पर उन लोगों के लिए शुरू की है, जिन्हें 10 साल पहले आधार कार्ड मिला था और अभी तक एक बार भी अपडेट नहीं कराया है।

ऑफिशियल वेबसाइट पर खुद कर सकते हैं अपडेट

आधार अपडेट करने के लिए यूजर्स की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर खुद ही अपनी डिटेल्स अपडेट कर सकते हैं। इसमें डेमोग्राफिक डेटा ही ऑनलाइन अपडेट किया जा सकता है। आप खुद से आधार अपडेट नहीं कर सकते हैं तो पास के आधार सेंटर जाकर भी ये काम करवा सकते हैं, लेकिन यहां हर डिटेल्स (डेमोग्राफिक और बायोमेट्रिक डेटा) अपडेट करने के लिए 50 रुपए फीस देनी होगी। ऑनलाइन आधार अपडेट करने के लिए आपका मोबाइल नंबर अपडेट होना जरूरी है। नहीं तो आधार ऑनलाइन अपडेट नहीं होगा। मोबाइल नंबर आधार सेंटर पर ही अपडेट किया जा सकता है। डिटेल्स अपडेट करने के बाद आपको एक सर्विस रिक्वेस्ट नंबर भी मिलेगा। इसके जरिए आप चेक कर सकते हैं कि आपके आधार में डिटेल्स कब तक अपडेट हो जाएंगी।

अधार अपडेट करने के लिए पूरी प्रोसेस

एड्रेस प्रूफ के साथ ऐसे करें आधार में पता अपडेट, सबसे पहले आधिकारिक साइट पर जाएं।, यहां लॉगिन करने के लिए आपको अपना 12 अंकों का आधार नंबर डालना होगा। इसके बाद कैप्चा कोड डालकर सेंड पर क्लिक करें।, इसके बाद आपके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी आएगा। उसे डालकर लॉगिन करें। , अब आधार अपडेट ऑप्शन पर जाएं। इसके बाद प्रोसीड टू आधार अपडेट के ऑप्शन पर क्लिक करें।, इसके बाद अगले पेज पर एड्रेस पर सिलेक्ट करके प्रोसीड टू आधार अपडेट के ऑप्शन पर क्लिक करें। , ऐसा करने पर आपके सामने आपका मौजूदा एड्रेस आजाएगा।, इसके बाद आप जो एड्रेस अपडेट करना चाहते हैं उसका ऑप्शन आएगा। , यहां आपको अपने नए एड्रेस की जानकारी भरनी होगी। , इसके बाद एक डॉक्यूमेंट सबमिट करना होगा जिस पर आपको नया एड्रेस हो।,इसके बाद आपको नीचे दिए दोनों चेक बॉक्स पर क्लिक करके नेस्ट पर क्लिक करना होगा। , अब आपके सामने पेमेंट का ऑप्शन आएगा। यहां आप यूपीआई नेट बैंकिंग या कार्ड जैसे भी चाहें पेमेंट कर सकते हैं।, पेमेंट पूरा होते ही आपको एक रसीद मिलेगी। इसके बाद करीब 30 दिन में आपका आधार अपडेट हो जाएगा।, बिना डॉक्यूमेंट के भी अपडेट कर सकते हैं पता, परिवार के मुखिया की इजाजत से आधार में ऑनलाइन पता अपडेट करने की सुविधा भी देता है। इसके तहत घर का मुखिया ऑनलाइन आधार एड्रेस अपडेट के लिए अपने बच्चे, पति या पत्नी, माता-पिता के एड्रेस को अप्रूव कर कर सकता है। 18 साल से ज्यादा आयु का कोई भी व्यक्ति हो सकता है।

ये है पूरी प्रोसेस

सबसे पहले आपको आधार वेबसाइट पर जाएं।, हां लॉगिन करने के लिए आपको अपना 12 अंकों का आधार नंबर डालना होगा। इसके बाद कैप्चा कोड डालकर सेंड ओटीपी पर क्लिक करें। , इसके बाद आपके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी आएगा। उसे डालकर लॉगिन करें।, इसके बाद आपको ऑनलाइन अपडेट सर्विस का ऑप्शन मिलेगा, इसे चुनें।, इसके बाद आपको बेस्ड आधार अपडेट पर क्लिक करें।, इसके बाद आधार नंबर दर्ज करना होगा।, इसके बाद आपको 50 रुपए सर्विस चार्ज देना होगा। , इसके बाद एचओएफ के पास एड्रेस अपडेट की रिक्वेस्ट भेजी जाएगी।,इसके बाद एचओएफ को अपनी इजाजत देनी होगी।, वहीं अगर एचओएफ एड्रेस शेयर करने की रिक्वेस्ट रिजेक्ट कर देता है, तो आपका आधार एड्रेस अपडेट नहीं होगा।

भूत पुलिस के सीक्वल की चल रही तैयारी

-सीक्वल में कौन से सितारे नजर आएंगे, अभी खुलासा नहीं

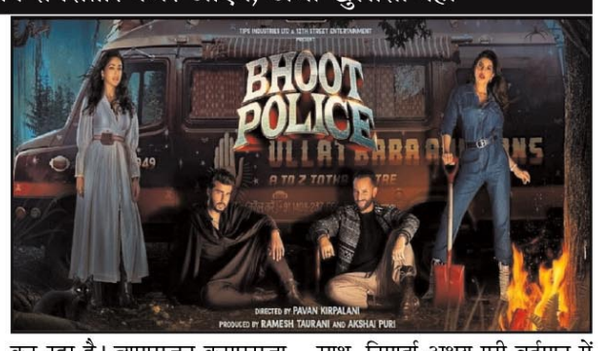

मुंबई (ईएमएस)। बीते साल 2021 में रिलीज हुई भूत पुलिस के सीक्वल की तैयारी शुरू हो चुकी है। इस फिल्म के सीक्वल में कौन से सितारे नजर आएंगे, अभी खुलासा नहीं हो सका है। भूत पुलिस में सैफ अली खान, अर्जुन कपूर, जैकलीन फर्नांडीज और यामी गौतम ने लीड रोल निभाया था और इसका निर्देशन पवन कृपलानी ने किया था। अब इस-ाके निमार्ता इसका दूसरा भाग लेकर आने की तैयारी में हैं। गत वर्ष अक्टूबर में, सैफ अली खान ने बताया था, मुझे भूत पुलिस की स्क्रिप्ट और मेरा रोल दोनों ही पसंद आया। यह ओटीटी प्लेटफॉर्म पर सबसे ज्यादा देखी जाने वाली फिल्मों में से एक बनी हुई है और मैं इसका सीक्वल करने के लिए भी बहुत उत्सुक हूं। इसके अतिरिक्त, 12वीं स्ट्रीट एंटरटेनमेंट 2010 की दक्षिण भारतीय नव-नोयर फिल्म अरण्य कांडम के रीमेक के लिए भी तैयारी कर रहा है। त्यागराजन कुमारराजा द्वारा लिखित और निर्देशित तमिल भाषा के अपराध नाटक में जैकी श्र-ॉफ, रवि कृष्णा, संपत राज, यास्मीन पोनप्पा, गुरु सोमसुंदरम और मास्टर वसंत हैं। यह फिल्म 2010 में रिलीज हुई थी। सुजॉय घोष द्वारा निर्देशित और अमिताभ बच्चन और तापसी पन्नू अभिनीत बदला जैसी सफल फिल्मों और सारा अली खान, विक्रांत मैसी और चित्रांगदा सिंह अभिनीत एक मनोवैज्ञानिक थ्रिलर गैसलाइट के साथ, निमार्ता अक्षय पुरी वर्तमान में कई परियोजनाओं की तैयारी कर रहे हैं। हालांकि, फिल्म के सीक्वल के कलाकारों और कहानी के बारे में अभी तक ज्यादा खुलासा नहीं किया गया है और जल्द ही अधिक विस्तृत घोषणा की उम्मीद है। वहीं बात करें फिल्म की तो भूत पुलिस हॉरर कॉमेडी फिल्म है, जिसका निर्देशन पवन कृपलानी ने किया है, जबकि इसका निर्माण रमेश तौरानी और आकाश पुरी ने किया है।

वीडियो देख सनी के बेटे की हर कोई कर रहा तारीफ

-करण ने शाहरुख खान के छुए थे पैर

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्टर सनी देओल के बड़े बेटे करण का एक वीडियो सामने आया है, जिसे देखने के बाद हर कोई तारीफों के पुल बांध रहा है और संस्कार का जिक्र कर रहा है। दरअसल, हाल ही में सनी देओल की फिल्म गदर 2 की सक्सेस पार्टी में पूरी देओल फैमिली के साथ बॉलीवुड के तमाम दिग्गज पहुंचे थे। पार्टी में करण देओल, पत्नी द्दशा आचार्य, भाई राजवीर देओल और पापा सनी देओल के साथ नजर आ रहे हैं। इस पार्टी में जवान एक्टर शाहरुख खान ने भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। शाहरुख को पार्टी में देखकर हर कोई काफी खुश था। इस दौरान सभी ने शाहरुख के साथ बात की और उनके साथ फोटो क्लिक कराया। इसी दौरान करण, शाहरुख को देखते ही नीचे झुककर उनके पैर छूते हैं। ऐसे में शाहरुख उन्हें बड़े ही प्यार से उठाते हैं और उनके गालों पर हाथ रखते हैं। इसके बाद सनी अपनी बहू और बेटे को शाहरुख के बगल में खड़ा करके फोटो क्लिक कराते हैं। इस वीडियो के सामने आते ही सोशल मीडिया पर हर कोई सनी देओल के बेटे करण की जमकर तारीफ कर रहा है। हर कोई उनके संस्कारों की तारीफ करता नजर आ रहा है। एक ने कमेंट करते हुए लिखा, संस्कार....। एक दूसरा यूजर लिखता है, इसी को संस्कार कहते हैं जो बड़ों के पैर छुए। साथ ही तमाम लोगों ने रेड हार्ट इमोजी से अपनी फीलिंग्स बयां की। वहीं, कई यूजर्स गदर एक्टर उत्कर्ष शर्मा के बारे में पूछते नजर आ रहे हैं कि वो कहां हैं।

बता दें कि गदर 2 ने 4 हफ्तों में ही 500 का आंकड़ा पार कर लिया है। ऐसे में अब चौथे सोमवार को इस फिल्म ने 503 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर ली है। वहीं, अब कल से सनी की फिल्म गदर 2 का सीधा मुकाबला शाहरुख की फिल्म जवान से होने जा रही है। जवान 7 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। अब देखना दिलचस्प होगा कि इससे तारा सिंह की दहाड़ पर कितना असर पड़ता है। बता दें कि बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर धर्मेंद्र का परिवार इंडस्ट्री में कई सालों से राज कर रहा है। धर्मेंद्र के दोनों बेटे सनी देओल और बॉबी देओल के बाद अब उनके पोते भी फिल्मी दुनिया में अपनी पहचान बनाने के लिए जुट गए हैं। एक तरफ जहां सनी देओल अपनी सुपरहिट फिल्म गदर 2 की छप्पर फाड़ कमाई को लेकर खुश हैं। वहीं, दूसरी तरफ उनके छोटे बेटे राजवीर देओल की डेब्यू फिल्म दोनों जल्द ही रिलीज होने वाली है।

करीना ने किया फिल्म जाने जान से ओटीटी डेब्यू

-एक्ट्रेस ने जाने जान का ट्रेलर जारी

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड अभिनत्री करीना कपूर खान फिल्म जाने जान से डिजिटल प्लेटफॉर्म यानी ओटीटी पर कदम रख रही हैं। उन्होंने फिल्म का ट्रेलर दर्शकों के बीच पेश किया है। यह एक बेहतरीन क्राइम थ्रिलर फिल्म लग रही है। करीना का गंभीर और आक्रामक अवतार फैंस में उत्सुकता जगाता है। अभिनेता जयदीप अहलावत ने भी ध्यान खींचा है। ट्रेलर में विजय वर्मा के साथ करीना के रोमांस की झलक देखने को मिली। इस फिल्म के निर्देशक सुजॉय घोष हैं। प्रोडक्शन का काम एकता कपूर ने संभाला है। यह जापानी लेखक हिगाशिनो कीगो के 2005 के सबसे ज्यादा बिकने वाले उपन्यास द डि-वोशन ऑफ सस्पेक्ट एक्स का रूपांतरण है। फिल्म करीना के जन्मदिन 21 सितंबर पर नेटफ्लिक्स पर आएगी। बता दें कि करीना निर्देशक हंसल मेहता की अगली फिल्म में भी काम कर रही हैं। वे इसमें एक पुलिसकर्मी की भूमिका में हैं। करीना के पास द क्रू, सिंघम अगेन और वीरे दी वेडिंग का सीक्वल भी है। हाल ही में फिल्म जाने जान का पोस्टर करीना ने करीना नेसोशल मीडिया पर प्रशंसकों के साथ शेयर किया था।

इंडिया-भारत के विवाद में कूदी कंगना

केंद्र की मोदी सरकार द्वारा देश का नाम इंडिया से बदलकर भारत करने की चर्चा के बीच बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत ने विवाद पर अपनी प्रतिक्रिया दी है और सुर्खियों में आ गई हैं। दरअसल, कंगना रनौत ने एक्स पर अपने बयान का एक पुराना पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने इंडिया नाम को खत्म करने की बात कही थी। साल 2021 में कंगना ने कहा था कि गुलाम नाम इंडिया को खत्म कर देना चाहिए और इसकी जगह देश को भारत कहा जाना चा-हिए। वहीं, अब उसी पोस्ट को शेयर करते हुए कंगना रनोट ने लिखा, और कुछ लोग इसे काला जादू कहते हैं...यह बस ग्रे मैटर है प्रिये सभी को बधाई!! एक गुलाम नाम से मुक्त हो गए...जय भारत। एक्ट्रेस का ये पोस्ट खूब वायरल हो रहा है और यूजर्स कमेंट कर इस पर अपनी प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं। वहीं, काम की बात करें तो कंगना रनोत जल्द ही फिल्म तेजस में नजर आएंगी। इसके अलावा वह इमरजेंसी और चंद्रमुखी 2 में भी दिखाई देंगी। बता दें कि देश में इस वक्त इंडिया का नाम बदलने पर चर्चा छिड़ी हुई है।

मुरलीधरन की बायोपिक में दिखेगी पाक में क्रिकेटरों पर हुए आतंकी हमले की कहानी

कोलंबो (ईएमएस)। श्रीलंका के दिग्ग स्पिनर मुथैय्या मुरलीधरन के जीवन पर आधारित बायोपिक 800 शीघ्र ही आने वाली है। इसमें साल 2009 में पाक दौरे के समय श्रीलंकाई टीम पर हमले की भी कहानी दिखायी गयी है। हाल ही में महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर और श्रीलंका के सनथ जयसूर्या भी इस फिल्म के ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम में पहुंचे थे। इस फिल्म में कई वि-वादित मुद्दों को भी उठाया गया है। फिल्म में अवैध गेंदबाजी एक्शन विवाद जो 1995 में मेलबर्न में बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच के दौरान अंपायर डेरेल हेयर द्वारा मुरली को सात बार नो-बॉल देने के बाद उठा पर भी बात कही गयी है। इसमें दिखाया गया है कि कैसे मुरली को अपने को सही साबित करने के लिए संघर्ष करना पड़ा था। इसमें पाक में श्रीलंका की टीम पर हुए आतंकी हमले के भी दृश्य दिखाए गए हैं। इसमें देखा जा सकता है कि कैसे श्रीलंकाई क्रिकेटर पर बंदूकधारियों ने गोलीबारी की थी। और पाकिस्तान की सुरक्षा टीम ने इसका किस प्रकार जवाब दिया। फिल्म में हमले के दौरान बस में सहमे हुए बैठे श्रीलंकाई क्रिकेटरों की तस्वीर भी दिखेंगी। मुरलीधरन की इस बायोपिक का तीन मिनट का ट्रेलर रिलीज हो गया है। इसमें मुरली को लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम के सदस्यों से मिलते हुए दिखाया जाता है। जिसमें अभिनेता नारायण संगठन के कमांडर की भूमिका निभाते नजर आते हैं।

अभिनेता अल पचीनो फिर से सिंगल हुए

लॉस एंजेलिस (ईएमएस)। अभिनेता अल पचीनो फिर से सिंगल हो गए हैं। 83 वर्षीय हॉलीवुड दिग्गज ने अपनी 29 वर्षीय प्रेमिका नूर अल्फल्लाह से रिश्ता खत्म कर दिया है। उनका तीन महीने का एक बेटा है। अल्फल्लाह ने अपनी ओर से अपने बेटे की कस्टडी के लिए आवेदन किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अल पचीनो ने लॉस एंजिल्स में कानूनी दस्तावेज दायर कर शिशु की कस्टडी की मांग की है। साथ ही कहा कि वह चाहती है कि द गॉडफादर अभिनेता को उचित मुलाकात का अधिकार मिले। हालांकि, इससे पहले 29 वर्षीया अल्फल्लाह ने यह कहते हुए संयुक्त कानूनी हिरासत लेने पर सहमति व्यक्त की थी कि वह चाहती है कि उसका पूर्व प्रेमी शिक्षा, चिकित्सा उपचार, वित्त और धर्म जैसे मामलों से संबंधित निर्णय लेने में मदद करें। अपनी कानूनी फाइलिंग में, अल्फल्लाह ने माता-पिता की स्वैच्छिक घोषणा शीर्षक से एक दस्तावेज डाला, जिस पर दोनों ने हस्ताक्षर किए। पूर्व युगल अप्रैल 2022 से रोमांटिक रूप से जुड़े हुए थे, उन्होंने सिर्फ तीन महीने पहले 6 जून को अपने बच्चे, रोमन अल्फल्लाह पचीनो का स्वागत किया था। इस बच्चे ने अल पचीनो को हॉलीवुड में बच्चे पैदा करने वाले सबसे उम्रदराज लोगों में से एक बना दिया है। स्कारफेस अभिनेता पहले से ही दो महिलाओं के साथ तीन बच्चों के पिता हैं। उनके 22 वर्षीय जुड़वां बच्चे ओलिविया पचीनो और एंटोन जेम्स पचीनो, बेवर्ली डीएंजेलो के साथ हैं। अल्फल्लाह ने अपने अदालती दस्तावेजों में अनुरोध किया है कि पचीनो उसके वकील की फीस या किसी अन्य मामले से संबंधित लागत का भुगतान करें, जिसमें बच्चे के समर्थन की एक विशिष्ट राशि को ध्यान में रखा जाए, हालांकि राशि का उल्लेख नहीं किया गया है, जैसा कि रिपोर्ट में बताया गया है। मामले के कानूनी कागजात में कहा गया है कि अदालत बच्चों के मामले में आदेश दे सकती है और किसी भी पक्ष को बिना किसी नोटिस के असाइनमेंट जारी कर सकती है। कथित तौर पर पचीनो वास्तव में किसी भी तरह से केस नहीं लड़ रहे हैं। चूंकि उनकी शादी नहीं हुई है, इससे कानूनी प्रक्रिया आसान हो जाती है, केवल पितृत्व और बाल सहायता स्थापित करना आसान हो जाता है।

अमीषा बोली टेलेंट की कोई सीमा नहीं

हाल ही में फिल्म गदर 2 की सफलता पर अमीषा पटेल का रिएक्शन सामने आया है। उन्होंने ह-ीरोइनों की उम्र पर भी बात की और कहा कि अब उम्र सिर्फ एक नंबर है, 50 साल की उम्र भी 20 की है। 47 साल की अमीषा पटेल ने एक इंटरव्यू में बात करते हुए कहा, उम्र अब सिर्फ नंबर है। टेलेंट की कोई सीमा नहीं होती तो इसमें उम्र कैसा बेरियर बन सकता है। 50 अब 20 साल की तरह हो गया है। उन्होंने खुद इसे प्रूव कर दिया है। अमीषा पटेल ने तो कहा कि खुद सनी देओल 65 साल के हैं लेकिन लीड हीरो बनकर बॉक्स ऑफिस पर आए तो सब फेल हो गए। एक्ट्रेस ने कहा, आजकल ह-ीरोइनों ने ये स्टीरियोटाइप तोड़ा है कि सिर्फ 20-25 साल की लड़कियां होंगी तो ही फिल्म चलेगी। वहीं, अमीषा ने फिल्मों में कमबैक को लेकर कहा कि अच्छे अभिनेता कभी भी काम छोड़ते नहीं है। बस वह ब्रेक लेते हैं। बता दें कि एक्ट्रेस अमीषा पटेल फिल्म गदर 2 की रिलीज के बाद काफी सुर्खियों में हैं। मूवी ने बॉक्स ऑफिस पर 500 करोड़ के पार कमाई कर ली है।

शहनाज के शो में गेस्ट बनकर पहुंची शिल्पा

-पंजाब की कैटरीना संग किया जमकर भांगड़ा

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में शहनाज गिल के शो में एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी गेस्ट बनकर पहुंचीं, जहां दोनों के बीच खूब मस्ती और मजाक हुआ। पंजाब की कैटरीना ने शो के सेट से तस्वीरें अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की हैं, जिन्हें फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। तस्वीरों में देखा जा सकता है कि शिल्पा शेट्टी लैमन कलर के आउटफिट पहन शो में खूबसूरती का तड़का लगाने पहुंची। कानों में बड़े इयररिंग्स और खुले बालों में शिल्पा गजब की खूबसूरत लगीं। वहीं शहनाज गिल इस दौरान मल्टीकलर स्लीवलेस क्रॉप टॉप और डेनिम पैंट में हमेशा की तरह गॉर्जियस दिखीं। तस्वीरों में शहनाज शिल्पा संग मजेदार बाते करती नजर आ रही हैं। दोनों के बीच खूब हंसी ठिठोली हो रही हैं। चेयर पर बैठ दोनों लोटपोट होकर हंसती दिख रही हैं। इतना ही नहीं देसी वाइब्स विद शहनाज गिल के सेट पर शिल्पा ने शहनाज संग जमकर भांगड़ा भी किया। फैंस को दोनों हसीनाओं की ये तस्वीरें काफी पसंद आ रही हैं और वे कमेंट कर इन पर अपनी प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं। बता दें कि कुछ ही सालों में अपनी जबरदस्त पहचान बनाने वाली शहनाज गिल अक्सर चर्चा में रहती हैं। वह इन दिनों अपने ओटीटी शो देसी वाइब्स विद शहनाज गिल में नजर आती हैं। इस चैट शो में शहनाज बॉलीवुड के बड़े स्टार्स का इंटरव्यू लेती हैं।

इमरान ने पुराने तस्वीरें साझा कीं

पुरानी यादों को याद करते हुए बालीवुड अभिनेता इमरान खान ने इंस्टाग्राम पर अपनी फिल्म मेरे ब्रदर की दुल्हन और डेल्ही बेली को लेकर दिलचस्प किस्से साझा किए। इमरान ने इंस्टाग्राम पर मेरे ब्रदर की दुल्हन और डेल्ही बेली की कुछ रेट्रो तस्वीरें साझा की। उन्होंने लिखा, एक समय की बात है, इंस्टाग्राम नहीं था, इसलिए लोग अपनी तस्वीरों में रेट्रो प्रभाव जोड़ने के लिए हिपस्टैमैटिक ऐप का इस्तेमाल करते थे। यहां एमबीकेडी के सेट से कुछ रेट्रो तस्वीरें हैं, मुझे याद है कि मैंने दो धारी तलवार गाने के लिए कुछ डबल शिफ्ट में काम किया था। उन्होंने खुलासा किया कि उन्होंने लगातार चार रातों तक दो धारी तलवार गाने की शूटिंग की और दिन के दौरान वह डेल्ही बेली के ट्रैक की शूटिंग कर रहे थे। उन्होंने कहा, इसे लगातार 4 रात की पालियों में शूट किया गया था, जबकि मैं एक ही समय में दिल्ली बेली से नक्कड़डवाले डिस्को और स्विटी के संगीत वीडियो की शूटिंग दिन में कर रहा था। मैं दो सेटों के बीच चलते हुए अपनी कार में सोता था।

सूडोकु नवताल- 6547

मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6546 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

शब्दजाल - 7294

अ	गो	र	कु	छ	तो	है	म	ला	नी	क्या
न	ल	क	ज	इं	डो	ने	ह	क	जी	कु
बं	मा	आ	ट	म	न	इ	व	न	ना	ल
टी	ल	ल	मा	ज	ल	स	रा	प	सि	है
औ	मु	झे	कु	छ	क	ह	ना	है	र्फ	ह
गा	जे	कि	र	य	द	का	म	ल	मे	म
य	मा	दे	श	व	ह	स	त	पी	रे	दी
ब	दे	क	र्त	न	प	दि	खा	की	लि	श
ली	दि	ल	क	ले	दा	र	ल	क	ए	दे
क्षि	ज	ति	त	हि	द	ह	मा	ह	ल	र
ते	रा	जा	क्या	दि	ल	ने	क	हा	र	म

शब्दजाल में तुषार कपूर की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

गोलमाल, क्या कुल है हम, कुछ तो है, जीना सिर्फ मेरे लिए, खाकी, मुझे कुछ कहना है, यह दिल, शर्त, गायब, क्या दिल ने कहा.

शब्दजाल - 7293 का हल

जु	श	मु	म	स्ती	त	हो	प	न	र	द
र्म	क्रि	ल	ना	द	म	जा	अं	दा	ज	क
य	के	दो	हे	नि	इ	ना	न	व	टि	रू
इं	ट	स्ती	न	शा	वा	स्ता	क	ले	ज	की
प	दा	सा	भा	ने	तो	हो	न	गो	खा	त
ब	जि	त	प	ग	स	ए	व	सं	वॉ	व
द	प	ब्दो	न	जी	म	ह	अ	गो	प्ला	द
क	र	क	प	क्श	प	भा	र	चो	आ	ख
र	व	त	म	रा	भी	त	ग	अ	न	अ
क	र	ल	प	र	ज	ता	रे	र	ह	द
मुं	ब	ई	से	आ	या	मे	रा	दो	स्त	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 6247

	2		6		5	
	33	2	33	4	26	7
4	5		6			3
	34		40	6	32	
1	3	6			7	2
5	30		31		39	
		1		2		4

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6246 का हल

1	6	2	4	3	7	5
5	30	3	21	1	35	7
7	5	1	3	4	2	6
2	33	6	39	7	31	3
4	3	5	7	6	1	2
6	33	4	42	5	26	1
3	1	7	6	2	5	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

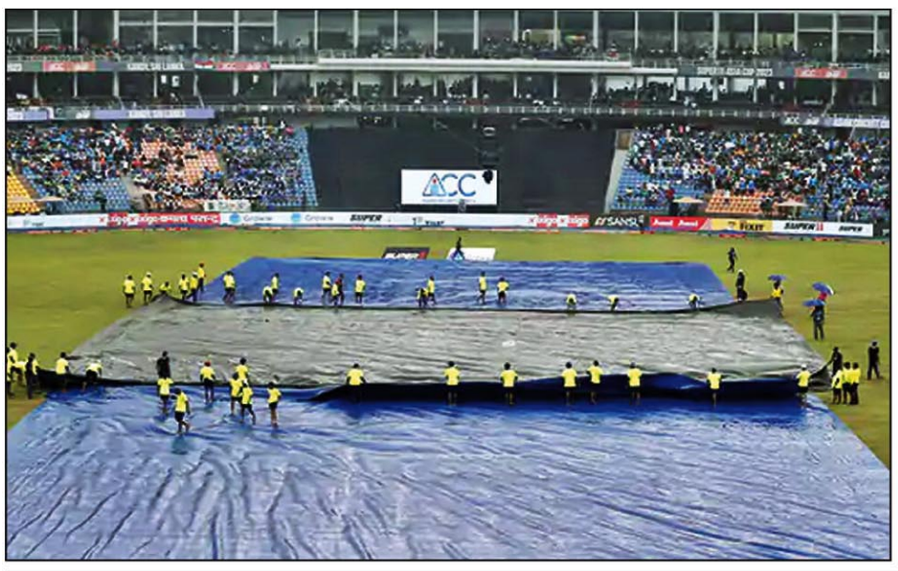

भारत-पाकिस्तान मैच पर बारिश का खतरा, रिजर्व-डे होगा:10 सितंबर को जहां रुकेगा, 11 को वहीं से खेला जाएगा; कोलंबो में बारिश के 90 प्रतिशत आसार

मुंबई।

एशिया कप सुपर-4 स्टेज में भारत और पाकिस्तान के बीच कोलंबो में मैच पूरा नहीं हो पता है तो 11 सितंबर को रिजर्व-डे रखा गया है। सुपर-4 स्टेज का तीसरा मैच भारत और पाकिस्तान के बीच 10 सितंबर को श्रीलंका के कोलंबो में खेला जाएगा। इस दिन कोलंबो में बारिश होने के 90 प्रतिशत आसार हैं। तापमान 26 से 32 डिग्री सेल्सियस तक रह सकता है। भारत और पाकिस्तान के बीच सुपर-4 स्टेज मैच के लिए 11 सितंबर को रिजर्व-डे रखा गया है। 10 सितंबर को मैच जहां रुकेगा, 11 सितंबर को वहीं से खेला जाएगा। दरअसल, इससे पहले, 2 सितंबर को भारत और पाकिस्तान का मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था।

किसी और सुपर-4 मैच के लिए रिजर्व डे नहीं - बता दें, किसी और सुपर-4 मैच के लिए रिजर्व डे नहीं है, सिर्फ भारत-पाकिस्तान के लिए ही है। इसके अलावा किसी और मैच में बारिश होती है तो उसे रद्द कर दिया जाएगा। भारत-पाकिस्तान मैच के अलावा सिर्फ एशिया कप 2023 फाइनल के लिए रिजर्व-डे रखा गया है।

मैच शुरू होने के समय भारी बारिश के आसार - एक्यूवेदर के मुताबिक, श्रीलंका के मौसम विभाग के अनुसार रविवार को कोलंबो में मैच के समय दोपहर 2 बजे से भारी बारिश के आसार हैं। भारत और पाकिस्तान का मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 3 बजे से खेला जाना है। टॉस दोपहर 2.30 बजे होगा।

टीम इंडिया इंडोर स्टेडियम में प्रैक्टिस की - कोलंबो में बारिश की वजह से टीम इंडिया ने इंडोर स्टेडियम में प्रैक्टिस की। टीम इंडिया के इंडोर प्रैक्टिस की फोटो बीसीसीआई ने ट्वीट की है।

बीच टूर्नामेंट में वेन्यू शिफ्ट करने पर चर्चा थी - कोलंबो में सुपर-4 स्टेज के बाकी 5 मैच खेले जाने हैं। इस बीच कोलंबो शहर में बारिश की वजह से बाढ़ जैसे हालात बन गए। वेदर रिपोर्ट्स के अनुसार, कोलंबो में 17 सितंबर तक तेज बारिश की संभावना है। पहले खबरें आ रही थीं कि मैचों को कोलंबो से हंबनटोटा शिफ्ट किया जाएगा। लेकिन पीसीबी और एसीसी में इस बात पर सहमति नहीं बन पाई है, इसलिए फिलहाल कोलंबो में ही सुपर-4 के मैच होंगे।

भारत का हर 24वां वनडे हुआ है रद्द - एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच खेला गया वनडे मैच बारिश की वजह से रद्द हो गया। वनडे के इतिहास में ऐसा 44वीं बार हुआ, जब भारत का मैच रद्द हुआ है। इस मामले में टीम इंडिया पहले से ही वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किए हुए है।

न्यूज ब्रीफ

सहवाग की ड्रीम वनडे टीम के 5 खिलाड़ी: विराट सहित भारत के तीन स्टार वीरू की लिस्ट में, 1-1 खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड से

मुंबई। टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग वनडे क्रिकेट में अपनी ड्रीम टीम चुन रहे हैं। इनमें से उन्होंने

टॉप-5 क्रिकेटर्स के नाम का खुलासा किया है। इसमें भारत से तीन खिलाड़ी शामिल हैं। इनके अलावा ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड से भी एक-एक प्लेयर को अपनी टॉप-5 पिक में शामिल किया है। भारत में 5 अक्टूबर से वनडे वर्ल्ड कप शुरू हो रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए वीरू समकालीन खिलाड़ियों में से ड्रीम टीम चुन रहे हैं। पूर्व भारतीय ओपनर ने वर्ल्ड कप ड्रीम टीम के लिए जिन टॉप-5 खिलाड़ियों को जो चुना है उनमें चार बैटर और एक फास्ट बॉलर शामिल है। बैटर्स में रोहित शर्मा, विराट कोहली और डेविड वार्नर और ग्लेन फिलिप्स हैं। वहीं जसप्रीत बुमराह इकलौते फास्ट बॉलर हैं। रोहित शर्मा- 2019 में खेले गए वर्ल्ड कप में रोहित ने 648 रन बनाए थे। जिनमें 5 शतक भी शामिल हैं। रोहित ने अब तक खेले 246 वनडे मैचों में 48.87 की औसत से 9922 रन बनाए हैं। इनमें 3 डबल सेंचुरी भी शामिल है। वहीं इस साल खेले 7 वनडे मैचों में 49.09 की औसत से 540 रन बनाए हैं। विराट कोहली-भारत के लिए खेले 277 वनडे में 57.08 की औसत से 12902 रन बनाए हैं। उनमें 46 शतक भी शामिल है। वहीं इस साल खेले 12 वनडे मैचों में 47.88 की औसत से 431 रन बनाए हैं। इसमें 2 शतक भी शामिल है। डेविड वार्नर- बाएं हाथ के ऑस्ट्रेलियाई ओपनर डेविड वार्नर ने अब तक खेले 143 वनडे मैचों में 44 की औसत से 6030 रन बनाए हैं। इनमें 19 शतक भी शामिल हैं। ग्लेन फिलिप्स- न्यूजीलैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज ग्लेन फिलिप्स ने अब तक खेले 16 वनडे मैचों में 31.90 की औसत से 351 रन बनाए हैं। वहीं इस साल खेले 7 मैचों में 32.33 की औसत से 194 रन बनाए हैं। वहीं विकेट के पीछे रहते हुए 2 कैच भी लिए हैं। जसप्रीत बुमराह-हाल ही में चोट से वापसी करने वाले बुमराह को सहवाग ने अपने टॉप-5 खिलाड़ियों में इलकौते बॉलर के रूप में जगह दी है। बुमराह ने अब तक खेले 73 मैचों में 121 विकेट लिए हैं। वहीं 2019 वर्ल्ड कप में 9 मैचों में 18 विकेट लिए हैं।

धोनी ने डोनाल्ड ट्रंप के साथ खेला गोल्फ : पूर्व राष्ट्रपति ने माही के लिए मैच की मेजबानी की; यूएस ओपन का मैच भी देखने पहुंचे थे

न्यूयॉर्क। महेंद्र सिंह धोनी छुट्टी मनाने के लिए परिवार के साथ अमेरिका में हैं। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उनके लिए गोल्फ मैच की मेजबानी की। दोनों करीब एक घंटे मैच खेलते रहे। धोनी-ट्रम्प के वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। धोनी अंतराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद अक्सर गोल्फ खेलते नजर आते हैं। यूएस ओपन में अल्कारेज और अलेक्जेंडर ज्वेरेव का मैच देखने भी गए थे धोनी धोनी 7 सितंबर को भारतीय समयानुसार दोपहर 12 बजे अल्कारेज और अलेक्जेंडर ज्वेरेव के बीच यूएस ओपन में खेले क्वार्टर फाइनल का मुकाबला भी देखने पहुंचे थे। इसका भी वीडियो और फोटो भी वायरल हुआ। धोनी अपने कुछ दोस्तों के साथ अल्कारेज के पीछे बैठे नजर आए थे। ऑफिशियल ब्रॉडकॉस्टर ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर धोनी का वीडियो भी शेयर किया। वीडियो में धोनी कुछ लोगों से बात करते-करते हंसते नजर आए।

दूसरी बार एशियाड में हर्षवीर सिंह; जकार्ता में स्केटिंग में लिया था हिस्सा, हांगझोऊ में बदला खेल

मुंबई। किसी भी खिलाड़ी के लिए एशियाई खेलों में खेलना ही बड़ी उपलब्धि होती है, लेकिन पंजाब के हर्षवीर सिंह देश के ऐसे अनोखे खिलाड़ी बनने जा रहे हैं जो दो विभिन्न खेलों में लगातार दो एशियाई खेलों में खेलने का गौरव हासिल करेंगे। लुधियाना के हर्षवीर ने 2018 के जकार्ता एशियाई खेलों में रोलर स्केटिंग में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया था। एशियाई चैंपियन होने के बावजूद इस खेल में उनकी उपलब्धियों न कोई मान्यता मिली और न ही किसी ने सराहा। नतीजा यह निकला कि हर्षवीर ने स्केटिंग छोड़कर साइक्लिंग को अपना लिया। उन्होंने इस खेल में भी छाप छोड़ी राष्ट्रीय चैंपियनशिप में और गुजरात राष्ट्रीय खेल में चैंपियन बनने के बाद उन्होंने ट्रैक एशिया कप में दो रजत जीते। अब वह हांगझोऊ एशियाई खेलों में इस खेल में भारतीय दल का हिस्सा होंगे। हर्षवीर के मुताबिक उन्होंने छह साल की उम्र में 2004 में चाचा के कहने पर इस लिए रोलर स्केटिंग शुरू कराई गई, क्यों कि वह बेहद मोटे थे और हर वक्त वीडियो गेम खेला करते थे। 2011 में उन्होंने राष्ट्रीय स्कूल खेलों में रजत जीता।

एशिया कप के टॉप प्लेयर्स

टॉप-3 गेंदबाजों में सभी पाकिस्तानी, बैटर्स में बाबर दूसरे पर; एक भी भारतीय टॉप-5 में नहीं

मुंबई।

एशिया कप में ग्रुप स्टेज के 6 और सुपर-4 स्टेज का एक मुकाबला खेला जा चुका है। टूर्नामेंट का पाकिस्तान लेग खत्म हो गया है, अब बचे हुए सभी 6 मैच श्रीलंका के कोलंबो शहर में होंगे। 7 और 8 सितंबर को 2 दिन का ब्रेक है, 9 सितंबर को कोलंबो सुपर-4 स्टेज के मुकाबले शुरू होंगे। टॉप विकेट टेकर में 3 पाकिस्तानी गेंदबाजों का दबदबा है, वहीं टॉप बैटर्स में पाकिस्तान के बाबर आजम दूसरे नंबर पर हैं। दोनों ही जगह कोई भी भारतीय प्लेयर टॉप-5 में भी जगह नहीं बना सका।

शुरुआत बैटर्स से...

टॉप-5 बैटर में 2 बांग्लादेशी - बांग्लादेश के नजमुल हुसैन शान्तो ने टूर्नामेंट में अब तक 2 ही मैच खेले, लेकिन वह टॉप रन स्कोरर हैं। उन्होंने 2 पारियों में 193 रन बनाए हैं। इनमें एक सेंचुरी और एक फिफ्टी शामिल हैं। शान्तो फिलहाल इंजर्ड हो कर एशिया कप से बाहर हो चुके हैं।

उनके बाद पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने 3 मैच में 168 रन बनाए हैं। तीसरे नंबर पर बांग्लादेश के ही मेहदी हसन मिराज हैं, जिन्होंने 117 रन बनाए हैं। टीम इंडिया का कोई प्लेयर्स टॉप-5 खिलाड़ियों की रेस में भी नहीं है।

7 मैचों में 4 ही प्लेयर शतक लगा सके - नेपाल और पाकिस्तान के बीच ओपनिंग मैच में 2 शतक लगे थे। बाबर आजम ने 151 और इफ्तिखार अहमद ने 109 रन बनाए थे। बाबर के नाम इस बार का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर भी है। टूर्नामेंट में इसके अलावा 2 ही शतक लगे, दोनों बांग्लादेशी प्लेयर्स ने अफगानिस्तान के खिलाफ ग्रुप स्टेज मैच में लगाए। मेहदी हसन 112 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हो गए थे, ये स्कोर टूर्नामेंट का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। शान्तो ने 104 रन बनाए थे। इन 4 प्लेयर्स के अलावा टूर्नामेंट में और कोई खिलाड़ी सेंचुरी नहीं बना सका।

टॉप-5 बॉलर में 3 पाकिस्तानी तेज गेंदबाज - टूर्नामेंट के विकेट टेकर गेंदबाजों की रेस में पाकिस्तानी पेसर्स का दबदबा है। हारिस रऊफ ने 3 मैचों में सबसे ज्यादा 9 विकेट लिए हैं। उनके बाद नसीम शाह और शाहीन शाह अफरीदी ने इतने ही मुकाबलों में 7-7 विकेट लिए हैं। चौथे और पांचवें नंबर पर बांग्लादेश के 2 तेज गेंदबाज हैं। राइट आर्म पेसर तस्कीन अहमद ने 3 मैचों में 6 विकेट लिए हैं। वहीं लेफ्ट आर्म पेसर शोरिफुल इस्लाम के नाम इतने ही मैचों में 5 विकेट हैं।

कोई भी बॉलर पारी में 5 विकेट नहीं ले सका - टूर्नामेंट में अब तक 7 बार गेंदबाजों ने एक पारी में 4 विकेट लिए हैं, लेकिन कोई भी बॉलर 5 विकेट नहीं ले सका। हारिस रऊफ के नाम फिलहाल बेस्ट बॉलिंग करने का रिकॉर्ड है, उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ महज 19 रन देकर 4 विकेट लिए थे। उनके बाद पाकिस्तान के ही लेग स्पिनर शादाब खान ने नेपाल के खिलाफ 27 रन देकर 4 विकेट लिए थे। तीसरे नंबर पर श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीश पथिराना हैं, जिन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ 32 रन देकर 4 विकेट झटके थे। भारत से रवींद्र जडेजा ने एक पारी में बेस्ट बॉलिंग की है, उन्होंने नेपाल के खिलाफ 40 रन देकर 3 विकेट लिए थे।

भारत से हार्दिक टॉप स्कोरर, जडेजा टॉप विकेट टेकर - भारत के टॉप रन स्कोरर हार्दिक पंड्या हैं। उनके नाम 2 मैचों में 87 की औसत से 87 रन हैं। उनके बाद कप्तान रोहित शर्मा ने 2 मैचों में 85 की औसत से 85 रन हैं। गेंदबाजों में भारत से रवींद्र जडेजा और मोहम्मद सिराज ने 3-3 विकेट लिए हैं। भारतीय गेंदबाजों के विकेट बाकी बॉलर्स के मुकाबले कम इसलिए हैं, क्योंकि टीम ने अब तक सिर्फ नेपाल के खिलाफ पूरे 50 ओवर बॉलिंग की है। पाकिस्तान के खिलाफ बारिश आ जाने के कारण गेंदबाजों को बॉलिंग करने का मौका नहीं मिला था।

सुपर-4 के 5 मैच बाकी - इस एशिया कप में अब तक 7 मैच खेले जा चुके हैं। ग्रुप स्टेज में नेपाल और अफगानिस्तान बाहर हुई, जबकि 4 टीमों ने सुपर-4 स्टेज के लिए क्वालिफाई किया। सुपर-4 में पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच एक मैच हुआ। इसे पाकिस्तान ने जीता। इस स्टेज में 5 मैच बाकी हैं, सभी श्रीलंका के कोलंबो में खेले जाएंगे। 17 सितंबर को फाइनल मुकाबला भी कोलंबो में ही खेला जाएगा।

पाकिस्तान टीम पॉइंट्स टेबल में टॉप पर - सुपर-4 स्टेज में अब तक एक ही मैच खेला गया। जिसमें पाकिस्तान को जीत मिली, इसलिए टीम पॉइंट्स टेबल में 2 पॉइंट्स के साथ टॉप पर है। बांग्लादेश टीम पॉइंट्स टेबल में आखिरी नंबर पर है। भारत और श्रीलंका ने अब तक कोई मुकाबला नहीं खेला, इसलिए दोनों टीमें दूसरे और तीसरे नंबर पर हैं।

एशिया कप 2023

हरभजन ने पूर्व पीसीबी प्रमुख से कहा जहां चाहो वहां खेलो

नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी)के पूर्व प्रमुख नजम सेठी को आड़े हाथों लिया है। हरभजन ने कहा है कि सेठी आधारहीन बातें न करें। इससे पहले सेठी ने एक्स पर कहा कि भारत, पाक से खेलने से डर रहा है। इस पर हरभजन ने उन्हें करारा जवाब दिया है। हरभजन ने कहा, सेठी आजकल क्या धूम्रपान कर रहे हैं ये मुझे जानकारी नहीं है। मुझे नहीं पता कि वह कैसे कह रहे हैं कि भारत, पाक के साथ नहीं खेलना चाहता। हरभजन ने साथ ही कहा, कृपया कोई उन्हें पूरा रिकॉर्ड दे, भारत ने उन्हें सबसे अधिक बार हराया है।

रोहन बोपन्ना यूएस ओपन मेंस डबल्स के फाइनल में

ऐसा करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने; गॉफ पहली बार फाइनल में पहुंची

मुंबई।

भारत के रोहन बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियाई साथी मैथ्यू एबडेन यूएस ओपन 2023 के मेंस डबल्स के फाइनल में पहुंच गए है। इस जीत के बाद 43 साल 6 महीने के बोपन्ना ओपन एरा में ग्रैंडस्लैम फाइनल में पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी भी बन गए हैं। बोपन्ना से पहले यह रिकॉर्ड कनाडा के डैनियल नेस्टर के नाम था। बोपन्ना 13 साल बाद इस ग्रैंडस्लैम के फाइनल में पहुंचे हैं। इससे पहले, साल 2010 में फाइनल में पहुंचे थे। तब बोपन्ना के पार्टनर पाकिस्तान के ऐसाम-उल-हक कुरेशी थे। यह दूसरी बार है कि बोपन्ना किसी ग्रैंडस्लैम मेंस डबल्स फाइनल में पहुंचे हैं।

फ्रांस की जोड़ी को सीधे सेटों में हराया - टूर्नामेंट न्यूयॉर्क में खेला जा रहा है। बोपन्ना ने मेंस डबल्स के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलियाई पार्टनर मैथ्यू एबडेन के साथ 5 बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन फ्रांस जोड़ी पियरे-ह्यूग्स हर्बर्ट और निकोलस माहुत को 7-6 (7-3), 6-2 से हराया। मुकाबला 1 घंटे 34 मिनट तक चला। हालांकि, मिक्स्ड डबल्स में बोपन्ना पहले ही बाहर हो चुके हैं। वे इंडोनेशियाई जोड़ीदार अल्दिला सुत्जियादी के साथ दूसरे दौर में हार गए थे।

बोपन्ना की जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल में अमेरिकी जोड़ी को हराया - भारत के रोहन बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियाई साथी मैथ्यू एबडेन मेंस डबल्स के क्वार्टर फाइनल में अमेरिकी जोड़ी नथानिएल लैमन्स और जैक्सन विथ्रो को 7-6 (10), 6-1 से हराया था। इससे पहले, उन्होंने प्री क्वार्टर फाइनल में जूलियन कैश और हेनरी पैटन की जोड़ी को हराकर क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की की थी। बोपन्ना और एबडेन इस साल की शुरुआत में विंबलडन सेमीफाइनल में पहुंचे थे।

गॉफ पहली बार यूएस ओपन के फाइनल में पहुंचीं - अमेरिका की युवा टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ चेक रिपब्लिक की कैरोलिना मुचोवा को हराकर पहली यूएस ओपन विमेंस सिंगल्स के फाइनल में पहुंच गई हैं।

13 वर्ल्ड कप में 19 राज्य संघों के क्रिकेटर्स का प्रतिनिधित्व

महाराष्ट्र के सबसे ज्यादा 42 खिलाड़ी वर्ल्ड कप में खेले, इस बार चार खिलाड़ी शामिल

मुंबई।

वनडे वर्ल्ड कप के 48 साल के इतिहास में महाराष्ट्र के सबसे ज्यादा खिलाड़ी इस मेगा इवेंट में खेले हैं। इस राज्य के 40 खिलाड़ियों ने 1975 से 2019 तक वर्ल्ड कप में हिस्सा लिया। इस बार भी महाराष्ट्र के चार खिलाड़ी रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, शार्दूल ठाकुर, श्रेयस अय्यर वर्ल्ड कप में खेलेंगे। महाराष्ट्र में तीन राज्य संघ हैं। इसमें से मुंबई एसोसिएशन से 37, महाराष्ट्र एसोसिएशन से 4 और विदर्भ एसोसिएशन से एक खिलाड़ी वर्ल्ड कप खेला। अब तक 19 राज्य संघों के क्रिकेटर्स वर्ल्ड कप में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

मुंबई की ओर से हुई थी पहली शतकीय साझेदारी - वर्ल्ड कप की पहली शतकीय साझेदारी मुंबई के खिलाड़ियों ने की थी। 1975 वर्ल्ड कप में सुनील गावस्कर-फारुख इंजीनियर ने ईस्ट अफ्रीका के खिलाफ 123 रन जोड़े थे।

अब तक 7 स्टेट बोर्ड से आए हैं वर्ल्ड कप के कप्तान - तमिलनाडु के वेंकटराघवन की कप्तानी में टीम शुरुआती 2 वर्ल्ड कप में उतरी। 1983 में हरियाणा के कपिल देव की कप्तानी में जीती। 1987 में भी वे कप्तान थे। 1992, 1996, 1999 में हैदराबाद के अजहरुद्दीन की कप्तानी में खेली।

2003 में बंगाल के गांगुली व 2007 में कर्नाटक के द्रविड़ थे। 2011 में झारखंड के धोनी ने खिताब जिताया। वे 2015 में भी कप्तान थे। 2019 में दिल्ली के कोहली, इस बार मुंबई के रोहित कप्तान हैं।

भारत का पहला मैच 8 अक्टूबर को - वनडे वर्ल्ड कप 5 अक्टूबर से इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच मैच से शुरू होगा। 10 शहर में कुल 48 मैच होंगे। टूर्नामेंट के वॉर्म-अप मैच 29 सितंबर से शुरू हो जाएंगे। भारत का पहला मुकाबला 8 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चेन्नई में होगा। 12 नवंबर को भारत और नीदरलैंड के बीच लीग स्टेज का आखिरी मैच होगा। 15 और 16 नवंबर को सेमीफाइनल और 19 नवंबर को फाइनल खेला जाएगा।

राजस्थान रॉयल्स खरीद सकता है इंग्लिश काउंटी टीम: यॉर्कशायर के लिए 260 करोड़ की बोली लगाई; क्लब पर 155 करोड़ का कर्ज

मुंबई।

राजस्थान रॉयल्स फ्रेंचाइजी इंग्लैंड की काउंटी टीम यॉर्कशायर को खरीद सकती है। आईपीएल फ्रेंचाइजी ने यॉर्कशायर को खरीदने के लिए 25 मिलियन यूरो (करीब 260 करोड़ रुपए) की बोली लगाई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, क्लब इस डील को एक्सेप्ट करने पर विचार कर रहा है। राजस्थान रॉयल्स के पैसों से क्लब टीम पर लगे 15 मिलियन यूरो (155 करोड़ रुपए) का कर्ज चुकाएगा।

क्लब के पूर्व चेयरमैन ने लिया था कर्ज - यॉर्कशायर क्लब इस वक्त कर्ज में डूबा हुआ है। क्लब के पूर्व चेयरमैन कोलिन ग्रेव्स ने 15 मिलियन यूरो का कर्ज ले रखा है। इसे ही चुकाने के लिए क्लब को बेचा जा रहा है। पिछले सप्ताह खबरें आई थीं कि फुटबॉल क्लब न्यूकासल के मालिक माइक एश्ले यॉर्कशायर को खरीद लेंगे, लेकिन अब राजस्थान रॉयल्स फ्रेंचाइजी ने नई बोली लगाई है, जो बाकियों के मुकाबले बहुत ज्यादा है।

डील एक्सेप्ट की तो राजस्थान रॉयल्स के पास होगा पूरा कंट्रोल - यॉर्कशायर ने अगर राजस्थान रॉयल्स की डील एक्सेप्ट कर ली तो टीम पर पूरी तरह से

राजस्थान रॉयल्स का ही कंट्रोल होगा। यॉर्कशायर क्लब 160 सालों से हेडिंग्ले की टीम का मालिक है। डील एक्सेप्ट हुई तो पहली बार किसी विदेशी फ्रेंचाइजी के पास इंग्लिश काउंटी टीम का मालिकाना हक होगा। यॉर्कशायर फिलहाल आईपीएल की बाकी फ्रेंचाइजी और सऊदी अरब के प्रिंस से लोन की भी डिमांड कर रहा है। अगर उसे लोन मिल गया तो क्लब नहीं बिकेगा, लेकिन लोन लेने के बाद भी क्लब से कर्ज नहीं हटेगा, इसलिए यॉर्कशायर राजस्थान रॉयल्स के ऑफर को एक्सेप्ट कर सकता है। यॉर्कशायर टीम अपने घरेलू मैच हेडिंग्ले के स्टेडियम में खेलती है। हेडिंग्ले में इंग्लैंड के फ्रेंचाइजी टूर्नामेंट द हंड्रेड की नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स टीम के होम मैच होते हैं। राजस्थान रॉयल्स अगर यॉर्कशायर टीम खरीद लेता है तो उसके पास सुपरचार्जर्स टीम के शेयर भी आ जाएंगे, क्योंकि सुपरचार्जर्स टीम के ज्यादातर शेयर यॉर्कशायर के पास ही हैं। राजस्थान रॉयल्स फ्रेंचाइजी अगर द हंड्रेड में भी टीम खरीद लेती है तो उसकी कुल 4 देशों में टीमें हो जाएंगी। आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के अलावा उसके पास में पार्ल रॉयल्स और सीपीएल में बारबाडोस रॉयल्स की टीम भी है।

ऑस्ट्रेलिया ने साउथ अफ्रीका को 3 विकेट से हराया

कन्कशन प्लेयर लाबुशेन ने 8वें विकेट के लिए सेंचुरी पार्टनरशिप की, 80 रन भी बनाए

ब्लूमफोंटेन।

ऑस्ट्रेलिया ने साउथ अफ्रीका को पहले वनडे में 3 विकेट से हरा दिया। ब्लूमफोंटेन के मैंगॉन्ग ओवल मैदान पर पहले बैटिंग करते हुए साउथ अफ्रीका ने 222 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 7 विकेट खोकर 40.2 ओवर में टारगेट हासिल कर लिया। कन्कशन सब्स्टिट्यूट प्लेयर मार्नस लाबुशेन ने 80 रन बनाए। उन्होंने 8वें विकेट के लिए एश्टन एगर के साथ 112 रन की पार्टनरशिप की और टीम को आसानी से जीत के पार पहुंचाया। साउथ अफ्रीका की ओर से कप्तान तेम्बा बावुमा ने नॉट आउट 114 रन बनाए।

इस जीत के साथ 5 मैचों की वनडे सीरीज में ऑस्ट्रेलिया ने 1-0 की बढ़त बना ली है। सीरीज का दूसरा वनडे इसी मैदान पर 9 सितंबर को खेला जाएगा।

साउथ अफ्रीका ने लगातार विकेट गंवाए - टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी साउथ अफ्रीका की शुरुआत बेहद धीमी रही। टीम ने 9वें ओवर में क्विंटन डी कॉक का विकेट भी गंवा दिया। उनके बाद रासी वान डर डसेन भी 8 रन बनाकर रन आउट हो गए। कप्तान तेम्बा बावुमा एक एंड पर टिके रहे, लेकिन दूसरे एंड पर लगातार विकेट गिरने लगे। ऐडन मार्करम 19 और हेनरिक क्लासेन 14 रन ही बना सके। डेविड मिलर तो खाता भी नहीं खोल सके।

बावुमा की सेंचुरी, साउथ अफ्रीका ने 222 रन बनाए - 100 रन के स्कोर पर 5 विकेट जल्दी गंवाने के बाद मार्को यानसेन और बावुमा ने फिफ्टी पार्टनरशिप की। यानसेन 32 रन बनाकर आउट हुए और दोनों के बीच पार्टनरशिप टूटी। टीम ने फिर गेराल्ड कोएट्जे (2 रन), केशव महाराज (2 रन) और कगिसो रबाडा (1 रन) के विकेट भी जल्दी गंवा दिए।

आखिर में तेम्बा बावुमा ने एक एंड से रन बनाए, उन्हें लुंगी एनगिडी का साथ मिली। एनगिडी ने 10 गेंदें खेलकर कोई रन नहीं बनाया, इतने में बावुमा ने शतक लगा दिया। 49वें ओवर

एनगिडी आउट हुए और साउथ अफ्रीका टीम 222 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। तेम्बा बावुमा ने 142 गेंद पर 114 रन बनाए। वह वनडे क्रिकेट में बैट कैरी करने वाले 13वें बैटर और महज तीसरे ही कप्तान बने।

हेजलवुड ने 3 विकेट झटके - ऑस्ट्रेलिया से तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। मार्कस स्टोइनिस को 2 विकेट मिले, जबकि सीन एबॉट, एश्टन एगर, एडम जम्पा और कैमरन ग्रीन को 1-1 विकेट मिला। एक बैटर रन आउट भी हुआ।

ऑस्ट्रेलिया ने गंवाए शुरुआती विकेट - 223 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया टीम की भी शुरुआत खराब रही। टीम ने दूसरी ही गेंद पर डेविड वॉर्नर का विकेट गंवा दिया। कप्तान मिचेल मार्श 17, जोश इंग्लिस 1 और एलेक्स कैरी भी 3 ही रन बनाकर आउट हो गए। मार्कस स्टोइनिस ने पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन वह भी 17 रन बनाकर आउट हो गए। ट्रेविस हेड ने 33 रन बनाए। वर्ल्ड कप टीम में शामिल किए गए सीन एबॉट ने कुछ गेंदें खेलीं, लेकिन 9 रन बनाकर वह भी आउट हो गए। उनके विकेट के बाद ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 7 विकेट पर 113 रन हो गया।

रिटायर्ड हर्ट हुए कैमरन ग्रीन, लाबुशेन ने रिप्लेस किया - नंबर-4 पर बैटिंग करने उतरे कैमरन ग्रीन को दूसरी ही बॉल कगिसो रबाडा ने बाउंसर फेंक दी। बॉल सीधे उनके हेलमेट पर लगी, फिजियो से चेक करवाने के बाद वह रिटायर्ड हर्ट हो कर मैदान से बाहर चले गए। उनकी जगह टीम ने कन्कशन सब्स्टिट्यूट के रूप में मार्नस लाबुशेन को शामिल किया।

लाबुशेन ने फिफ्टी लगाई, एश्टन एगर के साथ जीत दिलाई - लाबुशेन वनडे करियर में पहली बार नंबर-8 पर बैटिंग करने उतरे। उन्होंने तेजी से रन बनाए और 46 गेंद पर अपनी फिफ्टी पूरी कर ली। लाबुशेन ने ऑस्ट्रेलिया को मुश्किल सिचुएशन से उबारा। उन्होंने एश्टन एगर के साथ 112 रन की पार्टनरशिप की और टीम को 7 विकेट से मुकाबला जिताया। लाबुशेन 80 और एगर 48 रन के स्कोर पर नॉट आउट रहे।

रबाडा-कोएट्जे ने 2-2 विकेट लिए - साउथ अफ्रीका से कगिसो रबाडा और गेराल्ड कोएट्जे ने 2-2 विकेट लिए। उनके अलावा मार्को यानसे, लुंगी एनगिडी और केशव महाराज को 1-1 विकेट मिला। वनडे से पहले दोनों टीमों के बीच 3 मैचों की टी-20 सीरीज खेली गई।

घातक हो सकता है बैड टी का सेवन

अधिकांश लोग सुबह बिना ब्रश किए बिस्तर पर ही चाय ले लेते हैं। वैसे इसे फैशन का पर्याय माना जाता है किन्तु लोग यह नहीं जानते कि बैड टी हमारी सेहत को कितना नुकसान पहुंचाती है। रात को भोजन के दौरान हमारे दांतों में भोजन के कई कण फंस जाते हैं, जो सुबह होने तक सड़ जाते हैं और इससे हमारे मुंह में बहुत बड़ी संख्या में बैक्टीरिया पैदा हो जाते हैं।

यदि हम सुबह बिना कुल्ला किए चाय पीते हैं तो ये बैक्टीरिया चाय के साथ हमारे पेट में चले जाते हैं, जो कई रोगों को पैदा करते हैं। रातभर मुंह में एकत्र हुई गंदगी जब सुबह बैड टी के साथ पेट में पहुंचती है तो यह पेट संबंधी कई बीमारियां पैदा करती है।

इससे पेट में घाव हो जाते हैं, जिस कारण व्यक्ति के पेट में तेज दर्द होने के साथ उल्टियां भी आने लगती है। रात के समय पेट में अम्ल बनने की क्रिया अधिक तेज हो जाती है,जो शरीर के लिएहानिकारक है। यह क्रिया छाती में जलन, आमाशय मेंसूजन आदि अनेक बीमारियों को जन्मदेती है।

स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव

धीरे-धीरे एसिडिटी रोग शरीर पर अपना प्रभाव बना लेता है। बेड टी से कब्ज होना आम बात है। कब्ज अपने साथ कई अन्य बीमारियां भी पैदा करती है,जैसे जिगर की खराबी, सिर में दर्द मानसिक परेशानियां व सांसका दुर्गन्धयुक्य होना। खाली पेट चाय पीने से गर्भवती महिलाओं को गर्भपात भी हो सकता है। यह पाचन क्रिया को कमजोर करती है। भूख न लगना, खाने के प्रति अरूचि आदि अनेक समस्याएं बैड टी से ही पैदा होती है। अतः सुबह उठते ही चाय पीने से बेहतर होगा कि आप दो गिलास ताजा पानी पीएं। इससे आपकी कब्ज की शिकायत दूर होकर पेट साफ होगा। बिना कुल्ला किए चाय पीना हर तरह से नुकसानदेह है, इसलिए सदैव ब्रश करने के बाद ही चाय पीएं।

बॉडीबिल्डिंग के लिए आहार

बॉडी बिल्डिंग में मांसपेशियों का आकार बढ़ाया जाता है। बॉडी बिल्डिंग करने वालों के लिए प्रोटीन बहुत जरूरी है, लेकिन इसके साथ ही उन्हें कार्बोहाइड्रेट भी लेना चाहिए। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो प्रोटीन शरीर को ऊर्जा देने में इस्तेमाल होगा। और इससे उन्हें शरीर बनाने में अधिक वक्त लगेगा। आपको अपने शरीर के वजन के हर किलो के लिए 1.5 से 2 ग्राम तक प्रोटीन लेने की जरूरत होती है।

मलेरिया से बचा सकती हैं मुर्गियां

एक रिसर्च में पता चला है कि मुर्गियां मच्छरों के आतंक से निजात दिला सकती हैं। दरअसल उनसे ऐसी गंध निकलती है जो मच्छरों को दूर रखती है। लोगों को लगता है कि मच्छरों को सिर्फ खून से मतलब होता है, पर ऐसा नहीं है। मच्छरों को भी अच्छे खून और खराब खून में अंतर पता होता है। वे इसे अपनी गंध पहचानने की क्षमता से जान लेते हैं। इसी वजह से मुर्गियां मच्छरों को दूर करने में मददगार होती हैं।

साइटोमेग्लो वायरस से बच्चों में हो सकता है अंधापन

साइटोमेग्लो वायरस महिला, पुरुष या बच्चे को किसी भी उम्र में संक्रमित कर सकता है। इसके ज्यादातर मामले बच्चों में पाए जाते हैं जिसे कॉन्जिनाइटल साइटोमेग्लो वायरस इंफेक्शन कहते हैं।

यह इंफेक्शन संक्रमित व्यक्ति के सीधे संपर्क में आने से फैलता है। जिसका जरिया ब्लड, यूरिन, शुक्राणु या ब्रेस्ट मिल्क हो सकते हैं। ऐसे में ब्लड ट्रांसफ्यूजन, ऑर्गन ट्रांसप्लांट के दौरान यह वायरस फैलता है।

इसका इलाज व बचाव

जटिलता समझें

- गर्भावस्था में इस वायरस से प्रभावित होने पर पहले तीन माह में गर्भस्थ शिशु को इसका खतरा ज्यादा रहता है।
- जन्म के बाद इसका पता चलता है। गर्भ में यदि बच्चे के दिमाग, आंख या कान पर यह वायरस असर करे तो उसका शारीरिक विकास नहीं होता।
- जिससे उसमें पीलिया, निमोनिया, त्वचा पर दाने, दौरे आना, लिवर बढ़ने, वजन घटने, सिर का आकार छोटा होने जैसी दिक्कतों की आशंका हो सकती हैं।
- कई बार उम्र के बढ़ने पर इसके लक्षण दिखते हैं। जैसे सुनाई न देना, दिखने में परेशानी या अंधापन व दिमागी कमजोरी आदि।

जानें लक्षण

- यह वायरस रक्त के जरिए शरीर के प्रमुख अंगों को प्रभावित करता है।
- सामान्यतः यह वायरस खुद-ब-खुद 5-7 दिन में खत्म हो जाता है लेकिन एड्स, ट्रांसप्लांटेशन, ऑर्गन डोनेशन, नवजात या ऐसे व्यक्ति जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है, उनमें इस वायरस के कारण जटिलताएं बढ़ जाती हैं। उनमें यह रक्त के जरिए शरीर में फैलकर खासकर आंख, दिमाग, फेफड़े और लिवर को नुकसान पहुंचाता है।
- जिस कारण बुखार, डायरिया, सांस लेने में तकलीफ, देखने में परेशानी, फेफड़ों में संक्रमण, रेटिनाइटिस (आंख के रेटिना में सूजन), थकान, गले में सूजन व दर्द और मांसपेशियों में दर्द होने जैसे लक्षण सामने आते हैं।
- वायरस से बचाव ही रोग की आशंका को घटाता है।
- हाइजीन और साफ-सफाई को ध्यान में रखना जरूरी है। साथ ही यदि परिवार में कोई सदस्य इस वायरस से पीड़ित हो तो अन्य को सावधानी बरतनी चाहिए।

एंटीवायरल दवाएं कारगर

आमतौर पर यह बीमारी बच्चों या बड़ों दोनों में कुछ दिनों में ठीक हो जाती है। लेकिन जिनकी इम्युनिटी कमजोर होती है उनमें वायरस के तेजी से फैलने पर दिमाग, आंख और कान प्रभावित होते हैं। इस वजह से मरीज की हालत गंभीर होने लगती है। इसके लिए एंटीवायरल दवाओं का कोर्स शुरू कर इलाज किया जाता है। इससे वायरस के विकास को रोका जाता है।

साफ-सफाई रखना जरूरी

रात की सर्जरी बढ़ाती है मौत की आशंका

रात में की गई सर्जरी से मौत का खतरा दोगुना हो जाता है। हाल ही में आए अध्ययन के परिणाम के अनुसार दावा किया गया है कि रेग्युलर वर्किंग समय के दौरान किए गए ऑपरेशन या सर्जरी की तुलना में रात में की गई सर्जरी या ऑपरेशन में मौत का खतरा दोगुना हो जाता है। मतलब जिन मरीजों का ऑपरेशन या सर्जरी रात में दिन में या वर्किंग समय में ना होकर रात में किया जाता है उनके मरने की संभावना दोगुनी होती है। यहां तक की देर शाम में भी होने वाली सर्जरी में मॉर्टिलीटी रिस्क का खतरा ज्यादा होता है। इस अध्ययन में पिछले 5 सालों में हुए सारे सर्जरी के आंकड़ों को शामिल किया गया है। अध्ययन में 1 अप्रैल 2010 से 31 मार्च 2015 के सर्जिकल आंकड़ों को लिया गया है। सबसे पहले इसमें सभी तरह के सर्जीकल इंटरवेंशन को शामिल किया गया है। इस अध्ययन में ऑप्थाल्मिक और लोकल एंथेसेसिया के केस को छोड़कर अन्य सभी तरह के वैक्लिपक और आपातकालीन सर्जिकल केसेस को शामिल किया गया है। जिसमें काम करने के घंटों को तीन ब्लॉक में बांट गया। पहले ब्लॉक में सुबह के 7 बजे से लेकर दिन के 3:29 बजे तक के समय को रखा गया। दूसरे ब्लॉक में शाम के 3:30 से रात के 11:29 बजे तक के समय को रखा गया और अंतिम ब्लॉक में रात 11:30 बजे से लेकर सुबह 7:29 बजे तक के समय को रखा गया।

इन ब्लॉक में शुरू हुए ऑपरेशन के समय पर नर्सों ने नजर रखी कि कब ऑपरेशन शुरू हुआ और कब खत्म हुआ। इस अध्ययन में 41,716 वैक्लिपक और आपातकालीन सर्जरीज को शामिल की गई। इन मामलों में से 10,480 केस इमरजेंसी के थे जिसमें से 3,445 मामलों की सर्जरी पहले ब्लॉक के समय में, 4,951 मामलों की सर्जरी दूसरे ब्लॉक के समय में और 2,084 मामलों की सर्जरी तीसरे ब्लॉक के समय में की गई।

अध्ययनकर्ताओं ने पाया की दिन की तुलना में रात के समय किए गए ऑपरेशन में मरने की संभावना 2.17 टाइम्स अधिक थी। वहीं लेट इवनिंग में किए गए ऑपरेशन में मौत की संभावना दिन के समय हुए ऑपरेशन की तुलना में 1.43 टाइम्स अधिक थी।

अपनी मर्जी से न करें पेन किलर का इस्तेमाल

दर्द निवारक दवाओं का इस्तेमाल अपनी मर्जी से न करें दर्द निवारक दवाओं का इस्तेमाल अपनी मर्जी से बिल्कुल न करें योंकि ऐसा करने से इनके अच्छे परिणामों की बजाय सेहत पर बुरा असर होगा। डॉक्टरों ने जानकारी देते हुए बताया कि बच्चों को ऐस्पिरिन कभी नहीं देना चाहिए इससे जानलेवा लीवर फेलियर हो सकता है। बच्चे एवं किशोर जो चिकन पाक्स अथवा लू जैसे लक्षणों से रिकवर हो रहे हों उन्हें कभी एस्पिरिन नहीं देना चाहिए पैरासिटामॉल कभी भी डॉक्टर की सलाह के बिना नहीं लेना चाहिए पश्चिमी देशों में यह नंबर वन सुसाइडल एजेंट बन चुका है। दिल के सभी मरीजों को दर्द निवारक दवाओं के इस्तेमाल से पहले डॉक्टर से सलाह लेना बेहद जरूरी होता है। अगर किडनी की समस्या से प्रभावित मरीज ने दर्द निवारक दवाका इस्तेमाल किया तो उसे किडनी फेलियर का खतरा बढ़ सकता है। दर्द निवारक दवाओं का बेहद समझदारी से इस्तेमाल होना चाहिए क्योंकि खतरे के दायरे में आने वाले लोगों के लिए एक टेबलेट भी किडनी फेलियर को बढ़ावा दे सकता है।

अब बच्चे खत्म करेंगे पूरा लंच बॉक्स

अक्सर मदर्स की यही शिकायत होती है कि उनका बच्चा लंच बॉक्स में खाना खत्म करके नहीं आता। इसमें पूरा दोष बच्चे का नहीं है, जरा-सा आपका भी है। इसके लिए बच्चों को हेल्दी खाने की आदत डालनी होगी। अगर आपका बच्चा खाने से जी चुराता है और आप इस बात से भी परेशान रहते हैं कि आखिर उसे कैसे लंच बॉक्स दिया जाए, जिसे वह खत्म भी कर ले और उसे पोषण भी मिले तो कुछ टिप्स फॉलो करें।

बच्चों के लंच बॉक्स में ज्यादातर सूखी चीजें रखनी चाहिए, ताकि उन्हें खाने में आसानी रहे। बच्चों की दिलचस्पी का भी ख्याल रखें और इस बात का भी ध्यान रखें कि उन का रोज का खाना एक जैसा न हो जाए। किसी दिन रोटी सब्जी दें, तो किसी दिन आटे की नमकीन सेंवई, कभी सब्जी पुलाव दे दिया, तो कभी उत्तपम, इडली या दाल का चीला वगैरह भी लंच बॉक्स में रख सकते हैं।

बच्चों के लंच बॉक्स में मौसम के हिसाब से फल भी रखें। इनमें संतरा, केला, सेब, अनार वगैरह ऐसे फल हैं जो बच्चों को आमतौर पर पसंद आते हैं। खीरा, ककड़ी टमाटर, अंकुरित अनाज या दल वगैरह का सलाद रखना न भूलें। बच्चे को पॉकेट मनी दे कर बाहर कैंटीन से खाना खाने की आदत न डालें। ये भी करें- बच्चे की खुराक में दूध को अहमियत दें। उसमें रोजाना दूध पीने की आदत डालें। बच्चे की पंसद के खाने को नजरअंदाज न करें, पर साथ ही पौष्टिक खाना खाने के लिए भी बढ़ावा दें। बच्चा जब भोजन खत्म कर लेता है, तो उसे प्यार से शाबाश या वैरी गुड जरूर कहें।

इन वजहों से रात में भी करें वर्कआउट

सामान्यतः लोग सुबह ही वर्कआउट करने को तरजीह देते हैं। इसमें कुछ गलत भी नहीं है। सेहत के लिहाज से यह बेहतर भी है। लेकिन देखा जाए तो इन दिनों समय के अभाव से हर कोई बावस्ता है। ऐसे में वर्कआउट के लिए समय निकालना किसी जद्दोजहद से कम नहीं है। सवाल है ऐसी स्थिति में क्या किया जाना चाहिए? ऐसी स्थिति में आप चाहें तो रात के समय को चुन सकते हैं। अब आप सोच रहे होंगे कि रात को वर्कआउट कर क्या उतने ही फायदे हासिल हो सकते हैं जितने सुबह करने से हासिल होते हैं? एक अध्ययन के मुताबिक देर रात जगने वालों के लिए रात का समय अनुकूल है। दरअसल इस समय वे पूरे लगन से वर्कआउट करते हैं। वे किसी भी तरह की हड़बड़ी में नहीं होते। अतः वर्कआउट करने में पूरा ध्यान देते हैं। इतना ही नहीं वर्कआउट करते हुए वे अतिरिक्त मेहनत भी करते हैं क्योंकि उन्हें पता होता है कि इसके बाद उन्हें आराम करना है। मतलब साफ है कि निश्चित मन से रात को वर्कआउट करने वाले ज्यादा फोकस होते हैं। नतीजतन इसका उनकी सेहत पर गहरा असर देखने को मिलता है।

मोबाइल फोन के साथ सोना खतरनाक

आपकी ये आदत बन सकती है परेशानी

जब भी आप सुबह उठते हैं तो सबसे पहले अपना मोबाइल फोन उठाते हैं और सोशल साइट्स के अलावा कई दूसरी चीजें जैसे एसएमएस, मिस या वॉयस काल चेक करते हैं, लेकिन क्या रात में आईफोन या फिर एंड्रॉयड-स्मार्टफोन अपने पास रखकर सोने का कोई लॉजिक नहीं है। अगर एक दिन आपको बिना स्मार्टफोन के सोना पड़ जाए तो शायद रातभर आपकी आंखों में नींद न आए। स्मार्टफोन न सिर्फ आपकी रातों की नींद उड़ाता है बल्कि आपकी सेहत का भी नुकसान होता है।

बढ़ती है टॉक्सिन की मात्रा

रात में भी आपका ध्यान फोन की तरफ रहता है, जिससे आप अच्छी तरह नींद नहीं ले पाते। रात में अगर आप अपने फोन को अचानक उठाकर देखते हैं तो आपकी आंखें दिमाग को यह संदेश देती हैं कि शरीर को जागना है, जबकि दिमाग शरीर को सुलाने की कोशिश करता है। आपके दिमाग को रेस्ट करने का समय नहीं मिलता, जिससे शरीर में टॉक्सिन की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे आप अच्छी तरह नींद नहीं ले पाते। दिन में आप काम पर फोकस कर नहीं पाएंगे, साथ ही शरीर भी सुस्त रहेगा। दिन में 7 से 9 घंटे की नींद जरूरी होती है। इसलिए अगर रात में आपको मोबाइल चलाने का बहुत शौक है तो आप अपने इस शौक को जरा विराम लगाई। वरना एक अच्छी सेहत आप खो देंगे।

बढ़ने लगता है आपका वजन

दिन-ब-दिन आपकी काबिलियत कम होती जाएगी, इसका सीधा कारण है नींद न पूरी होना, साथ ही आपका वजन भी बढ़ने लगेगा। कम सोने से शरीर के मैटाबॉलिज्म में बदलाव होने लगता है, जिससे शरीर का भार बढ़ता है। ज्यादातर डॉक्टरों का इस बारे में यही कहना है 9.00 बजे के बाद अपने फोन को खुद से दूर रखें और अपने शरीर की घड़ी के अनुसार चलें। यानि जब सोने का समय हो तो शरीर को सोने दें। वरना इस तरह की आदत से आप कई बीमारियों को आमंत्रित कर लेंगे। सोते समय मोबाइल फोन से दूरी बनाए रखने में ही समझादी है। और इससे आप अपनी सेहत का भी ख्याल रखते हैं।

रेसिपी

मखमली पनीर टिक्का

सामग्री

200 ग्राम पनीर(कटा हुआ)
1/2 कप दही
1/4 चीज(कद्दूकस किया)
1/2 छोटा चम्मच हरी मिर्च(पेस्ट)
1 टेबलस्पून काजू पाऊडर
1/2 छोटा चम्मच गर्म मसाला
1 टीस्पून काली मिर्च पाऊडर
नमक स्वादानुसार

विधि

सबसे पहले एक बर्तन में दही लेकर इसमें हरी मिर्च,काजू पाऊडर, गर्म मसाला,काली मिर्च,नमक और चीज डालकर मिक्स करें। अब इसमें पनीर के टुकडे लपेट कर 15-20 मिनट के लिए रख दें। माइक्रोवेव को 200 डिग्री पर प्रीहीट कर लें और फिर पनीर के टुकड़ों को स्टिक पर लगा कर माइक्रोवेव में 15 मिनट तक ग्रिल करें। आपका मखमली पनीर टिक्का बनकर तैयार है। इसे सॉस के साथ सर्व करें।

शिमला मिर्च की लौंजी

सामग्री

1 कप शिमला मिर्च के टुकड़े, 2 टेबल-स्पून तेल ,1/2 टी-स्पून कलौंजी, 1 टी-स्पून सौंफ
1 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, एक चुटकी हल्दी पाउडर, 2 टी-स्पून धनिया पाउडर, 1/2 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 3/4 टी-स्पून अमचुर
2 टेबल-स्पून शक्कर, नमक स्वादअनुसार

विधि

एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें, कलौंजी, सौंफ और हरी मिर्च डालकर मध्यम आंच पर 1 मिनट के लिए भून लें। शिमला मिर्च डालकर कुछ और सेकेन्ड तक मध्यम आंच पर भून लें। हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और अमचुर डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर 1 मिनट के लिए पका लें। 1/2 कप पानी, शक्कर और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर 4-5 मिनट या शिमला मिर्च के नरम होने तक, बीच-बीच मे हिलाते हुए पका लें। तुरंत परोसें या हवा बद डब्बे में डालकर 2-3 दिनों के लिए फ्रिज में रखें।

कहीं आप भी 'फोमो' के शिकार तो नहीं

अगर आप फेसबुक, ट्विटर और व्हाट्सएप के बिना एक पल भी नहीं रह पाते हैं तो ये आपके लिए खतरनाक हो सकता है। हो सकता है कि आप 'फोमो' यानि 'फीयर ऑफ मिसिंग आउट' के शिकार हों। स्मार्टफोन के जरिए अपने दोस्तों और हर पल होने वाली बातों के टच में रहने की लगातार इच्छा आपको 'फोमो' का शिकार बना सकती है।

क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट रीपेन सिप्पी की मानें तो जिन लोगों को सोशल मीडिया की आदत हो चुकी है, इससे दूर रहने पर वे 'फोमो' का शिकार हो जाते हैं। ऐसे लोग जब ज्यादा देर तक सोशल मीडिया से दूर रहते हैं तो उन्हें बेचैनी-सी महसूस होती है। वहीं कंसल्टेंट क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट आशिमा श्रीवास्तव का कहना है कि 'फोमो' सोशल एंजाइटी का रूप है ।

जब नहीं मिलता अटेंशन

बहुत सारे लोग जिन्हें रीयल लाइफ में प्यार और अटैंशन नहीं मिलता वे इन चीजों को वर्चुअल वर्ल्ड में ढूंढना शुरू कर देते हैं। जब उन्हें वर्चुअल वर्ल्ड में ये सब कुछ मिलता रहता है, वे खुश रहते हैं पर जिस पल उन्हें अटैंशन मिलना बंद हो जाता है, 'फोमो' फोबिया उन पर हावी हो जाता है। ऐसे में आपके मन में 'फीयर ऑफ मिसिंग आऊट' जैसी बातें आने लगती हैं।

रिश्तों पर बुरा असर

लोगों को वर्चुअल वर्ल्ड में जीने की इतनी आदत हो जाती है कि वे रीयल लाइफ सिचुएशंस को फेस ही नहीं कर पाते। यही बातें दूसरों के साथ उनके रिश्तों में भी असंतुलन पैदा कर देती हैं और रीयल लाइफ की किसी परिस्थिति में वे जल्दी प्रतिक्रिया ही नहीं दे पाते। ऐसे में दोस्तों और परजिनों के साथ उनके रिश्ते बिगड़ने लगते हैं।

आपके भीतर पैदा कर देता है 'डर'

'फोमो' में एक व्यक्ति के भीतर डर विकिसत होने लगता है कि वह जरूरी अपडेट्स और महत्वपूर्ण इवेंट्स को मिस कर देगा। इसी डर की वजह से वह लगातार अपने मोबाइल फोन को चेक करता रहता है। सामान्यतः कोई व्यक्ति 'फोमो' के शिकंजे में तब आता है, जब वह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर खुद को उपेक्षति या अकेला महसूस करने लगता है ।

सोशल बिहेवियर पर असर

मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि सिर्फ 'फोमो' ही नहीं, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के ज्यादा इस्तेमाल से सोशल बिहैवियर पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। इससे वयस्कों, युवाओं और यहां तक कि स्कूल जाने वाले बच्चों के वर्क परफॉर्मेंस पर असर पड़ता है । वे अंतर्मुखी होने लगता है और सामान्यतः लोगों को खुश करने वाली बातों से भी उसे खुशी नहीं होती।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**